RNI NO. ASSHIN/2016/72966 PRATAH KHABAR, Jorhat, Monday, 20 July, 2026 वर्ष 23 अंक 80, जोरहाट, सोमवार 20 जुलाई, 2026, आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-6 मूल्य : दस रुपये पेज-12

गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Monday, 20 July, 2026 वर्ष 23 अंक 80, गुवाहाटी, सोमवार 20 जुलाई, 2026, आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-6 मूल्य : दस रुपये पेज-12

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास-10

रिजेक्शन ने सिखाया आगे बढ़ना : रश्मिका-12

सुप्रभातम्

क्रोध में बोला गया एक कठोर शब्द इतना जहरीला हो सकता है कि आपकी हजार खूबसूरत बातों को भी पल भर में मिटा दे।

संसद का मानसून सत्र आज से

■ सरकार ने विपक्ष से मांगा सहयोग ■ पांच नये विधेयक होंगे पेश

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (एजें)। संसद के मानसून सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक बुलायी गयी, लेकिन विपक्षी सांसदों ने इस दौरान वॉकआउट कर दिया। बैठक में उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों को भी बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया गया। इस पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया और वॉकआउट कर दिया। हालांकि बाद में विपक्षी नेता दोबारा बैठक में शामिल हो गये। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र को लेकर सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलायी गयी थी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील की। विपक्षी सांसदों का तर्क था कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने अभी इनके गुट को मान्यता नहीं दी है। इन 20 सांसदों की बगावत के बाद टीएमसी ने लोकसभा अध्यक्ष से मांग की है कि दलबदल कानूनों के अधीन इन सांसदों की सदस्यता रद्द की जाए। महुआ मोइत्रा ने कहा कि हमने उन 20 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। लोकसभा अध्यक्ष को इस मुद्दे पर फैसला लेना चाहिए। इस बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके सहित कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने विपक्षी दलों के बायकॉट पर कहा कि एनसीपीआई के 20 लोकसभा सांसदों ने हस्ताक्षर करके लोकसभा स्पीकर के पास नयी पार्टी को मान्यता देने और संसद में अलग से बैठने की मांग की है। विवाद के बाद कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव (शरद पवार गुट) की सुप्रिया सुले और की महुआ मोइत्रा समेत कई विपक्षी नेता बैठक से बाहर निकल गये। विपक्ष ने इसे प्रतीकात्मक वॉकआउट बताया। विपक्षी नेताओं ने बाहर आकर संवाददाता सम्मेलन की और इसके बाद सभी विपक्षी दलों के नेता दोबारा सर्वदलीय बैठक में शामिल हो गये। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि संसद का मानसून सत्र कल से शुरू हो रहा है और इसी को लेकर सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलायी गयी थी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील की। वहीं केंद्र सरकार कल से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पांच नये विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें आयकर और एमएसएमई सुधार, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून में बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र के दौरान सरकार आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करेगी। इन दोनों विधेयकों के जरिए पहले जारी अध्यादेशों की जगह कानून बनाया जाएगा। इसके अलावा सरकार जन्म एवं विकास पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, शेष पृष्ठ आठ पर

विपक्ष ने की राम मंदिर, एथनॉल व पेपर लीक पर चर्चे की मांग

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने आज कहा कि विपक्ष ने सरकार द्वारा बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक में संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान अयोध्या स्थित राम मंदिर चंदा चोरी, एथनॉल, छात्रों से जुड़े मुद्दों और मणिपुर की स्थिति पर चर्चा की मांग की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई केंद्रीय मंत्री और विपक्षी नेता शामिल हुए। बैठक में शामिल होने के बाद गोगोई ने कहा कि सरकार ने सत्र के लिए कई विधेयक सूचीबद्ध किये हैं, लेकिन सदन में अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि हमने इन मुद्दों को उठाया और संसद में इन पर चर्चा की मांग की। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा अयोध्या स्थित राम मंदिर में चंदे की चोरी का है। सरकार को इस मामले में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। हम छात्रों के प्रदर्शन भी देख रहे हैं, लेकिन शेष पृष्ठ आठ पर

ईरान का अमेरिकी सहयोगी देशों पर हमला

दुबई, 19 जुलाई (एपी)। अमेरिका ने आज ईरान में हवाई हमले किये। वहीं ईरान की ओर से जॉर्डन की तरफ दागी गयी मिसाइल के कारण संघर्ष के पड़ोसी देश इस्राइल तक फैलने का खतरा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि ताजा हमलों में ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को निशाना बनाया गया और यह कार्रवाई जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लेने के लिए की गयी। पिछले महीने हुए अस्थायी समझौते के विफल होने के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई सैन्य झड़पों से संघर्ष और तेज हो गया है। यह अभियान अब दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। इसकी शुरुआत होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष से हुई थी। अमेरिका ने ईरान में पुलों, बिजली प्रतिष्ठानों और अन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया है, जबकि तेहरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले करके जवाबी कार्रवाई की है। कुवैत, जॉर्डन और बहरीन ने आज सुबह फिर से अपनी वायु रक्षा प्रणालियां सक्रिय कर दीं और ईरानी ड्रोन तथा मिसाइल के आने की चेतावनी जारी की। इस्राइल ने चेतावनी दी कि संघर्ष दोबारा शुरू होने के बाद जॉर्डन की ओर दागी गयी ईरानी मिसाइल पहली बार उसके क्षेत्र में गिर सकती है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमान ने अपने बयान में कहा कि उसने ईरानी सैन्य तटीय निगरानी और वायु रक्षा प्रतिष्ठानों, समुद्री क्षमताओं तथा मिसाइल और ड्रोन भंडारण स्थलों को निशाना बनाया। उसने कहा कि हमलों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की नियंत्रण क्षमता को कमजोर करना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) को जवाब देना था, जो ईरान की सत्ता व्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति है और बैलिस्टिक मिसाइल के भंडार को नियंत्रित करता है। अमेरिकी शेष पृष्ठ आठ पर

कीव पर हुए रूसी हमले में एक की मौत

कीव, 19 जुलाई (एपी)। रूस द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव पर रातभर किये गये हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और 16 अन्य घायल हो गये। इस हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला स्थानीय समयानुसार रात करीब डेढ़ बजे शुरू हुआ और कई घंटों तक जारी रहा। इस दौरान राजधानी में लगातार विस्फोटों की आवाजें सुनायी देती रहीं। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार रूस ने रातभर पूरे यूक्रेन पर 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोदीमीर शेष पृष्ठ आठ पर

पेरू में भूकंप से पांच लोगों की मौत

लीमा (पेरू), 19 जुलाई (एपी)। पेरू के एंडीज क्षेत्र में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं और अब तक 300 लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार 9 बजकर 24 मिनट पर आया। यह हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग दो किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। पेरू के राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा संस्थान ने एक बयान में कहा कि अब तक लापता लोगों की कुल संख्या का पता नहीं चल पाया है। भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गयीं या उन्हें संरचनात्मक शेष पृष्ठ आठ पर

नेपाल के पूर्वी रुकुम जिले में 5.0 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू, 19 जुलाई (भा)। नेपाल के लुंबिनी प्रांत के पूर्वी रुकुम जिले में आज 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे आये भूकंप का केंद्र पूर्वी रुकुम के कोल क्षेत्र में था, जो काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके पड़ोसी जिलों रोल्पा, बागलुंग और म्याग्दी में भी महसूस किये गये। केंद्र के वरिष्ठ भूकंप विज्ञानी लोक विजय अधिकारी ने बताया कि अब तक भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। नेपाल में हर वर्ष कई बार भूकंप आते हैं और यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र-4 और 5 में है, जिसके कारण इसे भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है।

तंजानिया के तेल टैंकर को समुद्री डाकुओं ने किया अपहरण

मोगादिशु (सोमालिया), 19 जुलाई (एपी)। यमन के तट के निकट तंजानिया के ध्वज वाले एक तेल टैंकर का संदिग्ध सोमाली समुद्री डाकुओं ने अपहरण कर लिया। सुरक्षा सूत्रों और स्थानीय अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद इस वाणिज्यिक तेल टैंकर को सोमालिया के उत्तर-पूर्वी बारी क्षेत्र के तटीय जलक्षेत्र में ले जाया गया है। सूत्रों के अनुसार सामान्य श्रेणी के तेल टैंकर एमटी असाना को शुक्रवार को यमन के मुकल्ला बंदरगाह से रवाना होने के बाद कब्जे में ले लिया गया। इस जहाज को अर्ध-स्वायत्त पंटलैंड प्रांत के बारी क्षेत्र में स्थित कालूला के तट से दूर समुद्र में रोका गया है। सूत्रों के अनुसार सात सशस्त्र सोमाली समुद्री शेष पृष्ठ आठ पर

गुवाहाटी समेत 27 जिलों में वज्रपात की चेतावनी

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। राज्य में मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर एक बार फिर चिंताजनक चेतावनी जारी की है, जिससे आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ने की आशंका है। राज्य के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से लगातार मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी है। इस भारी बारिश के चलते गुवाहाटी के कई निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं, जबकि ऊपरी असम के भी कई स्थानों पर बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो गयी है। इसी बीच मौसम विज्ञान केंद्र ने अपनी नयी चेतावनी में राज्य के तीन प्रमुख जिलों गोलाघाट, जोरहाट और शिवसागर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार इन तीनों जिलों में अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है, जिससे प्रशासन को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है। इसके साथ ही राज्य के एक बड़े हिस्से में सुरक्षा के मद्देनजर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग ने दक्षिण सालमारा मानकाचर, धुबड़ी, कोकराझाड़, बंगाईगांव, चिरांग, ग्वालपाड़ा, बरपेटा, बजाली, कामरूप, कामरूप (महानगर), दरंग, मोरीगांव, उदालगुड़ी, शोणितपुर, नगांव, विश्वनाथ, लखीमपुर, धेमाजी, तिनसुकिया, शेष पृष्ठ आठ पर

असम में बाढ़ का कहर

सीएम ने सेना और वायुसेना किया अलर्ट

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। असम के शिवसागर, चराईदेव और जोरहाट जिलों में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। हालात की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि असम सरकार ने भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना को अलर्ट पर रहने का अनुरोध किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत बचाव और राहत अभियान शुरू किया जा सके। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों को भी मुस्तैद कर दिया है। उन्होंने अपनी कैबिनेट सहयोगी अजंता नेओग, बिमल बोरा, केशव महंत और विधायक सुशांत बरगोहाईं को तुरंत बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने शेष पृष्ठ आठ पर

पूर्व आईबी प्रमुख को मिल सकती है एलजी की जिम्मेदारी

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। केंद्र सरकार इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के पूर्व प्रमुख तपन कुमार डेका को जम्मू-कश्मीर का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर नियुक्त कर सकती है। असम के रहने वाले डेका को जल्द ही यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की संभावना है। मालूम हो कि 30 जून को उन्होंने आईबी के निदेशक पद से अपना कार्यकाल पूरा किया है। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने तपन कुमार डेका को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त करने पर विचार कर रही है। वर्तमान लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा का पांच साल का कार्यकाल अगस्त 2025 में ही समाप्त हो चुका है, लेकिन अगला आदेश न आने के कारण वे लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका ने साल 2022 से 2026 तक देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी आईबी के निदेशक के रूप में काम किया है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक आतंकवाद विरोधी अभियानों और देश की आंतरिक सुरक्षा को संभालने में उनका लंबा और बेहद मजबूत अनुभव रहा है।

गाली-गलौज, अभद्र भाषा या अश्लील शब्दों का इस्तेमाल नहीं माना जाएगा अश्लीलता : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सिर्फ अपशब्द, अभद्र भाषा और अश्लील गालियां (चाहे वे कितनी भी आपत्तिजनक क्यों न हों) अश्लीलता नहीं मानी जाएंगी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की कि सिर्फ गाली-गलौज या अश्लील भाषा का इस्तेमाल करना इस धारा के तहत अश्लीलता का अपराध नहीं माना जा सकता। उस व्यक्ति ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसे भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 294 के तहत दोषी ठहराये जाने के फैसले को सही ठहराया गया था। पीठ ने कहा कि किसी बात को अश्लील मानने के लिए यह साबित करना जरूरी है कि वह कामुक थी, वासना जगाने वाली थी और उसे सुनने या देखने वालों के मन को बिगाड़ने या भ्रष्ट करने की क्षमता रखती थी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक फैसले में कहा कि इस कसौटी पर परखने पर भले ही शिकायत में लगाये गये सभी आरोपों को ज्यों का त्यों मान लिया जाए और उन्हें पूरी तरह सच स्वीकार कर लिया जाए, फिर भी उन्हें अश्लील नहीं माना जा सकता। इसमें कहा गया है कि ऐसे शब्द, चाहे वे कितने भी अपमानजनक, अप्रिय या असम्मानजनक क्यों न हों, भादंसं की धारा 294(बी) की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। पीठ ने कहा कि यह कहीं भी आरोप नहीं है कि ऐसे शब्दों के शेष पृष्ठ आठ पर

कार्बी आंगलांग में मिलीं प्राचीन मूर्तियां और शिलालेख

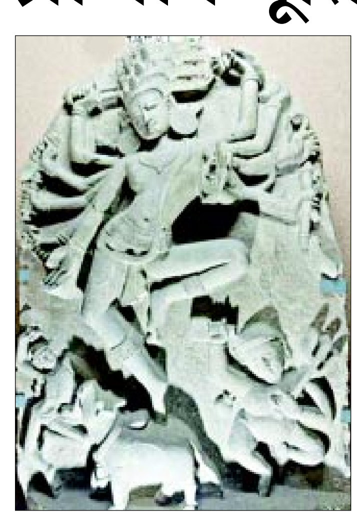

डिफू, 19 जुलाई (भा)। असम के कार्बी आंगलांग जिले में इतिहास का एक अनमोल खजाना सामने आया है। हाल में यहां खुदाई के दौरान पत्थर की प्राचीन दुर्लभ मूर्तियां और शिलालेख मिले हैं, जो राज्य की समृद्ध पुरातात्विक विरासत के साथ-साथ उसके अतीत के कई अनछुए अध्याय पर नयी रोशनी डालती हैं। ये दुर्लभ वस्तुएं मध्य असम के इस जिले के फुलोनी क्षेत्र में स्थित सार्थे रोंगफार गांव में मिली हैं, जो अतीत की विरासत को सामने लाने में इस क्षेत्र के महत्व को दर्शाता है। दो सौ वर्ष पुराने दो तालाबों के आसपास पुरातत्वविदों और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की गयी खुदाई में अनेक दुर्लभ कलाकृतियां मिली हैं। इनमें बारीक नक्काशी वाली नृत्य की मुद्रा वाली आकृतियां, देवी-देवताओं की मूर्तियां, शिवलिंग, प्राचीन मंदिरों के अवशेष तथा एक विशाल चट्टान पर उकेरी गयी भगवान गणेश की आकर्षक आकृति शामिल हैं। कार्बी आंगलांग के उपायुक्त अरण्यक सैकिया ने कहा कि हाल में सार्थे रोंगफार गांव के दौरे के दौरान मुझे असम की पुरातात्विक विरासत के एक ऐसे अछूत, लेकिन कम चर्चित अध्याय को देखने का अवसर मिला। गांव के दो प्राचीन तालाबों के आसपास की खुदाई में पत्थर की मूर्तियों और शिलालेखों का शेष पृष्ठ आठ पर

राज्य के नागरिकों के लिए बड़ी खुशखबरी

एक से फिर शुरू होगा अरुणोदय

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के लोगों के लिए चार बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। चुनाव और बजट सत्र के कारण राज्य सरकार की कई प्रमुख योजनाओं के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता अस्थायी रूप से रुकी हुई थी, लेकिन 10 जुलाई को बजट पेश होने के बाद अब इन योजनाओं के तहत दोबारा धनराशि और लाभ मिलने शुरू हो जाएंगे। इसी कड़ी में एक अगस्त से राज्य के नागरिकों को रियायती दरों पर चीनी और मसूर की दाल का वितरण दोबारा शुरू किया जाएगा। पिछले वर्ष नवंबर से सरकार यह लाभ दे रही थी, जो चुनावों के बाद से बंद था, लेकिन अब इसे फिर से बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही राज्य की सबसे बड़ी सामाजिक सहायता योजनाओं में से एक अरुणोदय योजना के तहत मिलने वाली राशि का वितरण भी 3 अगस्त से दोबारा शुरू होने जा रहा है। पिछले अप्रैल महीने से लाभार्थियों को इस योजना का पैसा नहीं मिल पाया था, जबकि इससे पहले मार्च में सरकार ने महिलाओं को 9,000 शेष पृष्ठ आठ पर

दो वर्षों में रास सदस्यों की सुविधाओं पर हुए 262 करोड़ से अधिक खर्च : आरटीआई

जयपुर, 19 जुलाई (भा)। राज्यसभा के सभी मौजूदा सदस्यों के वेतन, भत्तों और विभिन्न सुविधाओं पर पिछले दो वित्त वर्षों 2024-25 और 2025-26 के दौरान 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये गये। इनमें से 151 करोड़ रुपये से अधिक राशि केवल भत्तों और यात्रा मद पर व्यय की गयी। यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जवाब में सामने आयी है। आरटीआई के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सदस्यों पर सरकारी खजाने से 98 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये गये, जबकि 2025-26 में यह राशि बढ़कर 163 करोड़ रुपये से अधिक हो गयी। इस प्रकार खर्च में लगभग 65 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गयी। इस खर्च में घरेलू और विदेशी यात्राएं, कार्यालय व्यय तथा चिकित्सा बिल भी शामिल हैं। आरटीआई जवाब के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सदस्यों के वेतन पर 25.71 करोड़ रुपये से अधिक, चिकित्सा बिलों पर 8.20 करोड़ रुपये, यात्रा व्यय पर 24.99 करोड़ रुपये और भत्तों पर 33.33 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये गये। वहीं, वर्ष 2025-26 में वेतन पर 44.60 करोड़ रुपये से अधिक, चिकित्सा बिलों पर 9.60 करोड़ रुपये, यात्रा व्यय पर 36 करोड़ रुपये तथा भत्तों पर 58.78 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए। यह जानकारी राज्यसभा सचिवालय ने आरटीआई आवेदक चंद्रशेखर गौर द्वारा दायर आवेदन के जवाब में उपलब्ध करायी। जवाब के शेष पृष्ठ आठ पर

मप्र मंत्रिमंडल ने यूसीसी विधेयक के मसौदे को दी मंजूरी : यादव

भोपाल, 19 जुलाई (भा)। मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल ने आज तीन तलाक या निकाह हलाला से जुड़े मामलों को अपराध की श्रेणी में रखने, एक से अधिक शादी पर रोक लगाने, शादी और तलाक दोनों का पंजीयन अनिवार्य करने तथा विवाहित या अविवाहित माता-पिता के जैविक या गोद लिये जाने सहित सभी प्रकार के बच्चों को उत्तराधिकार में समान कानूनी दर्जा देने वाले मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता 2026 विधेयक को मंजूरी दे दी। राजधानी भोपाल के बाहरी इलाके में स्थित जगदीशपुर (पूर्व में इस्लामपुर) में आयोजित मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में इस विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में अब राम और शेष पृष्ठ आठ पर

गुफ्त-गू

भारत-स्पेन ने यूपीआई-बिजुम भुगतान प्रणाली पर जतायी सहमति

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। भारत और स्पेन ने एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और स्पेन के डिजिटल भुगतान मंच बिजुम को जोड़ने के लिए बातचीत तेज करने पर सहमति जतायी है। वाणिज्य मंत्रालय ने आज यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों ने निवेश को आसान बनाने, पेशेवरों की आवाजाही में सुधार और लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी चर्चा की। इसमें यूरोप और लैटिन अमेरिका के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का लाभ उठाने पर जोर दिया गया। ये मुद्दे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया स्पेन यात्रा के दौरान हुई बैठकों में उठे। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और स्पेन के बिजुम डिजिटल भुगतान मंच को जोड़ने के लिए तकनीकी स्तर पर बातचीत आगे बढ़ाने पर सहमति जतायी है। मंत्रालय ने बताया कि गोयल ने अपनी ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान भारतीय जहाज पुनर्चक्रण केंद्रों को सूचीबद्ध करने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कौशल, शिक्षा और प्रतिभाशाली पेशेवरों की आवाजाही को लेकर भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) संवाद शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा।

अप्रैल-मई में भारत के निर्यात वृद्धि में आसियान, अफ्रीका का सबसे बड़ा योगदान

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों में भारत के निर्यात में वृद्धि में आसियान और अफ्रीकी क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-मई अवधि के दौरान भारत का निर्यात सालाना आधार पर 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन) को भारत का निर्यात 66.9 प्रतिशत बढ़कर 10.5 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 6.3 अरब डॉलर था। वहीं, इस अवधि के दौरान अफ्रीकी देशों को निर्यात 53.1 प्रतिशत बढ़कर 9.6 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि एक साल शेष पृष्ठ आठ पर

हाईकोर्ट का वांगचुक को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति से इनकार

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के सफदरजंग अस्पताल में जारी इलाज के मामले में दखल देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा कि इस चरण में सोनम वांगचुक को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने संबंधी उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो की याचिका पर किसी अंतरिम आदेश की आवश्यकता नहीं है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। कल भूख हड़ताल के 21वें दिन दिल्ली पुलिस वांगचुक को जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल ले गयी थी। वांगचुक 28 जून से नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों द्वारा आत्महत्या किये जाने के विरोध में भूख हड़ताल कर रहे थे। आज विशेष सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पुष्करणा ने कहा कि सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर वांगचुक की लगातार निगरानी कर रहे हैं और यह नहीं कहा जा सकता कि उनके खिलाफ किसी प्रकार की जबर्दस्ती की जा रही है। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा वांगचुक को जंतर-मंतर से शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 किसानों के लिए मानसून राहत या चुनौती

पेज : 8 एनजीटी ने सीपीसीबी व अन्य को जारी किया नोटिस

पेज : 9 राजस्थान में फिर सक्रिय हो सकता है मानसून

दिल्ली में असम की सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा नया मंच

तीन नये परिसरों के साथ जल्द उपलब्ध होंगे 7 समर्पित स्थान

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। देश की राजधानी दिल्ली में असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और सामुदायिक पहचान को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी परियोजना पर काम शुरू हो गया है। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने नयी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-17 का दौरा कर प्रस्तावित नामघर और असम सांस्कृतिक-एकीकरण केंद्र के लिए निर्धारित स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने इस परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा भी विशेष रूप से उनके साथ मौजूद रहे। इस सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण के साथ ही असम से देश की राजधानी आने वाले लोगों की सुविधाओं के लिए बड़े स्तर पर बुनियादी

ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली आने वाले असम के नागरिकों, अधिकारियों और समुदायों के बेहतर ठहराव और सुविधाओं के लिए जल्द ही राजधानी में सात समर्पित स्थान उपलब्ध होंगे। वर्तमान में मौजूद असम हाउस के अलावा सेंट्रल दिल्ली और द्वारका में तीन नए परिसरों का विकास किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को आधुनिक और बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने द्वारका सेक्टर-13 में नवनिर्मित असम भवन का भी दौरा किया और वहां अंतिम चरण में चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इसके अलावा द्वारका में ही असम के स्वदेशी समुदायों के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के लिए कार्बी भवन और डिमासा भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इस पूरी योजना के अगले चरण में बराक भवन का निर्माण करने का प्रस्ताव है, जिससे असम की बराक घाटी के लोगों को दिल्ली में ठहरने और अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए एक बेहतर मंच मिल सकेगा। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने से दिल्ली में असमिया संस्कृति को एक नया मंच मिलेगा और राज्य के लोगों के लिए राजधानी में प्रवास करना काफी सुगम हो जाएगा।

केरल में अवैध पेड़ कटाई का मामला

एनजीटी ने वन अधिकारियों समेत अन्य को जारी किया नोटिस

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने केरल के चलाकुड़ी वन प्रभाग में एक राजमार्ग के लिए सागौन के करीब 273 पेड़ों की कथित रूप से अवैध कटाई और बिक्री के मामले में राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक समेत संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। हरित अधिकरण उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसने एक समाचार पत्र की एक खबर पर स्वत: संज्ञान लिया था। खबर में आरोप लगाया गया था कि वेल्लिकु लंगारा जंक्शन से वेट्टिला पाला पुल तक 18 किलोमीटर लंबे हिस्से में पेड़ों की अवैध कटाई की गयी। खबर के अनुसार ये पेड़ निजी स्वामित्व वाली और आवंटित भूमि पर स्थित थे, लेकिन इन्हें काटकर कम कीमत पर एक लकड़ी आधारित औद्योगिक इकाई को बेच दिया गया। हाल ही में उपलब्ध कराये गये आदेश में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि खबर के अनुसार त्रिशूर के सहायक वन संरक्षक (सामाजिक वानिकी) ने लकड़ी का मूल्य 41.55 लाख रुपये आंका था, जबकि पेड़ों को कथित तौर पर केवल 8.52 लाख रुपये में बेच दिया गया। अधिकरण ने केरल गैर-वन क्षेत्रों में वृक्ष वृद्धि प्रोत्साहन अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत कटे हुए पेड़ों के परिवहन के लिए वन रेंज अधिकारी द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) से संबंधित रिपोर्ट का भी उल्लेख किया। पीठ ने कहा कि हालांकि अधिनियम में प्रावधान है कि परिवहन पास केवल उन्हीं पेड़ों के लिए जारी किया जाएगा, जिन्हें उस भूमि के मालिक द्वारा कानूनी रूप से काटा गया हो, जहां वे स्थित हैं। लेकिन त्रिशूर वन प्रभाग के वन अधिकारी ने उल्लंघनों का उल्लेख किया है और मामला जांच के अधीन है। यह स्पष्ट नहीं है कि पेड़ों की कटाई और क्षतिपूरक वनीकरण के संबंध में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया गया या नहीं। अधिकरण ने कहा कि यह मामला वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के उल्लंघन की ओर संकेत करता है और समाचार में पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये गये हैं। एनजीटी ने मामले में राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) एवं वन बल प्रमुख (एचओएफएफ), मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बेंगलुरु स्थित एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय को पक्षकार बनाया है। अधिकरण ने कहा कि उपरोक्त प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया जाता है कि वे अगली सुनवाई (31 अगस्त) से कम से कम एक सप्ताह पहले अधिकरण की दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ के समक्ष हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब दाखिल करें।

आईएमडी ने उत्तर बंगाल में भारी बारिश का जताया अनुमान

भूस्खलन और अचानक बाढ़ की दी चेतावनी

कोलकाता, 19 जुलाई (भा)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सक्रिय दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण पश्चिम बंगाल के उत्तरी जिलों में अगले दो दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। विभाग ने पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और निचले क्षेत्रों में अचानक बाढ़ आने की भी चेतावनी दी। आईएमडी ने बताया कि कल से दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में लगातार बारिश हो रही है, जिसके कारण तीस्ता, तोर्सा, जलढाका और रायडक समेत क्षेत्र की कुछ नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है। आईएमडी के अनुसार जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों में अत्यधिक भारी बारिश, जबकि अन्य पहाड़ी जिलों में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि 21 से 23 जुलाई के बीच दक्षिण बंगाल के उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, नदिया, हावड़ा, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम जिलों में भी भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आज सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में जलपाईगुड़ी जिले के मूर्ति में सबसे अधिक 17 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गयी। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान जलपाईगुड़ी में 14 सेंटीमीटर, अलीपुरद्वार के दलगांव चाय बागान में 13 सेंटीमीटर, जलपाईगुड़ी के नागराकाटा में 13 सेंटीमीटर, अलीपुरद्वार के रायडक चाय बागान में 12 सेंटीमीटर, अलीपुरद्वार के बक्साद्वार में 11 सेंटीमीटर और जलपाईगुड़ी के मयनागुड़ी में 10 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गयी। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य की राजधानी कोलकाता में आसमान में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है।

अहमदाबाद पटाखा फैक्ट्री विस्फोट

तीन साझेदार गिरफ्तार, लाइसेंस खत्म होने के बावजूद जारी था काम

अहमदाबाद, 19 जुलाई (भा)। अहमदाबाद के रामोल इलाके में अवैध पटाखा इकाई में हुए भीषण विस्फोट और आग लगने से नौ लोगों की मौत के एक दिन बाद पुलिस ने उस इकाई का संचालन करने वाले तीन साझेदारों को गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मार्च में लाइसेंस की अवधि समाप्त होने और उसका नवीनीकरण नहीं होने के बाद अधिकारियों ने इस इकाई को बंद करने का आदेश दिया था। पुलिस समय-समय पर इसकी जांच भी करती थी हालांकि आरोपियों ने हाल की रथ यात्रा के दौरान पुलिस बल के सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त रहने का फायदा उठाते हुए करीब 20 दिन पहले दाहोद से मजदूर बुलाकर इस इकाई को अवैध रूप से फिर शुरू कर दिया। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिस उस जमीन के मालिक की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिसने यह परिसर किराये पर दिया था और साथ ही अवैध कारोबार को वित्तीय मदद देने वालों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। रामोल-गटराड रोड स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में कल दोपहर हुए विस्फोट और आग लगने की घटना में नौ लोगों की मौत हो गयी, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रमीलाबेन डोडिया, उसके बेटे मेहुल डोडिया और उसके कारोबारी साझेदार सादिक सैयद के रूप में हुई है। गहलोत ने एक सवाल के जवाब में बताया कि विस्फोट के समय मेहुल और रमीलाबेन फैक्टरी में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि मेहुल को मामूली चोटें आयी, जबकि रमीलाबेन के दोनों कानों के पर्दे फट गये। पुलिस आयुक्त ने बताया कि विस्फोट के बाद मेहुल मौके से कथित तौर पर भाग गया था और उसने एक अन्य व्यक्ति को अपनी घायल मां को अस्पताल ले जाने के लिए वापस भेजा। उन्होंने बताया कि बाद में दोपहर में मेहुल को साबरमती इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसकी मां और सादिक सैयद को घटना के तुरंत बाद पकड़ लिया गया। गहलोत ने बताया कि विस्फोट रामोल थाना क्षेत्र में द्रुत कार्य बल (आरएएफ) शिविर के पीछे एक खेत में बने अस्थायी टिन शेड में हुआ, जहां अवैध रूप से पटाखे बनाये जा रहे थे। उन्होंने बताया कि आरएएफ ने तुरंत अधिकारियों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस, दमकल विभाग और 108 एंबुलेंस सेवा की टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कुल 15 लोग प्रभावित हुए, जिनमें नौ लोगों की मौत हो गयी, जबकि छह अन्य का अहमदाबाद सिविल अस्पताल में इलाज जारी है।

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा की 5वीं कार्यकारिणी बैठक संपन्न

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा (सत्र 2025-27) की 5वीं कार्यकारिणी बैठक कल अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, सेवा कार्यों की समीक्षा और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत सुराणा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) विनोद लोहिया तथा निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने कहा कि सत्र का आधा कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है और अब दोगुनी ऊर्जा के साथ समाजसेवा को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कवि सम्मेलन, राइजर नामघर, योग शिविर, संस्कारशाला, भंगागढ़ योग शिविर तथा मासिक पत्रिका कामरूप दर्पण के सफल संचालन के लिए सभी कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति का आभार जताया। सचिव अनुज चौधरी ने पिछली बैठकों की कार्यवृत्त प्रस्तुत की। बैठक में वार्षिक आम सभा, मतदाता जागरूकता अभियान, रंगाली बिहू, पर्यावरण दिवस, योग दिवस, वृद्धाश्रम सहायता, आवश्यक वस्तु वितरण तथा गोपीनाथ नगर प्राथमिक विद्यालय में वाटर प्यूरीफायर स्थापना सहित विभिन्न सेवा प्रकल्पों की रिपोर्ट और आय-व्यय विवरण सर्वसम्मति से पारित किये गये। कोषाध्यक्ष संजय घीरीया द्वारा प्रस्तुत वित्तीय विवरण को भी सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। बैठक में अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने समाज की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से एक खोज प्रतिभा की 4.0 महा-अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस कार्यक्रम के आयोजन में राजस्थान फाउंडेशन पूर्वोत्तर का सहयोग रहेगा तथा इसे प्रांत स्तर पर संचालित किया जाएगा। साथ ही आगामी 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह और मातृशक्ति के लिए आयोजित होने वाले सिंजारा कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय की गयी।

मारवाड़ी हॉस्पिटल्स ने कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। मारवाड़ी हॉस्पिटल्स ने कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। एडवांस्ड कार्डियक केयर की दिशा में अपनी यात्रा में एक अहम पड़ाव पार करते हुए मारवाड़ी हॉस्पिटल्स ने हाल ही में अपनी पहली इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी स्टडी और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है। इससे संस्थान में हार्ट रिदम (दिल की धड़कन की लय) के खास मैनेजमेंट का एक नया दौर शुरू हुआ है। यह अहम प्रक्रिया नागांव के खेरोनी के रहने वाले 27 साल के एक पुरुष मरीज पर सफलतापूर्वक की गयी जो अस्पताल के इतिहास में अपनी तरह का पहला ऐसा इलाज था। मरीज को बार-बार दिल की धड़कन तेज होने (पल्पिटेशन) और कार्डियक एरिथमिया (दिल की धड़कन का अनियमित होना) की समस्या हो रही थी, जिससे उनकी जिंदगी की क्वालिटी पर बुरा असर पड़ रहा था। मरीज ने डॉ. अविनाश वर्मा (सीनियर विजिटिंग कंसल्टेंट, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल) से सलाह ली, जिसके बाद उनकी पूरी क्लिनिकल जांच और दिल से जुड़ी विस्तृत जांच की गयी। जांच के नतीजों के आधार पर मरीज में वुल्फ-पार्किंसन-व्हाइट सिंड्रोम का पता चला। यह जन्म से जुड़ी दिल की एक बीमारी है जिसमें एक अतिरिक्त इलेक्ट्रिकल पाथवे (बंडल ऑफ केंट) दिल के नैचुरल नोड को बायपास कर देता है। इस शॉर्ट सर्किट की वजह से सिग्नल वेंट्रिकल्स तक जल्दी पहुंच जाते हैं, जिससे दिल की धड़कन बहुत तेज होने (टैकीकार्डिया), पल्पिटेशन, चक्कर आने या बेहोश होने जैसी समस्याएं होती हैं। यह इलाज मारवाड़ी हॉस्पिटल्स में हाल ही में लगाये गये अत्याधुनिक कैथ लैब में किया गया। इस लैब को हाल ही में शुरू किया गया था और इलाके में एडवांस्ड कार्डियक सेवाएं बढ़ाने के अस्पताल के वादे के तहत इसे जनता के लिए खोला गया था। प्रक्रिया की शुरुआत इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी स्टडी से हुई, जो एक एडवांस्ड डायग्नोस्टिक तकनीक है। यह तकनीक दिल के इलेक्ट्रिकल सिस्टम का सटीक मैप बनाती है ताकि असामान्य रिदम की सही जगह और वजह का पता लगाया जा सके। जब एरिथमिया की वजह का सही पता चल गया तो मेडिकल टीम ने रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन प्रक्रिया शुरू की। यह एक मिनिमली इनवेसिव (कम चीर-फाड़ वाली) प्रक्रिया है जिसमें कंट्रोल की गयी रेडियोफ्रीक्वेंसी एनर्जी का इस्तेमाल करके उस असामान्य इलेक्ट्रिकल पाथवे को खत्म किया जाता है, जो एरिथमिया की वजह बनता है, जिससे दिल की रिदम सामान्य हो जाती है। पूरी प्रक्रिया तीस मिनट से भी कम समय में सफलतापूर्वक पूरी हो गयी। इसमें कोई दिक्कत नहीं आयी, न के बराबर या बिल्कुल भी दर्द नहीं हुआ, खून का नुकसान भी नहीं हुआ और कोई सर्जिकल निशान भी नहीं बना, जिससे मरीज आराम से ठीक हो सके और अपनी बीमारी का पक्का इलाज पा सके। यह प्रक्रिया डॉक्टरों की एक टीम ने पूरी की, जिसमें डॉ. अविनाश वर्मा (विजिटिंग सीनियर कंसल्टेंट, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल), डॉ. आदित्य भास्कर और डॉ. विवेक थापा (कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट, मारवाड़ी हॉस्पिटल्स) शामिल थे। इस मौके पर डॉ. जेपी शर्मा (डीन और डायरेक्टर क्लिनिकल एक्सीलेंस) ने कहा कि हमारी पहली और प्रक्रिया का सफलतापूर्वक पूरा होना मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के लिए एक अहम पल है। कार्डियक एरिथमिया मरीज की सेहत और जीवन की गुणवत्ता पर काफी असर डाल सकता है, लेकिन कार्डियक केयर में हुई तरक्की के साथ, अब इनमें से कई स्थितियों का इलाज कम चीर-फाड़ वाली प्रक्रियाओं (मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर) से स्थायी रूप से किया जा सकता है। यह उपलब्धि असम और पूर्वोत्तर के लोगों तक अत्याधुनिक कार्डियक केयर पहुंचाने के हमारे संकल्प को दर्शाती है। इस बड़ी उपलब्धि के साथ, मारवाड़ी हॉस्पिटल्स ने असम और पूर्वोत्तर में एडवांस्ड कार्डियक केयर के प्रमुख केंद्रों में से एक के तौर पर अपनी स्थिति और मजबूत की है।

सांवरिया सखी समिति ने आयोजित किया गोपाल नौका विहार महोत्सव

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। सांवरिया सखी समिति द्वारा 30 गोपालों का अत्यंत मनोहारी एवं भक्तिमय नौका विहार आयोजित किया गया। रिमझिम वर्षा के बीच बड़े-बड़े चार स्विमिंग पूलों को सुंदर रूप से सजाकर उनमें तैरने वाले ट्यूब एवं नौकाएं रखी गयी, जिनमें विराजमान गोपालों का मनोहारी स्वरूप ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं वृंदावन में यह दिव्य उत्सव संपन्न हो रहा हो। मित्तल सदन, छत्रीबाड़ी के लॉन को वृंदावन धाम का स्वरूप प्रदान किया गया। वातावरण इतना अलौकिक एवं मनमोहक था कि ऐसा लगा मानो भगवान स्वयं प्रसन्न होकर अमृत रूपी वर्षा बरसा रहे हों। मधुर भजनों की सुरमयी प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और सभी सखियां भक्ति में सराबोर होकर झूम उठीं। नौका निर्माण एवं सजावट में रंजु पटवारी एवं रेणु मोदी का विशेष योगदान रहा। रेणु मोदी ने भगवान के लिए भोजन, पेय पदार्थ, खेल-खिलौने सहित अनेक सुंदर सामग्री श्रद्धापूर्वक अर्पित की। भगवान को छप्पन भोग का भव्य प्रसाद भी अर्पित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के प्रसाद स्टॉल लगाए गये, जिनमें गन्ने का रस, झालमूड़ी, पापड़ी चाट, कढ़ी-कचौरी तथा विभिन्न प्रकार की मिठाइयां प्रमुख थीं। सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद को अत्यंत श्रद्धा एवं आनंद के साथ ग्रहण किया। कार्यक्रम का समापन भगवान की भव्य आरती के साथ हुआ। इस सफल आयोजन में सरोज मित्तल एवं कांता मित्तल की विशेष मेहनत एवं समर्पण सराहनीय रही। भजनों की मनमोहक प्रस्तुति बिमला जाजोदिया द्वारा दी गयी।

सत्ताईस जिलों में 4000 से अधिक कार्यकर्ताओं को मिला संगठन को मजबूत करने का मंत्र

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। प्रदेश भाजपा के तत्वावधान में राज्य के 39 संगठनात्मक जिलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा-अभियान चलाया जा रहा है। गत 5 जुलाई से शुरू हुए इस दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को अब तक 27 जिलों में पूरा कर लिया गया है, जिसमें अब तक 4000 से अधिक जिला और राज्य स्तर के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया है। पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया सहित विभिन्न सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने न केवल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया, बल्कि स्वयं भी एक प्रशिक्षणार्थी के रूप में शामिल हुए। इस महा-अभियान का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, नीतियों, अनुशासन और कार्यप्रणाली से अवगत कराकर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, गतिशील तथा जनोन्मुखी बनाना है।

दो दिवसीय भूपेंद्र संगीत कार्यशाला का समापन

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। असमिया संस्कृति के पुरोधा और सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की कालजयी रचनाओं को अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से ढालीगांव उपनगरी में दो दिवसीय भूपेंद्र संगीत कार्यशाला का आयोजन किया गया। बंगाईगांव रिफाइनरी कर्मचारी संघ के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास और संघ के संयुक्त तत्वावधान में इस कार्यशाला का आयोजन 17 और 18 जुलाई को बंगाईगांव रिफाइनरी मनोरंजन केंद्र के सभागार में किया गया। डॉ. भूपेन हजारिका असमिया संस्कृति के एक ऐसे सशक्त हस्ताक्षर हैं,

जिनके लोकगीतों से लेकर सिनेमा तक के हर सुर में मानवता का संदेश छिपा है और जिनका संगीत असमिया समाज की पहचान का मुख्य आधार है। कार्यशाला के पहले दिन की शुरुआत सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका और लोकप्रिय कलाकार जुबिन गर्ग के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की गयी। कार्यक्रम में न्यास की ओर से अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. मंगलसिंह हाजोवारी, महासचिव मंजुला हजारिका और असम साहित्य सभा (गुवाहाटी) के सचिव संजीव कुमार शर्मा उपस्थित रहे। कार्यशाला में लोकप्रिय गायिका नमिता भट्टाचार्य और विशिष्ट गायक प्रशांत राजखोवा ने प्रशिक्षकों के रूप में भाग लेकर शिक्षार्थियों को भूपेंद्र संगीत की बारीकियों से अवगत कराया, जबकि बंगाईगांव रिफाइनरी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मुचुका बोड़ो, उप महाप्रबंधक आकाश प्रतीम बरुवा और चिरांग जिला साहित्य सभा के उपाध्यक्ष अतुल चंद्र राय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला के दूसरे दिन सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, बंगाईगांव जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष व लोकप्रिय सीटी वादक रोहिणी कुमार चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षण पूरा करने वाले पचास से अधिक स्थानीय प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये। इस प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और न्यास के अधिकारियों के साथ-साथ बंगाईगांव रिफाइनरी कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष अलकेश कुमार बायन, सहायक सचिव पल्लव डेका, कानूनी सचिव लाचित नारायण कुंवर, वित्त सचिव निलोत्पल गोगोई और सांस्कृतिक सचिव ने भी भाग लिया। संघ के महासचिव धर्मेश्वर दास ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

वैश्विक चुनौतियों के बीच एल्युमीनियम उद्योग ने सरकार से की समर्थन की मांग

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अमेरिका द्वारा लगाये गये ऊंचे शुल्कों के कारण सिकुड़ते निर्यात बाजार और खाड़ी तथा आसियान देशों से घटिया कबाड़ (स्क्रैप) के बढ़ते आयात पर चिंता जताते हुए वित्त मंत्रालय से सुरक्षात्मक नीतिगत समर्थन मांगा है। उद्योग निकाय ने इसके लिए मेक्सिको में बढ़ते संरक्षणवाद, इंडोनेशिया में क्षमता विस्तार और रूस द्वारा की जा रही डंपिंग का भी हवाला दिया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को सौंपे एक प्रतिवेदन में एसोसिएशन ने कहा कि चूंकि वैश्विक स्तर पर केवल उच्च गुणवत्ता वाले स्क्रैप के आयात को ही बढ़ावा दिया जा रहा है, इसलिए भारत के लिए भी जल्द से जल्द ऐसे ही सख्त गुणवत्ता मानक तय करना समय की मांग है। एसोसिएशन के मुताबिक दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं निवेश आकर्षित करने, उत्पादन क्षमता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए ऊंचे आयात शुल्क जैसे व्यापारिक उपायों से अपने घरेलू एल्युमीनियम उद्योगों को संरक्षण दे रही हैं। उद्योग निकाय ने पुरजोर वकालत की है कि घरेलू उद्योग के हितों को देखते हुए भारत को भी अपने सुरक्षा उपायों को तत्काल मजबूत करना चाहिए। एसोसिएशन ने सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मौजूदा शुल्क व्यवस्था जारी रखने और निम्न गुणवत्ता वाले स्क्रैप के बढ़ते आयात पर रोक लगाने के लिए मूल सीमा शुल्क में वृद्धि सहित अन्य व्यापार उपायों पर विचार करने का आग्रह किया है। उसने मेक्सिको, अमेरिका और कनाडा जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां आयात शुल्क 15 से 50 प्रतिशत तक है। एसोसिएशन ने अनुरोध किया है कि एल्युमीनियम एंड एल्युमीनियम अलॉय स्क्रैप- रिक्वायरमेंट्स एंड कंडीशंस ऑफ डिलिवरी शीर्षक वाले भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानक को बिना किसी बदलाव के अधिसूचित किया जाए।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

भक्ति का अर्थ है, अपने अस्तित्व को भगवान में समर्पित कर देना।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

सोमवार, 20 जुलाई, 2026

मौसम

अधिकतम 36

न्यूनतम 27

Ph. : 2548109, 2730431

L. GOPAL JEWELLERS

9-11-14, Kuber A.C. Market Guwahati - 781001

शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान

22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385, 9678211156

D. M. Jeweller's

(As You Like We are)

7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1

शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान

We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

भाजपा सरकार के शासन में चरमरायी देश की शिक्षा व्यवस्था : प्रदेश कांग्रेस

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी स्तर पर शुरू किये गये छात्रों की गूंज कार्यक्रम के महत्व, इसके प्रभाव और मोदी सरकार की शिक्षा नीतियों के कारण छात्रों में बढ़ते मानसिक तनाव को लेकर आज राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस संवाददाता सम्मेलन में विधायक अब्दुर रहीम और पूर्व विधायक सत्यव्रत कलिता ने कड़े तेवर अपनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में देश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है। रहीम ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतांत्रिक देश में सरकार और उसके मंत्रियों में नैतिकता होना अनिवार्य है, लेकिन चिकित्सा शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने के बावजूद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अब तक नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और पूरे मामले के उजागर होने के बाद भी प्रधानमंत्री द्वारा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा न लेना, इस पेपर लीक कांड में सरकार की सीधी संलिप्तता को उजागर करता है। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा देने वाले तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री का ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए मौजूदा सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाये। साथ ही उन्होंने लद्दाख के प्रमुख पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को अनशन स्थल से जबरन हटाकर सफदरजंग अस्पताल में नजरबंद करने जैसी कार्रवाई की तीव्र निंदा की। इसी क्रम में राज्य की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर प्रहार करते हुए पूर्व विधायक कलिता ने कहा कि जिस राज्य में स्वयं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निजी स्कूल खोले जा रहे हों, वहां सरकारी स्कूलों की दशा कभी नहीं सुधर सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी के कारण अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों में कराने को मजबूर हैं, वहीं सरकार समय पर न तो पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करा पा रही है और न ही गुणवत्तापूर्ण यूनिफॉर्म दे रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के नाम पर केवल बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी की गयी हैं, जबकि वहां डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों का भारी अभाव है। उन्होंने तंज कसा कि मेडिकल काउंसिल के निरीक्षण के दौरान एक कॉलेज के स्टाफ को दूसरे कॉलेज में ले जाकर कोरम पूरा करने का नाटक किया जा रहा है। गुवाहाटी की स्थिति पर असंतोष जताते हुए उन्होंने कहा कि शहर में कई फ्लाईओवर तो बन गये, लेकिन नीचे की सड़कें खस्ताहाल हैं और हल्की बारिश में ही कृत्रिम बाढ़ से जनता बेहाल हो जाती है।

पोस्टर चिपकाने व गंदगी फैलाने पर लगेगा पांच हजार का जुर्माना

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाने के लिए गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने एक बेहद सख्त कदम उठाया है। शहर के सार्वजनिक स्थानों, सरकारी दीवारों, बिजली के खंभों और रेलिंगों पर पोस्टर चिपकाने या उन्हें किसी भी तरह से गंदा करने वालों पर अब 5,000 का भारी जुर्माना लगाया जाएगा। दरअसल कोई भी सरकारी दीवार या सार्वजनिक स्थान जनता की संपत्ति होते हैं और इनकी देखरेख की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ आम जनता की भी है। हर कोई चाहता है कि सार्वजनिक स्थान साफ, व्यवस्थित और सुंदर दिखें क्योंकि एक जिम्मेदार नागरिक ही एक सभ्य और जागरूक समाज की पहचान होता है। शहर की खूबसूरती को बिगाड़ने वालों को रोकने और लोगों में जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए ही निगम ने इस विशेष अभियान के तहत जुर्माने की यह सख्त चेतावनी जारी की है।

शिक्षा व संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हुआ समझौता

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। यूनेस्को संघ गुवाहाटी के यूएन-एनईआर शोध केंद्र और हैंडिक गर्ल्स कॉलेज के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण के विकास के लिए मिलकर काम करना है। इस समझौता समारोह में हैंडिक गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रंजीत शर्मा, केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा और यूएन-एनईआर के समन्वयक डॉ. अशोक कुमार लस्कर समेत कॉलेज के विभिन्न विभागों के शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान दोनों पक्षों ने उम्मीद जतायी कि यह समझौता छात्रों और समाज के बड़े कल्याण के लिए सहयोगात्मक कार्यों के एक नये अध्याय की शुरुआत करेगा। इसी बैठक में केंद्र के कार्यकारी निदेशक ने कॉलेज के प्राचार्य और तीस शिक्षक सदस्यों को संस्था के सदस्यता कार्ड भी सौंपे।

जीएमसी ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

दिघलीपुखरी सहित कई इलाकों की बदली सूरत

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) द्वारा असम प्रशासनिक सेवा (एसीएस) के प्रशिक्षुओं के सहयोग से शहर के विभिन्न हिस्सों में व्यापक स्वच्छता और सुव्यवस्थीकरण अभियान चलाया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण पहल के तहत आयोजित इस विशेष अभियान के तहत पहला चरण दिघलीपुखरी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में चलाया गया, जिसका उद्देश्य शहर के ऐतिहासिक और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना था। इसके साथ ही असम प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं के साथ मिलकर सुपर मार्केट से राजधानी मस्जिद क्षेत्र तक के मार्ग पर भी सफाई अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस सामूहिक प्रयास में शामिल सभी स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अधिकारियों ने कहा कि इनके अथक परिश्रम और उत्साह ने गुवाहाटी के सबसे पसंदीदा सार्वजनिक स्थलों की सुंदरता को बहाल करने में बड़ी भूमिका निभायी है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित और स्वच्छ रखने में अपना योगदान दें क्योंकि एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरे-भरे गुवाहाटी की शुरुआत हम सभी की दैनिक जिम्मेदारी से ही संभव है। स्वच्छता अभियान के साथ-साथ शहर की व्यवस्था को सुधारने के लिए जीएमसी द्वारा बीती रात लचित नगर और केएफसी के सामने एक विशेष बेदखली अभियान भी चलाया गया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों और फुटपाथों से अनधिकृत अतिक्रमण को पूरी तरह हटाना था ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और आम जनता को आवाजाही में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़कों और सार्वजनिक क्षेत्रों को पूरी तरह सुरक्षित, सुलभ और व्यवस्थित रखने के लिए इस तरह के कड़े प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

पुलिस ने किया शातिर चोर का एनकाउंटर

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। महानगर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ की है। मलीगांव के आदिंगिरी इलाके में तड़के सुबह जालुकबाड़ी पुलिस की गोलीबारी में आजनबी अली नाम का एक शातिर चोर घायल हो गया। यह घटना उस समय हुई जब पुलिस आजनबी अली को चोरी किये गये सामान की बरामदगी और उसका ठिकाना ढूंढने के लिए साथ ले गयी थी। अभियान के दौरान आरोपी ने पुलिस सुरक्षा घेरे को तोड़कर और पुलिसकर्मियों पर हमला कर भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस को उस पर गोली चलानी पड़ी। गोली आजनबी के दाहिने पैर की पिंडली में लगी है। घायल आरोपी को तुरंत गुवाहाटी के सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां से बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी चिकित्सालय महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। आजनबी अली पर आरोप है कि उसने कुछ दिनों पहले मालीगांव की एक दुकान से भारी मात्रा में सिगरेट, तंबाकू, व गुटखा जैसे सामानों की चोरी की थी। कल रात पुलिस उसे इसी सिलसिले में सामान बरामद करने के लिए लेकर गयी थी, जहां उसने भागने का प्रयास किया और पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया।

चोरी के मामले में पांच चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। चांदमारी पुलिस ने चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की शिनाख्त बिट्टू दत्ता (20) और राहुल सोना (18) के रूप में की गयी। इसके साथ ही इस मामले में एक नाबालिग को भी हिरासत में लेकर कानून के प्रावधानों के अनुसार किशोर गृह भेज दिया गया है। वहीं दूसरी ओर वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के एक मामले का महज 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की शिनाख्त जेसमीना बेगम, अमेला खातून (28), इमरान अली (28) के रूप में की गयी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर जब्त किया, जिसमें लगभग 20 किलोग्राम काले पीवीसी इंसुलेटेड सबमर्सिबल बोरवेल मोटर केबल वायर का एक बंडल लगभग 11.5 किलोग्राम इंसुलेटेड बहुरंगी तांबे के तार का एक बंडल लगभग 750 ग्राम स्ट्रिप्ड तांबे के बिजली के तार का एक बंडल शामिल है।

डेंटल व एक्यूप्रेशर परामर्श शिविर का आयोजन

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर (एटीडीसी) के सहयोग से आस्था प्रेस्टीज सोसायटी में आज निःशुल्क डेंटल एवं एक्यूप्रेशर परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 से अधिक लोगों की डेंटल एवं एक्यूप्रेशर जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक विजय कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी के अध्यक्ष रोहित सुराणा ने विधायक गुप्ता का फुलाम गामोछा से स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक विजय कुमार गुप्ता ने तेयुप एवं उसके द्वारा संचालित एटीडीसी द्वारा समाजहित में किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था निरंतर जनसेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया तथा स्वयं भी शिविर में उपलब्ध सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर के सफल संचालन में एटीडीसी संचालन समिति के संयोजक आनंद सुराणा ने पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस सेवा कार्य में ममता मालू का प्रायोजक के रूप में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समापन पर तेयुप के मंत्री अंकुश महणोत ने आस्था प्रेस्टीज सोसायटी के अध्यक्ष ताराचंद सिंघी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में सोसायटी के सभी पदाधिकारियों, तेयुप के सदस्यों तथा एटीडीसी की संपूर्ण टीम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर की संपूर्ण जानकारी एटीडीसी के संयोजक अमित मालू ने प्रदान की।

तीन विशिष्ट व्यक्ति डीपीआरसी पुरस्कार 2026 से सम्मानित

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। पूर्वोत्तर के अग्रणी भौतिक चिकित्सा संस्थान दिगंतज भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास केंद्र (डीपीआरसी) के 14वें स्थापना दिवस पर डीपीआरसी पुरस्कार 2026 समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट चिकित्सक डॉ. दिनेश चंद्र गोस्वामी को चिकित्सा, लोक गायिका स्नेहलता दास को कला-संस्कृति और वरिष्ठ पत्रकार संजीव फुकन को पत्रकारिता के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में साहित्यकार रीता चौधरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जहां संस्थान की स्मारिका फिनिक्स का विमोचन और दिवंगत कलाकार जुबिन गर्ग की स्मृति में आयोजित गीत प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान सतत विकास के लिए महिलाओं और बच्चों में निवेश विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी हुई। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस डीपीआरसी पिछले 14 वर्षों में 30 हजार से अधिक मरीजों को उन्नत फिजियोथेरेपी सेवाएं दे चुका है और गुवाहाटी व बरपेटा शाखाओं के माध्यम से गरीबों के लिए मुफ्त इलाज व स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी कर रहा है।

महावीर धर्मस्थल में विशिष्टमति माता ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री विशिष्ट मति माताजी ससंघ(5 पिच्छि) का गुवाहाटी चातुर्मास के लिए आज मंगल प्रवेश हुआ। विशुद्ध विशिष्ट वर्षायोग व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी ने बताया कि आज आर्यिका संघ को गाजे- बाजे के साथ भगवान महावीर धर्म स्थल में मंगल प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर जगह-जगह श्रद्धालू-भक्तों द्वारा आर्यिका संघ का पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती उतार कर उनके प्रति भक्ति प्रकट की गयी। प्रचार-प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि इससे पूर्व आर्यिका संघ आज प्रातः 5.30 बजे पांडू दिगंबर जैन मंदिर से बिहार कर मालीगांव स्थित श्री शांतिगंबर जैन चैत्यालय में पहुंची, जहां संघ ने श्रीजी के दर्शन किये। तत्पश्चात वहां से आर्यिका ससंघ फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में दर्शननाथ पहुंची, जहां ससंघ ने श्रीजी के दर्शन किये।

मायुमं, गुवाहाटी ग्रेटर का प्रेरणादायी सत्र आयोजित

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। मारवाड़ी युवा मंच, गुवाहाटी ग्रेटर द्वारा ऑरम में कल शाम लिगेसी ऑफ लीडरशिप शीर्षक से एक प्रेरणादायी सत्र का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन के वर्तमान पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को अनुभवी नेतृत्व से सीखने का अवसर प्रदान करना था। इस अवसर पर मंच के पूर्व अध्यक्ष गौरव शर्मा ने अपने अनुभवों, संघर्षों एवं नेतृत्व यात्रा के महत्वपूर्ण प्रसंगों को साझा किया। उन्होंने कहा कि हर सफल संगठन की पहचान उसके नेतृत्व से होती है और हर महान नेतृत्व अपने पीछे एक प्रेरणादायी विरासत छोड़ जाता है। मूसलाधार बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्य एवं मंच के पूर्व अध्यक्ष इस प्रेरणादायी सत्र में उपस्थित रहे। गौरव शर्मा ने जीवन को संतुलित ढंग से जीने, तनाव से मुक्ति पाने के प्रभावी उपाय, परिवार के प्रति प्रेम एवं दायित्व, मंच परिवार की शक्ति, सही और गलत निर्णयों की पहचान तथा बच्चों में श्रेष्ठ संस्कारों के निर्माण जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके अनुभवों से प्रेरणा प्राप्त की तथा इसे अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में उपयोगी बताया। कार्यक्रम में यह संदेश भी दिया गया कि एक प्रेरणादायी संवाद आपके नेतृत्व की सोच बदल सकता है। यह सत्र केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहा बल्कि प्रत्येक सदस्य को एक बेहतर नेता, बेहतर टीम सदस्य और बेहतर व्यक्तित्व बनने की दिशा में प्रेरित करने वाला साबित हुआ।

विश्व को अणुबम नहीं, अणुव्रत की आवश्यकता : मुनि आनंद कुमार

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। आचार्य महाश्रमण के सुशिष्य मुनि आनंद कुमार कालू एवं सहवर्ती मुनि विकास कुमार (ठाणा-2) के पावन सान्निध्य तथा अणुव्रत समिति गुवाहाटी के तत्वावधान में कालापहाड़ स्थित निलेश पगारिया के निवास पर वर्तमान युग में अणुव्रत की उपयोगिता विषयक अणुव्रत संगोष्ठी का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पगारिया परिवार द्वारा मुनिश्री का भावपूर्ण स्वागत किया गया। मीना पगारिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि आनंद कुमार ने णमोकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से कराया। इसके पश्चात निलेश पगारिया ने स्वागत भाषण दिया तथा मीना पगारिया ने पारिवारिक सदस्यों के साथ प्रेरणादायी गीतिका की प्रस्तुति दी। समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से अणुव्रत गीत का संगान किया। अणुविभा के असम-त्रिपुरा राज्य प्रभारी छत्तर सिंह चौरड़िया ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया। स्वागत भाषण समिति उपाध्यक्ष सरोज बरड़िया ने दिया। अणुविभा के कार्यकारिणी सदस्य बजरंग बैद ने अपने उद्बोधन में वर्तमान समय में अणुव्रत की आवश्यकता एवं उसके व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला। अपने मंगल उद्बोधन में मुनि आनंद कुमार कालू ने कहा कि विश्व को अणुबम की नहीं, अणुव्रत की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज हिंसा, अशांति, नैतिक पतन और अविश्वास से जूझ रही दुनिया को यदि कोई स्थायी समाधान दे सकता है तो वह अहिंसा, संयम, सत्य और मैत्री पर आधारित अणुव्रत का दर्शन है। कार्यक्रम के दौरान तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी के मंत्री अंकुश महणोत ने आगामी एटीडीसी कार्ड अवलोकन कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम भी मुनिश्री के सान्निध्य में आयोजित होगा, जिसमें विधायक विजय गुप्ता की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के पूर्व अध्यक्ष बजरंग डोसी ने भी अपने प्रेरक विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा अंत में प्रचार-प्रसार मंत्री दीपक सेठिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, अणुव्रत समिति सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन मंत्री रंजना बरड़िया ने किया।

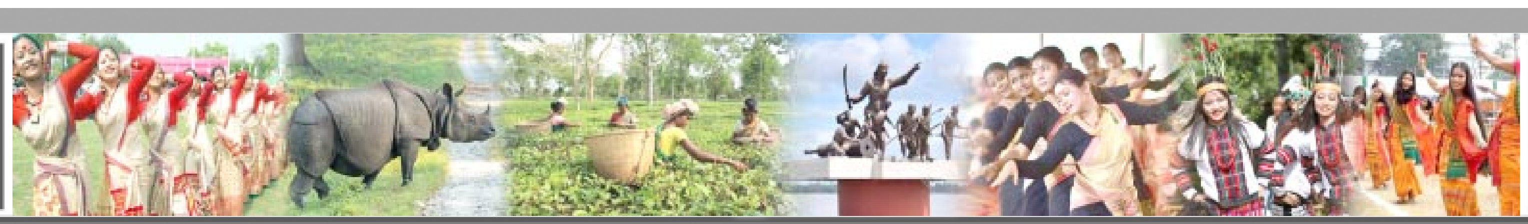

प्रातः खबर
सोमवार, 20 जुलाई 2026

सोनम वांगचुक के समर्थन में उतरे लोग, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

बंगाईगांव, 19 जुलाई (ख.सं)। धीरे-धीरे ही सही देशभर में सोनम वांगचुक के समर्थन में लोग केंद्र सरकार के विरोध में विरोध कार्यक्रम करते नजर आ राजे हैं। आज बंगाईगांव पगलास्थान स्थित जातीय पिता महात्मा गांधी की प्रतिमूर्ति के समक्ष सोनम वांगचुक के समर्थन में लोगों ने केंद्र की नीति का विरोध किया। नागरिक समाज के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में समाज के हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने क्रांतिकारी और विरोध गीतों के माध्यम से केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपना तीखा आक्रोश व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधारों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर लद्दाख के

प्रमुख सुधारक सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से आमरण अनशन पर हैं। लंबे अनशन के कारण वांगचुक का स्वास्थ्य बेहद नाजुक बना हुआ है, जिसने अब देश ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हलचल पैदा कर दी है। वांगचुक की बिगड़ती सेहत और सरकार की बेरुखी को लेकर पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गयी है। वहीं शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता हरेश्वर दास ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सोनम वांगचुक केवल लद्दाख के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के भविष्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए अपनी जान दांव पर लगा रहे हैं। सरकार की चुप्पी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी मांग है कि शिक्षा मंत्री तुरंत इस्तीफा दें और वांगचुक की मांगों को बिना किसी देरी के स्वीकार किया जाये।

रंगिया में नशेड़ी युवकों की गुंडागर्दी के खिलाफ जनाक्रोश

रंगिया, 19 जुलाई (नि.सं)। रंगिया में नशे के आदी कुछ युवकों की बढ़ती गुंडागर्दी और हाल ही में निर्दोष बिशु दास पर हुए हमले के विरोध में जनाक्रोश खुलकर सामने आया। शांति एवं कानून-व्यवस्था बहाल करने की मांग को लेकर आज रंगिया के गैर-राजनीतिक संगठन नागरिक मंच के बैनर तले एक विशाल नागरिक सभा का आयोजन किया गया। रंगिया शहर के वार्ड नंबर 7 स्थित मिल रोड पर पीड़ित बिशु दास के परिवार और नागरिक मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विरोध सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने नशेड़ी युवकों की बढ़ती गुंडागर्दी और अराजक गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए

नागरिक मंच के अध्यक्ष एवं रंगिया के पूर्व विधायक अनंत डेका ने राज्य सरकार और स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे नशे के कारोबार और आपराधिक घटनाओं के बावजूद प्रशासन की निष्क्रियता गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि नशेड़ी युवकों के आतंक पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा बिशु दास पर हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कड़ी और उदाहरणात्मक कार्रवाई की जाये। अनंत डेका ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाये, तो नागरिक मंच आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा और उग्र जन आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। वहीं, सभा में उपस्थित स्थानीय नागरिकों ने भी अंचल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की।

रंगिया में अपहर्ता रफीकुल अली चढ़ा पुलिस के हत्थे

रंगिया, 19 जुलाई (नि.सं)। 8 वर्षीय बालक चंदन तालुकदार के पिछले 9 दिनों से लापता रहने के मामले में रंगिया पुलिस ने मुख्य आरोपी रफीकुल अली को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई बच्चे की मां दीपा तालुकदार द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत के आधार पर की गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बरपेटा जिले का निवासी रफीकुल अली पूछताछ के दौरान संदेह के घेरे में है। प्रारंभिक जांच में आशंका जतायी जा रही है कि उसने चंदन तालुकदार की हत्या कर शव को गुवाहाटी के मछखोवा क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी में फेंक दिया। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पूछताछ के दौरान आरोपी रफीकुल अली ने कथित रूप से चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि नहाते समय बच्चा नदी में बह गया। इस दावे की सत्यता की जांच की जा रही है। बच्चे की तलाश में गुवाहाटी के लचित घाट पर पुलिस और की टीम संयुक्त रूप से अभियान चला रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रफीकुल अली रंगिया रेलवे स्टेशन के समीप गुरकुची गांव में किराये पर रहता था। वह रंगिया, कामाख्या और गुवाहाटी रेलवे स्टेशनों पर प्लास्टिक की बोतलें एवं अन्य फेंकी गयी सामग्री इकट्ठा कर अपना जीवनयापन करता था। पुलिस का कहना है कि वह नशे का आदी भी है और अक्सर ड्रग्स के प्रभाव में रहता था। वहीं लापता बच्चे चंदन तालुकदार की मां दीपा तालुकदार मूल रूप से नलबाड़ी की निवासी हैं और वर्तमान में रंगिया के इंडिया गेट क्षेत्र में किराये के मकान में रहती हैं।

फकीराग्राम-चौतारा रेलखंड पर अज्ञात युवक का शव बरामद

कोकराझाड़, 19 जुलाई (ख.सं)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम जीआरपी थाना क्षेत्र अंतर्गत फकीराग्राम-चौतारा रेलखंड में गोंगेया पुल के समीप ओएचई पोल संख्या 206/1-2 के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि युवक संभवतः बीती शाम किसी डाउन ट्रेन से गिर गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर फकीराग्राम जीआरपी चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। मृतक की आयु लगभग 32 वर्ष बताई जा रही है। उसका रंग सांवला था। उसने हरे रंग की टी-शर्ट और नीले रंग की पैंट पहन रखी थी। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है।

बिलासीपाड़ा में 1 करोड़ से अधिक की याबा टैबलेट जब्त, एक गिरफ्तार

बिलासीपाड़ा, 19 जुलाई (ख.सं)। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बिलासीपाड़ा के सुवापाता पार्ट-1 गांव में छापेमारी कर 7,000 याबा टैबलेट बरामद किये हैं। जब्त किये गये मादक पदार्थों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपये से अधिक बतायी जा रही है। यह कार्रवाई सुवापाता पार्ट-1 निवासी हनिफ अली के घर पर की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने छयगांव के गरैमारी निवासी कथित ड्रग्स तस्कर आलम अली को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आलम अली याबा टैबलेट की खेप की आपूर्ति और बिक्री के उद्देश्य से सुवापाता पहुंचा था। बिलासीपाड़ा के को-डिस्ट्रिक्ट पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शालकोचा

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर उसका एक अन्य संदिग्ध साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बिलासीपाड़ा में लगातार चल रहे नशा विरोधी अभियानों के बीच यह बरामदगी एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने, जब्त खेप के स्रोत का पता लगाने तथा इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे की जांच कर रही है।

कोकराझाड़ में चोरों का आतंक, रेलवे स्टेशन मास्टर के घर को बनाया निशाना

कोकराझाड़, 19 जुलाई (ख.सं)। कोकराझाड़ शहर में चोरी की घटनाओं में हुई अचानक वृद्धि ने स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। शहर में चोरों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि अब वे सरकारी अधिकारियों के आवासों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन रोड का है, जहां स्टेशन मास्टर चंदन कुमार के आवास पर चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने बड़ी ही चालाकी से खिड़की के जरिए घर के दरवाजे का हुक खोला और अंदर प्रवेश किया। इसके बाद घर का कीमती सामान खंगालकर चंपत हो गये। लाखों की संपत्ति पर किया हाथ साफ़ पीड़ित स्टेशन मास्टर के अनुसार चोरों ने घर से लाखों के आभूषण और नकद 7,000 रुपये लूट लिए। अनुमान के मुताबिक, चोरी हुए गहनों और सामान की कुल कीमत 3 से 4 लाख रुपये से अधिक आंकी गयी है। इसके अतिरिक्त, चोरों ने घर से दो मोबाइल फोन भी चुरा लिए हैं। शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाएं कोकराझार में चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे कुछ दिन पहले ही शहर के सुभाषपल्ली इलाके में एक व्यवसायी के घर को निशाना बनाते हुए चोरों ने लगभग 7 लाख रुपये के आभूषण और 25,000 रुपये नकद उड़ा लिए थे। वहीं, स्टेशन रोड पर ही एक महिला के गले से चेन झपटने की घटना भी सामने आयी थी। लगातार हो रही इन चोरियों ने कोकराझाड़ पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिर पर जापी व पारंपरिक गामोछा पहनकर खेतों में उतरे विधायक

कोकराझाड़, 19 जुलाई (ख.सं)। जनप्रतिनिधि अक्सर अपने कार्यों को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन बाओखुंगरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र रॉय ने सादगी और जमीनी जुड़ाव की एक अनूठी मिसाल पेश की है। विधायक का एक ऐसा रूप देखने को मिला, जिसे देखकर हर कोई उनकी सराहना कर रहा है। किसानों के साथ खेत में बहाया पसीना कोकराझाड़ के निकटवर्ती हारिविटा गांव में विधायक रूपम चंद्र रॉय पूरी तरह से एक किसान के वेश में नजर आये। सिर पर पारंपरिक जापी और कंधों पर कोच राजवंशी गामोछा ओढ़े विधायक ने खुद खेतों में उतरकर काम किया। उन्होंने न केवल हाथों में कमान संभाली, बल्कि स्वयं पावर टिलर चलाकर खेत की जुताई भी की। इसके बाद, उन्होंने महिला रोपाई करने वालों के साथ मिलकर धान की रोपाई में हाथ बंटाया। सादगीपूर्ण भोजन और आत्मीयता विधायक की सादगी सिर्फ काम तक ही सीमित नहीं रही। खेत में काम करने के दौरान उन्होंने रोपाई करने वाले किसानों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के साथ मिलकर कठल (कटहल) और केले का आनंद लिया। किसानों के बीच बैठकर आम लोगों की तरह भोजन करते हुए विधायक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। विधायक का यह अंदाज यह संदेश देने के लिए काफी है कि सत्ता के शिखर पर होने के बावजूद वे आज भी अपनी जड़ों और मेहनत करने वाले किसानों से गहराई से जुड़े हुए हैं।

जिला आयुक्त ने श्रीमंत शंकरदेव शोध संस्थान का किया निरीक्षण

लमडिंग, 19 जुलाई (ख.सं)। असम की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं वैष्णव विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत होजाई जिले के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा, एपीएससी ने कल ऐतिहासिक बटद्रवा स्थित श्रीमंत शंकरदेव शोध संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों का अवलोकन किया तथा इनके दीर्घकालिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन-दर्शन पर आधारित शोध गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा में स्थित यह शोध संस्थान लंबे समय से प्राचीन पांडुलिपियों, वैष्णव साहित्य तथा असम की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का प्रमुख केंद्र रहा है। नववैष्णव आंदोलन से जुड़ी साहित्यिक परंपराओं को सुरक्षित रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि यह संस्थान देशभर के शोधार्थियों, इतिहासकारों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं अनुसंधान का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। निरीक्षण के दौरान जिला आयुक्त ने संस्थान में सुरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों का विस्तार से अवलोकन किया। संस्थान में वर्तमान में लगभग 400 सांचीपात (वृक्ष की छाल पर लिखी गयी) पांडुलिपियां तथा लगभग 100 तुलापात पांडुलिपियां संरक्षित हैं। ये पांडुलिपियां केवल सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि असम के धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक विकास की अमूल्य धरोहर भी हैं। उन्होंने जिन महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का अवलोकन किया उनमें संस्कृत भागवत की लटाकाटा सांचीपात पांडुलिपि, कैथली पांडुलिपि, रुक्मिणी हरण नाट की उका पांडुलिपि,

विद्वान डॉ. सूर्य हजारिका द्वारा संपादित चित्र भागवत, कुजी सत्र से संरक्षित अठारहवीं शताब्दी की अलंकृत पांडुलिपि अनादि पातन तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की अमर कृति कीर्तन घोषा प्रमुख रूप से शामिल थीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने बनमालिदेव चरित (रामकांत द्विज द्वारा रचित), श्रीश्री माधवदेव के नाम से संबद्ध श्रीमद्भागवत तथा असम के प्राचीन हाथी विज्ञान पर आधारित ऐतिहासिक ग्रंथ हस्तिविद्यार्णव का भी अवलोकन किया। असम प्रकाशन परिषद द्वारा प्रकाशित यह ग्रंथ असम की समृद्ध ज्ञान-परंपरा और साहित्यिक विरासत का महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। संस्थान के अधिकारियों ने जिला आयुक्त को पांडुलिपियों के वर्तमान संरक्षण की प्रक्रिया, संरक्षण कार्य में आने वाली चुनौतियों तथा आधुनिक संरक्षण तकनीक एवं उन्नत आधारभूत संरचना की आवश्यकता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इन दुर्लभ धरोहरों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने हेतु आधुनिक तकनीक और डिजिटल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वर्षों से किए जा रहे समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संस्थान असम की बौद्धिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने भविष्य में आधारभूत संरचना के विकास, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण तथा शोधार्थियों के लिए संसाधनों को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में संभावित पहल का भी उल्लेख किया।

संजीव रॉय बने लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू के अध्यक्ष

सिलचर, 19 जुलाई (ख.सं)। लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू का इंस्टॉलेशन और इंडक्शन सेरेमनी सिलचर के राजीव भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में बड़े ही शानदार तरीके से हुआ। सेरेमनी की शुरुआत में जगदेश्वरी सिकदर ने एक शानदार इनॉगरल डांस किया और मास्टर आयुष डे ने गिटार पर एक प्यारी परफॉर्मेंस दी। सेरेमनी के चीफ गेस्ट -322 के पूर्व मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन लायन अमर बरुवा थे। गेस्ट ऑफ़ ऑनर और इंस्टॉलेशन ऑफिसर लायन निर्मल भूरा थे, जो हाल ही में मल्टीपल काउंसिल के पूर्व चेयरमैन थे। इंडक्शन ऑफिसर और स्पेशल गेस्ट लायन सब्यसाची रुद्रगुप्ता थे। विशेष अतिथियों में जिला 322 जी लियो अध्यक्ष सौम्या ज्योति भट्टाचार्य के साथ वर्तमान जोन (16) अध्यक्ष बसुदेब भट्टाचार्य, सुमित दास (जेडसी), पूर्व

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार बनिक, अमित खंडेलवाल, इप्सित दत्ता, अनिल जैन, अनूप दत्ता, अनूप डे, अभिषेक दास, बप्पी दत्ता चौधरी, आनंद घोष और अन्य शामिल थे। निर्मल भूरा ने क्लब वैली व्यू के 2026-27 लियो वर्ष के लिए नवनिर्वाचित अधिकारियों और निदेशक मंडल को औपचारिक रूप से पद की शपथ दिलाई। पूर्व अध्यक्ष बंदिता त्रिवेदी रॉय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजीव रॉय को औपचारिक रूप से पद की शपथ दिलायी। नव नियुक्त अधिकारी हैं उपाध्यक्ष अनूप रॉय और मीनारा लस्कर, सचिव देबाश्री चौधरी, कोषाध्यक्ष शाहीन अख्तर मजुमदार, एलसीआईएफ समन्वयक पुष्पावती रॉय, सदस्यता अध्यक्ष शमसुल इस्लाम, विपणन अध्यक्ष प्रशांत भट्टाचार्य और निदेशक मोंडली सुबीर डे, बिप्लब चक्रवर्ती, विश्वनाथ पात्रा, राजू बारुभुयान और बाबुल कुमार इस फंक्शन में रीता चक्रवर्ती, मौसमी चौधरी, संपा पाल, उमा कर, अनीता मजूमदार, जयंत सिकदर, जयंती भट्टाचार्य और दूसरे लोग मौजूद थे। देश के लिए उनकी शानदार सेवा के लिए, क्लब वैली व्यू ने टीम 1, 1 बटालियन को सम्मानित किया। यह सम्मान के इंस्पेक्टर अजय कुमार यादव, आशुतोष ओझी और अविनाश कुमार ने लिया। बराक वैली के जाने-माने सामाजिक संगठन यूथ अगेंस्ट सोशल इविल्स को भी समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मन्ना दत्ता, साजन लस्कर, अहद बरभुइयां, अमित ग्वाला, वगैरह को मेमेंटो मिला। पत्रकार नीलकमल दास को पत्रकारिता की दुनिया में उनके खास योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन तेजपुर ने दंपत्ति को किया सम्मानित

तेजपुर, 19 जुलाई (ख.सं)। मारवाड़ी सम्मेलन, तेजपुर शाखा का स्वर्णिम मुस्कान कार्यक्रम अत्यंत आत्मीय एवं आनंदमय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन तेजपुर के अध्यक्ष सुनील सर्राफ, उपाध्यक्ष उगमचंद बैद, कोषाध्यक्ष अनुप जालान, सुशील गोलछा, जुगल किशोर डागा, विनोद कुमार बोथरा, अशोक खेतावत, रामरतन पांडिया, हस्तीमल चोरड़िया, सुरेश कुमार माहेश्वरी एवं राजीव जैन सहित शाखा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। रंग उमंग उत्सव में घोषित 'तेजपुर गौरव सम्मान आज ओमप्रकाश बगड़िया को विधिवत भेंट किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल एवं असमिया फूलाम गामोछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही पुष्पा बगड़िया का भी शॉल एवं असमिया फूलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात सभी ने अत्यंत आत्मीय वातावरण में पुरानी यादों को ताजा किया। बगड़िया दंपत्ति ने अपने जीवन के कुछ प्रेरणादायक अनुभव साझा किये। वहीं उपस्थित सदस्यों ने भी उनसे जुड़ी कई मधुर स्मृतियां एवं संस्मरण सभी के समक्ष प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में उगमचंद बैद ने दो भजनों एवं कुछ सदाबहार फिल्मी गीतों की मधुर प्रस्तुतियां देकर पूरे वातावरण को उल्लास, संगीत, मनोरंजन से सराबोर कर दिया। सभी के चेहरों पर मुस्कान, हृदय में उत्साह और वातावरण में अपनापन झलक रहा था।

राज्य स्तरीय दिहानाम प्रतियोगिता 22 को

जागीरोड, 19 जुलाई (ख.सं)। जागीरोड विधानसभा क्षेत्र के अधीन जोन बिल में एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय दिहानाम प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। पश्चिम जोन बिल महिला समिति के तत्वावधान में आयोजित दिहा नाम प्रतियोगिता पश्चिम जोन बिल रंगमंच पर 22 जुलाई को अपराह्न एक बजे से शुरू होगी। कार्यक्रम के अनुसार सुबह आठ बजे अध्यक्ष प्रमिला देउरी ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद समाज सेवी संजीव देबनाथ औपचारिक रूप से मंच का उद्घाटन करेंगे। दिहानाम प्रतियोगिता में दिगंत कुंवर स्मृति पुरस्कार पाने वाले पहले विजेता को 10,001 रुपये दूसरे स्थान पाने वाले को 5001 रुपये, तीसरे स्थान पाने वाले को नकद 3001 रुपये दिये जायेंगे।

सुधाकंठ की जन्म शताब्दी के मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता

नलबाड़ी, 19 जुलाई (ख.सं)। अखिल छात्र संघ असम और डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास के आह्वान पर बरभाग आंचलिक छात्र संघ के तत्वावधान में आज स्थानीय कमारकुची हाई स्कूल में छात्रों के बीच एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रतिष्ठित कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार दंडीराम दास ने किया। बैठक में अतिथि के रूप में उपस्थित बरभाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष अब्दुल कादिर अहमद, ऑल नलबाड़ी जिला छात्र संघ के शिक्षा सचिव धीराज कलिता और प्रसिद्ध चित्रकार प्रमोद काकती ने छात्रों को संबोधित किया। प्रतियोगिता के संचालन में बरभाग आंचलिक छात्र संघ के प्रभारी अध्यक्ष विभूति रंजन शर्मा, शिक्षा सचिव अनुपम तालुकदार, सांगठनिक सचिव कौशिक मेधी , राज अहमद, सांस्कृतिक सचिव हिया कलिता और साहित्य सचिव लीजा कश्यप आदि ने सहयोग किया।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ने मनाया 45वां स्थापना दिवस

विश्वनाथ,19 जुलाई (ख.सं)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) का 45वां स्थापना दिवस पाभोई मत्स्य फार्म में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक सुमन चटर्जी के तत्वावधान में मनाया गया। इस समारोह में सरकारी अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठनों के सदस्य और विकास साझेदार शामिल हुए और ग्रामीण विकास एवं सतत आजीविका में के उत्कृष्ट योगदान को याद किया।इस कार्यक्रम में बीरेन भगवती मुख्य अतिथि के रूप में और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रंजीत कुंवर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में संदीप देवनाथ (एलडीएम, विश्वनाथ-इंडियन बैंक), ब्रजेश कुमार (एलडीएम, शोणितपुर-यूको बैंक), डॉ. पल्लव कुमार शर्मा (मुख्य वैज्ञानिक, बीएनसीए), चंदन शास्त्री (शाखा प्रबंधक, एपेक्स बैंक), सीएडीएटी के अधिकारी, विभिन्न एफपीओ प्रतिनिधि और सहयोगी गैर सरकारी संगठन-मास्क एनजीओ (बालीपारा), सिंगरी समबाई समिति (सिंगरी), नंदिनी सोशल वेलफेयर सोसायटी (रंगापाड़ा), वी फॉर यू (गोहपुर) और सुशीला फाउंडेशन (शोणितपुर) के प्रतिनिधि मौजूद थे। समारोह के अंतर्गत नाबार्ड समर्थित विकास कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और सहयोगी गैर सरकारी संगठनों के सहायक कार्यकर्ताओं को विशेष अभिनंदन तथा सम्मानित किया गया। सतत आजीविका, सामुदायिक विकास और ग्रामीण वित्तीय समावेशन के प्रति उनके समर्पण और योगदान की सराहना की

जाती है। सभा को संबोधित करते हुए सुमन चटर्जी ने पिछले 45 वर्षों में नाबार्ड की महत्वपूर्ण पहलों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवोन्मेषी विकास कार्यक्रमों, सतत कृषि, वित्तीय समावेशन, आजीविका सृजन, जलवायु-सहिष्णु कृषि और संस्थागत विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए नाबार्ड की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। इसके बाद सहयोगी संगठनों ने अपने-अपने क्षेत्रों में लागू की जा रही नाबार्ड समर्थित विभिन्न परियोजनाओं और उनकी सफलता की कहानियों को प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों से किसानों की आय बढ़ाने, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने, प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने और स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने में इन परियोजनाओं के सकारात्मक प्रभाव का पता चला। विशिष्ट अतिथियों ने नाबार्ड और उसके सहयोगी संगठनों की पहलों की सराहना की। समारोह में बोलते हुए रंजीत कुंवर ने नाबार्ड को उसकी 45 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर बधाई दी और कहा कि नाबार्ड कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में वित्तीय सहायता, कौशल विकास और संस्थागत सहयोग के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एक अनूठी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने समावेशी और सतत विकास के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने में नाबार्ड के महत्वपूर्ण योगदान का भी उल्लेख किया।समारोह के बाद धन्यवाद ज्ञापन के जरिये नाबार्ड, सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और किसान उत्पादक संगठनों ने भविष्य में सतत और समावेशी ग्रामीण विकास के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR- 94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI- 73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

नगालैंड : मोन में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन से तबाही, सात की मौत

कोहिमा, 19 जुलाई (भा)। नागालैंड के मोन शहर में आज ज़बरदस्त भूस्खलन हुआ। इसमें चार महिलाओं समेत कम से कम सात लोगों की मौत की आशंका है। भूस्खलन से असम राइफल्स कैंप के नीचे बसे इलाके में भारी नुकसान हुआ है। सूत्रों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है और बचाव दल प्रभावित लोगों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं। ख़बरों के अनुसार, भूस्खलन की वजह से 10 से ज़्यादा घर मलबे में दब गए या बह गए। यह घटना लगातार हो रही भारी बारिश के बीच हुई; बारिश से इलाके में हालात खराब हैं और और भूस्खलन का खतरा भी बढ़ गया है। अस्थिर ज़मीन, नए सिरे से हो रहे कीचड़ के बहाव और तेज़ी से बहते पानी की वजह से बचाव कार्यों में काफी रुकावट आ रही है, जिससे प्रभावित जगह तक इमरजेंसी कर्मचारियों और उपकरणों के पहुँचने में देरी हो रही है। स्थानीय प्रशासन और बचाव एजेंसियां मुश्किल हालात में भी बचे हुए लोगों को खोजने और नुकसान का अंदाज़ा लगाने का काम कर रही हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक मौतों की पक्की संख्या या लापता लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। हालात के साथ-साथ और जानकारी मिलने की उम्मीद है। मोन शहर में हुए जानलेवा भूस्खलन के बाद कई राहत उपायों की घोषणा की। इस घटना में कई लोगों की जान गई और संपत्ति व बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने मारे गए हर व्यक्ति के परिवार को 4 लाख रुपये की मुआवज़ा राशि देने की घोषणा की। एक आधिकारिक बयान में, सरकार ने रविवार सुबह करीब 6:30 बजे हुए भूस्खलन पर गहरा दुख जताया। सरकार ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। सरकार ने कहा कि वह राज्य भर में खराब मौसम के असर पर बारीकी से नज़र रख रही है। मोन ज़िले के अलावा, मोकोकचुंग ज़िले के तुली सब-डिविजन और कई अन्य इलाकों में भी भूस्खलन, अचानक बाढ़, सड़कें बंद होने और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे व निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की घटनाएं हुई हैं। नागालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, ज़िला प्रशासन, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, नागालैंड पुलिस और अन्य विभाग बचाव और राहत कार्य कर रहे हैं। अधिकारी खोज और बचाव कार्यों में लगे हैं, खतरे वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं, ज़रूरी सेवाएं बहाल कर रहे हैं और प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने मारे गए हर व्यक्ति के परिवार को तुरंत 4 लाख रुपये और हर घायल व्यक्ति को 74,000 रुपये की मुआवज़ा राशि देने की घोषणा की। सरकार ने यह भी भरोसा दिलाया कि प्रभावित परिवारों को भोजन, अस्थायी आश्रय, ज़रूरी सामान और अन्य योग्य राहत सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री के नाम से फर्जी ईमेल बनाने वाला गिरफ्तार

गुवाहाटी, 19 जुलाई (एजें)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नाम से फर्जी ईमेल आईडी बनाकर लोगों को कथित सरकारी संदेश भेजने के मामले में सीआईडी की साइबर पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। सीआईडी की ओर से जारी बयान के अनुसार, 16 जुलाई को इस मामले में सीआईडी साइबर थाना केश नंबर 11/2026 दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि .. नामक संदिग्ध ईमेल आईडी बनाकर मुख्यमंत्री की पहचान का दुरुपयोग किया जा रहा था तथा दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से लोगों को कथित आधिकारिक संचार भेजे जा रहे थे। जांच के दौरान पुलिस ने रविवार को पंकज दास (34) को उसके कामरूप जिले के चांगसारी थाना अंतर्गत घोपारताटी स्थित आवास से गिरफ्तार किया। आरोपित के पिता का नाम अजीत दास बताया गया है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। मामले की जांच जारी है।

फीफा फाइनल : मणिपुर और मेघालय में आज स्कूल-कॉलेज बंद

इंफाल/शिलांग, 19 जुलाई (भा)। मणिपुर और मेघालय की सरकारों ने छात्रों को फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल का लुत्फ उठाने का मौका देने के लिए सोमवार को राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी की घोषणा की है। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में गत विजेता अर्जेंटीना का मुकाबला स्पेन से होगा। मणिपुर के शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, मणिपुर के राज्यपाल ने निर्देश दिए हैं कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद, सीबीएसई अथवा किसी अन्य बोर्ड से संबद्ध सभी विद्यालयों के साथ-साथ सभी सरकारी, अनुदानित और निजी महाविद्यालय, उच्च शिक्षण संस्थान तथा विश्वविद्यालय 20 जुलाई को बंद रहेंगे। आदेश में यह भी कहा गया है कि 20 जुलाई 2026 को प्रातः 12:30 बजे (रात्रि 12:30 बजे) होने वाले फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले का राज्यभर के विद्यार्थी उत्साहपूर्वक आनंद ले सकें, इसी उद्देश्य से यह अवकाश घोषित किया गया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने सोमवार को राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब पूरे राज्य में विश्व कप को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मैचों के लाइव प्रसारण के लिए, शिलांग के एक पार्किंग स्थल के अलावा जोवाई और तुरा में स्थापित सीएम फैन पार्क को फुटबॉल प्रेमियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। मेघालय में फुटबॉल के इस उत्सव को वैश्विक पहचान भी मिली, जब हाल ही में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर राज्य में फुटबॉल के प्रति लोगों के उत्साह की सराहना की। मुख्यमंत्री संगमा ने रविवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैंने सोमवार को स्कूलों और कॉलेजों सहित राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश रखने का फैसला लिया है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि मेघालय में फुटबॉल केवल एक खेल नहीं, बल्कि लोगों का जुनून और जीवनशैली का हिस्सा है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए युवाओं को इस बहुप्रतीक्षित फाइनल का पूरा आनंद लेने का अवसर देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने सीएम फैन पार्क को मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया का भी उल्लेख किया, जहां हजारों फुटबॉल प्रेमी एक साथ विश्व कप मुकाबलों का आनंद ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी प्रशंसकों को रोमांचक फाइनल मुकाबले के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

बीते 24 घंटे में मेघालय में बहुत भारी बारिश

शिलांग, 19 जुलाई (एजें)। मौसम विभाग की ओर से मेघालय कुछ जगहों पर हुई बारिश को लेकर जानकारी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान मेघालय में कुछ जगहों पर बहुत भारी से लेकर अत्यधिक भारी बारिश, कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि 19 जुलाई को सुबह 8:30 बजे तक आरकेएम सोहरा ओआरजी (जिला ईस्ट खासी हिल्स) में 27 सेंटीमीटर, मौसिनराम ओआरजी (जिला ईस्ट खासी हिल्स) में 20 सेंटीमीटर, मावकिरवाट ओआरजी (जिला साउथ वेस्ट खासी हिल्स) में 19 सेंटीमीटर, सोहरा (जिला ईस्ट खासी हिल्स) में 16 सेंटीमीटर, मावकिरवाट ओडब्ल्यूएस (जिला साउथ वेस्ट खासी हिल्स) में 12 सेंटीमीटर बारिश हुई है। मेघालय सहित देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से स्थिति काफी गंभीर हो गई है। भारी बारिश की वजह से जम्मू-कश्मीर में कई नदियां उफान पर है। पुंछ जिले में बारिश से तबाही मच गई है। पुलस्त्य नदी में आई बाढ़ में दो दुकानें, आटा चक्की और गाड़ियों का सर्विस स्टेशन बहने से कई वाहन बह गए। सुरनकोट तहसील के संगलेयानी गांव में एक मकान गिरने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई है, जबकि आठ लोग मकान में फंस गए हैं। नूना बांडी गांव में एक मकान गिरने से महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए हैं। भारी बारिश से भूस्खलन के चलते जिले के अधिकतर सड़क मार्ग बंद हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मैंने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और लगातार बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित राजौरी और पुंछ के हालात का जायजा लिया। राजौरी में सिविल प्रशासन, पुलिस, सेना, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवक जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, कई अपराधी धराये

इंफाल, 19 जुलाई (एजें)। मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों में लगातार अभियान चलाकर ड्रग्स तस्करों, उग्रवादियों और रंगदारी वसूलने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए। 'वार ऑन ड्रग्स' अभियान के तहत 18 जुलाई को सुरक्षा बलों ने खुमान लम्पाक क्षेत्र से मोहम्मद युसुब उर्फ काकी उर्फ जाकिर (41) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से लगभग 6.2 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (आइस ड्रग्स) के छह पैकेट और एक टीवीएस जुपिटर स्कूटर बरामद किया गया। इसी दिन इंफाल पूर्व जिले के हेंगांग थाना क्षेत्र से यूआरएफ (यूनाइटेड रिवोल्यूशनरी फ्रंट) के सक्रिय उग्रवादी मोहम्मद लेहिमुद्दीन उर्फ यांगबा (37) को भी गिरफ्तार किया गया। चुराचांदपुर जिले के थिंगकांगफाई गांव में सुरक्षा बलों ने एक बोलेरो वाहन की तलाशी के दौरान ब्राउन शुगर होने के संदेह वाले 81 साबुनदानी पैकेट बरामद किए। वाहन चालक मंगखानथांग किपगेन (33) को गिरफ्तार किया गया। वह डीआरआई के कई एनडीपीएस मामलों में वांछित बताया जा रहा है। छह नगा व्यक्तियों के अपहरण और हत्या के मामले की जांच के दौरान एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने लुंगौलाल वैफेई और लुनमिनथांग सितल्हौ उर्फ जैक को गिरफ्तार किया। मामले से जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। कांगपोकपी जिले के कोटलेन स्थित जीरो प्वाइंट क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया। बरामद सामान में एक .22 राइफल, 15 सिंगल बैरल राइफलें, तीन 9 एमएम पिस्तौल, एक .22 पिस्तौल, पांच इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, 107 जीवित कारतूस, 205 खाली कारतूस, चार मोटोरोला बैटरियां और एक पीईके शामिल हैं। 17 जुलाई को इंफाल पूर्व जिले से केसीपी (सिटी मैतेई) के सक्रिय उग्रवादी और कथित रंगदारी वसूलने वाले खुंडोंगबम इथोई सिंह (32) को गिरफ्तार किया गया। वहीं, चंदेल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के निकट केवाईकेएल के सक्रिय उग्रवादी यांगाबाम बोइचा मैतेई उर्फ बोइनाओ (29) को एक देशी .22 पिस्तौल और मोटोरोला संचार सेट के साथ गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने कहा कि राज्य में उग्रवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

हिंसा फैलाने वाले को भगवान माफ नहीं करेंगे : सीएम खेमचंद

इंफाल, 19 जुलाई (एजें)। हिंसा से प्रभावित मणिपुर में सत्तारूढ़ बीजेपी ने मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा में आउटरीच प्रोग्राम शुरू किया है। राज्य की लिलोंग विधानसभा में खुद सीएम युमनाम खेमचंद सिंह ने मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग की। मुस्लिम वोटरों के बीच पकड़ बनाने पहुंचे सीएम ने राज्य के पहले सीएम मोहम्मद अलीमुद्दीन की जमकर तारीफ की। युमनाम खेमचंद सिंह ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य तीन साल तक चली जातीय हिंसा के बाद मणिपुर के लोगों को एकजुट करने की कोशिश करना है। मणिपुर के सीएम युमनाम खेमचंद सिंह शनिवार को राज्य की एकमात्र मुस्लिम बाहुल्य वाली सीट लिलोंग पहुंचे। वहां उन्होंने मंडल-स्तर के राजनीतिक कार्यकर्ताओं के एक-दिन के सम्मेलन के साथ मुसलमानों तक पहुंचने का अपना अभियान शुरू किया है। सीएम खेमचंद सिंह ने कहा कि कुछ स्वार्थी लोग नहीं चाहते कि मणिपुर में शांति लौटे। वे उनकी शांति की कोशिशों को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे बुरे इरादों वाले लोग आम लोगों की जिंदगी में हमेशा के लिए खलल नहीं डाल सकते। उन्हें भरोसा है कि ईमानदारी और सच्चाई की ही जीत होगी। सीएम ने कहा कि भगवान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे जो मणिपुर में शांति भंग करना चाहते हैं। मणिपुर के सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री मोहम्मद अलीमुद्दीन की तारीफ़ की। मणिपुर पीपल्स पार्टी के नेता अलीमुद्दी 1972 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद मणिपुर के पहले सीएम बने थे। वह लिलोंग विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाते रहे। सीएम खेमचंद सिंह ने कहा कहा कि अलीमुद्दीन के इस पक्के विश्वास वाले थे कि मणिपुर में सभी समुदाय शांति, सद्भाव और मिल-जुलकर रह सकते हैं। सीएम ने कहा कि उन्होंने असम की सीमा से लगे जिरीबाम जिले का दो बार दौरा किया और वहां रहने वाले सभी समुदायों को एकजुट करने की कोशिश की। खेमचंद सिंह ने अलग-अलग कैंपों में शरण लिए हुए विस्थापित मैतेई और हमार जनजाति के लोगों से मुलाकात की।

नौ बांग्लादेशी नागरिकों की सजा में संशोधन

अगरतला, 19 जुलाई (भा)। त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के दोषी ठहराये गये नौ बंगलादेशी नागरिकों की सजा में संशोधन किया है। अदालत ने राज्य सरकार को स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार उन्हें बंगलादेश वापस भेजने की कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है।न्यायमूर्ति टी अमरनाथ गौड़ ने ऊनाकोटी और धलाई जिलों की सत्र अदालतों के फैसलों के खिलाफ तीन आपराधिक अपीलों का निपटारा करते हुए यह आदेश जारी किया है।

सिक्किम का बजट सत्र आज से

गंगटोक, 19 जुलाई (एजें)। सिक्किम का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण और उसके बाद धन्यवाद प्रस्ताव के साथ शुरू होगा। मुख्यमंत्री, जिनके पास वित्त विभाग भी है, पहले चरण में 202627 का आम बजट पेश करेंगे। इसमें व्याख्यात्मक ज्ञापन, वार्षिक वित्तीय विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए प्राप्तियों और अनुदान की मांगों का अनुमान शामिल होगा। मंगलवार, 21 जुलाई को कार्यवाही धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के साथ शुरू होगी, जिसके बाद प्रस्ताव पर मतदान से पहले मुख्यमंत्री अपना जवाब देंगे। इसके बाद विधानसभा बजट के दूसरे चरण पर विचार करेगी, जिसमें आम चर्चा और मुख्यमंत्री का जवाब शामिल होगा। जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, जल संसाधन और धार्मिक मामलों के विभागों; ग्रामीण विकास, पंचायती राज और सहकारिता; तथा सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन कल्याण, साथ ही प्रिंटिंग और स्टेशनरी के लिए अनुदान की अलग-अलग मांगों पर भी चर्चा की जाएगी। बुधवार, 22 जुलाई को विभागीय अनुदानों पर चर्चा जारी रहेगी। सदन भवन और आवास तथा श्रम; शहरी विकास और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, आयुष और संस्कृति; कृषि, बागवानी, पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवाएं तथा मत्स्य पालन; और वन और पर्यावरण, खान और भूविज्ञान तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित मांगों पर विचार-विमर्श करेगा। गुरुवार, 23 जुलाई को अंतिम बैठक सुबह 10 बजे शुरू होगी, जो पिछले दिनों की तुलना में एक घंटा पहले होगी। विधानसभा सड़क और पुल; शिक्षा, खेल और युवा मामले, कानून और संसदीय मामले; पर्यटन और नागरिक उड्डयन, वाणिज्य और उद्योग और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग; तथा मुख्यमंत्री के अधीन विभागों, जिनमें गृह, वित्त, योजना और विकास, कार्मिक, बिजली, आबकारी, भूमि राजस्व और आपदा प्रबंधन, परिवहन, सूचना और जनसंपर्क, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और अन्य आवंटित न किए गए विभाग शामिल हैं, के लिए अनुदान की मांगों पर विचार करेगी। सदन में आम बजट 202627 के तीसरे और आखिरी चरण पर भी चर्चा होगी और उस पर वोटिंग होगी। इसके बाद सिक्किम विनियोग विधेयक, 2026 पेश किया जाएगा और पारित किया जाएगा। बजट से जुड़े कामकाज के अलावा, विधानसभा में कॉम्पट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (सीएजी) की रिपोर्ट और अगर कोई अन्य ऑडिट रिपोर्ट हो, तो उन पर भी विचार किया जाएगा; साथ ही सदन के पटल पर रखे गए कागज़ात पर भी चर्चा होगी। सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने से पहले, समापन भाषण होंगे, जिनमें सदस्य, मुख्यमंत्री और स्पीकर धन्यवाद प्रस्ताव रखेंगे।

त्रिपुरा पुलिस ने किया अगरतला मर्डर केस के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार

अगरतला, 19 जुलाई (एजें)। पुलिस ने बताया कि अगरतला के अमताली पुलिस स्टेशन की एक स्पेशल टीम ने, जिसकी अगुवाई ऑफिसर-इन-चार्ज (ओसी) परितोष दास कर रहे थे, गोविंदा दास की हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया है। यह हमला 13 जुलाई की रात रानी खमार इलाके में हुआ था, जहाँ गोविंदा दास पर कथित तौर पर हमला किया गया था। घटना के बाद, अमताली पुलिस स्टेशन ने भारतीय न्याय संहिता () की धारा 117(2) के तहत मामला दर्ज किया। अगरतला के एक अस्पताल में चोटों का इलाज करा रहे गोविंदा दास की शनिवार सुबह मौत हो गई, जिसके बाद मामले को हत्या की जांच में बदल दिया गया। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी, जो अगरतला के रानी खमार इलाके का ही रहने वाला है, उसे पहले ही गिरफ़्तार कर लिया गया था और पुलिस कस्टडी में लेने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। बात करते हुए ओसी परितोष दास ने कहा, '13 जुलाई की रात, रानी खमार इलाके में गोविंदा दास नाम के व्यक्ति पर कथित तौर पर हमला किया गया था।' उन्होंने आगे कहा कि पीड़ित की शनिवार सुबह 'इलाज के दौरान चोटों की वजह से मौत हो गई।' दास ने कहा, 'मुख्य आरोपी को पहले ही गिरफ़्तार कर लिया गया था। वह भी रानी खमार इलाके का रहने वाला है।

त्रिपुरा विकास कार्यों की देखरेख के लिए पालक मंत्री नियुक्त

अगरतला, 19 जुलाई (एजें)। असम और अरुणाचल प्रदेश के बाद त्रिपुरा में भाजपा सरकार ने सभी आठ जिलों के लिए पालक मंत्री नियुक्त किए हैं। इनका काम विकास कार्यों की देखरेख और निगरानी करना तथा सरकारी कार्यक्रमों को लागू करने में बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री सचिवालय से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, आठ जिलों में अलग-अलग विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी और समीक्षा के लिए 11 मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पालक मंत्री नियमित रूप से विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे, जिला प्रशासन के साथ तालमेल बिठाएंगे, सरकार की प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगे, जनता की शिकायतों का समाधान करेंगे और सरकारी पहलों को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करेंगे। नई व्यवस्था के तहत, गार्जियन मिनिस्टर जिला स्तर पर काम करेंगे। वे जिला प्रशासन, चुने हुए प्रतिनिधियों (जैसे एमएलए, जिला परिषद और पंचायत समिति के सदस्य) और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर विकास कार्यों का मार्गदर्शन और निगरानी करेंगे। नोटिफिकेशन के मुताबिक, बिजली और कृषि मंत्री रतन लाल नाथ को आदिवासी-बहुल धलाई जिले का पालक मंत्री नियुक्त किया गया है, जबकि वित्त मंत्री प्राणजीत सिंघा रॉय को पश्चिम त्रिपुरा जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंत्री संताना चकमा और शुक्ला चरण नोआतिया को उत्तर त्रिपुरा जिले का पालक मंत्री नियुक्त किया गया है, जबकि मंत्री किशोर बर्मन और अनिमेष देबबर्मा को गोमती जिले की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री सुधांशु दास और वृषकेतु देबबर्मा दक्षिण त्रिपुरा जिले की देखरेख करेंगे। मंत्री सुशांत चौधरी को उनाकोटी जिला, मंत्री टिंकू रॉय को खोवाई जिला और मंत्री विकास देबबर्मा को सिपाहीजाला जिले का पालक मंत्री बनाया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस पहल का मकसद निगरानी को मजबूत करना, विभिन्न सरकारी विभागों के बीच तालमेल बेहतर करना, कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाना और राज्य के सभी जिलों में संतुलित, पारदर्शी और प्रभावी विकास सुनिश्चित करना है। असम और अरुणाचल प्रदेश ने कुछ साल पहले अपने जिलों के लिए पालक मंत्री नियुक्त करने की ऐसी ही व्यवस्था शुरू की थी, ताकि प्रशासनिक निगरानी बढ़ाई जा सके और सरकारी कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू किया जा सके। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2028 के त्रिपुरा विधानसभा चुनावों से पहले, भाजपा सरकार प्रशासन को लोगों के करीब लाकर जमीनी स्तर पर कामकाज को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। इसके तहत सरकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं को लागू करने में आ रही कमियों की पहचान की जा रही है और मंत्रियों की सीधी निगरानी में इनके काम में तेजी लाई जा रही है।

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री इबोबी सिंह ने भाजपा पर बोला हमला

इंफाल, 19 जुलाई (एजें)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री और मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष ओकराम इबोबी सिंह ने 19 जुलाई को केंद्र और मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों पर तीखा हमला किया। उन्होंने शिक्षा, शासन और कानून-व्यवस्था के मामले में जवाबदेही तय करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। इंफाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, इबोबी ने देश भर में बार-बार हो रहे एग्ज़ाम पेपर लीक के खिलाफ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए हालिया विरोध प्रदर्शन का ज़िक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लाखों छात्रों के भविष्य की रक्षा करने में विफल रही है। इबोबी ने दावा किया कि 2014 में केंद्र में के सत्ता में आने के बाद से परीक्षा सहित 150 से ज़्यादा एग्ज़ाम पेपर लीक हुए हैं और बार-बार हो रही गड़बड़ियों ने छात्रों की उम्मीदों को तोड़ दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परीक्षा से जुड़े विवादों के कारण निराशा में कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा, 'सरकार अपनी ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकती। केंद्रीय शिक्षा मंत्री सहित जो लोग ज़िम्मेदार हैं, उन्हें नैतिक ज़िम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए और इस्तीफ़ा देना चाहिए।'

त्रिपुरा : सीएम ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

अगरतला, 19 जुलाई (एजें)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने 19 जुलाई को अगरतला के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल में हुए एक समारोह में टाउन बारडोवाली विधानसभा क्षेत्र के होनहार स्टूडेंट्स को सम्मानित किया। स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के स्टूडेंट्स कल के आर्किटेक्ट हैं और देश बनाने और समाज को आकार देने में उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने युवा पीढ़ी से न केवल पढ़ाई में बेहतरीन प्रदर्शन करने की कोशिश करने, बल्कि अच्छे इंसान और ज़िम्मेदार नागरिक बनने की भी अपील की। साहा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा को स्टूडेंट्स को अनुशासन, ईमानदारी, दया और सामाजिक ज़िम्मेदारी जैसे मूल्य विकसित करने में मदद करनी चाहिए। स्टूडेंट्स को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि उनकी सफलता कई अन्य लोगों को पढ़ाई में बेहतरीन प्रदर्शन करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने सभी स्टूडेंट्स को उज्ज्वल और सफल भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पूसीरे के न्यू जलपाईगुड़ी यार्ड में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर की होगी कमीशनिंग

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने कटिहार मंडल के अधीन न्यू जलपाईगुड़ी यार्ड में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) की कमीशनिंग किए जाने के साथ, रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कमीशनिंग का यह कार्य 26 से 28 जुलाई तक होगा। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि यह उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली ट्रेन डिटेक्शन (ट्रेन का पता लगाने की) क्षमताओं में काफी सुधार लाएगी, परिचालन सुरक्षा मजबूत होगी, विश्वसनीयता में बढ़ोतरी होगी और इस क्षेत्र के सबसे व्यस्त रेलवे यार्डों में से एक में ट्रेनों की सुचारू आवाजाही को ज्यादा सुगम बनाएगी। कमीशनिंग कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए, कुछ ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से विनियमित किया जाएगा, जिसमें कई ट्रेनें शामिल हैं। 28 जुलाई को ट्रेन संख्या 55749/55750 (न्यू जलपाईगुड़ी हल्दीबाड़ी

न्यू जलपाईगुड़ी) पैसेंजर रद्द रहेगी। 28 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22301 (हावड़ा न्यू जलपाईगुड़ी) वंदे भारत एक्सप्रेस किशनगंज तक चलेगी। परिणामस्वरूप, किशनगंज और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच यह ट्रेन सेवा रद्द रहेगी। 28 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22302 (न्यू जलपाईगुड़ी हावड़ा) वंदे भारत एक्सप्रेस किशनगंज से खुलेगी। परिणामस्वरूप, न्यू जलपाईगुड़ी और किशनगंज के बीच यह ट्रेन सेवा रद्द रहेगी। 27 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 14037 (सिलचर- नई दिल्ली) एक्सप्रेस सिलचर से 19:10 बजे के बजाय 21:10 बजे रवाना होगी। 28 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12510 (गुवाहाटी एसएमवीटी बेंगलुरु) एक्सप्रेस गुवाहाटी से 06:15 बजे के बजाय 07:45 बजे रवाना होगी। 28 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 13142 (न्यू अलीपुरद्वार सियालदह) एक्सप्रेस न्यू अलीपुरद्वार से 11:50 बजे के बजाय 12:50 बजे रवाना होगी। 27 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20504 और 12424 (नई दिल्ली डिब्रूगढ़) राजधानी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20505 और 12423 (डिब्रूगढ़ नई दिल्ली) राजधानी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 20501 (अगरतला आनंद विहार टर्मिनल) तेजस राजधानी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया अलुआबाड़ी रोड ठाकुरगंज सिलीगुड़ी गुलमाहोकर चलेगी। मार्ग परिवर्तन के दौरान, ये ट्रेनें न्यू जलपाईगुड़ी को बाईपास करेंगी और सिलीगुड़ी जंक्शन पर अस्थायी ठहराव होगा। 26 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15631 (बाड़मेर गुवाहाटी) एक्सप्रेस को निर्धारित समय से लगभग 60 मिनट तक विनियमित किया जा सकता है।

अंतरिक्ष में भारत की ऊंची उड़ान

भारत के अंतरिक्ष इतिहास में 19 जुलाई 2026 का दिन एक नए युग की शुरुआत के रूप में दर्ज हो गया। हैदराबाद स्थित स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण ने भारत को न केवल निजी क्षेत्र द्वारा उपग्रह प्रक्षेपण करने वाला विश्व का तीसरा देश बना दिया, बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि अब भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं है। अमेरिका और चीन के बाद भारत का इस श्रेणी में शामिल होना उसकी वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और नवाचार की शक्ति का प्रमाण है। अब तक भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की पहचान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के माध्यम से रही है। चंद्रयान, मंगलयान और आदित्य-एल1 जैसे मिशनों ने देश को वैश्विक सम्मान दिलाया। लेकिन आज दुनिया तेजी से बदल रही है। अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिक अनुसंधान का विषय नहीं, बल्कि एक विशाल आर्थिक क्षेत्र बन चुका है। संचार, मौसम पूर्वानुमान, रक्षा, कृषि, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और पृथ्वी अवलोकन जैसे क्षेत्रों में उपग्रहों की बढ़ती मांग ने अंतरिक्ष उद्योग को खरबों डॉलर के बाजार में बदल दिया है। ऐसे समय में निजी क्षेत्र की भागीदारी भारत के लिए अनिवार्य थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जो साहसिक निर्णय लिया था, उसका प्रत्यक्ष परिणाम आज विक्रम-1 की सफलता के रूप में सामने आया है। स्काईरूट एयरोस्पेस जैसे स्टार्टअप ने यह साबित कर दिया कि यदि सरकार अवसर, नीति और विश्वास प्रदान करे तो भारतीय युवा विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा का 'निर्णायक क्षण' बताया है और यह आकलन बिल्कुल उचित है। विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं है, बल्कि भारत के नवाचार की उड़ान है। यह लगभग 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें स्वदेशी तकनीक, उच्च क्षमता वाले ठोस ईंधन मोटर तथा अत्याधुनिक त्रि-आयामी (3डी) प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग किया गया है। आज जब दुनिया छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण की ओर तेजी से बढ़ रही है, तब भारत के पास इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने का सुनहरा अवसर है।

इस उपलब्धि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इससे भारत में स्टार्टअप संस्कृति को नई ऊर्जा मिलेगी। आज देश में सैकड़ों युवा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, उपग्रह निर्माण, रॉकेट प्रणोदन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अंतरिक्ष सेवाओं पर कार्य कर रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता उन्हें यह विश्वास दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना अब केवल सपना नहीं, बल्कि वास्तविकता है। इससे निवेश बढ़ेगा, नए रोजगार पैदा होंगे और उच्च तकनीक आधारित उद्योगों का विस्तार होगा। हालांकि, सफलता के साथ नई जिम्मेदारियां भी आती हैं। निजी कंपनियों की संख्या बढ़ने के साथ सुरक्षा, गुणवत्ता नियंत्रण, अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन तथा अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) की समस्या पर गंभीर ध्यान देना होगा। सरकार, इसरो और निजी कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक होगा ताकि व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के साथ राष्ट्रीय हित और सुरक्षा भी पूरी तरह सुरक्षित रहें। यह भी याद रखना होगा कि इस उपलब्धि की नींव दशकों पहले डॉ. विक्रम साराभाई, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रो. सतीश धवन और इसरो के हजारों वैज्ञानिकों ने रखी थी। आज निजी क्षेत्र उसी मजबूत आधार पर नई इमारत खड़ी कर रहा है। इसलिए यह सरकारी और निजी क्षेत्र की साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है, प्रतिस्पर्धा का नहीं। विश्व अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार अगले दशक में कई गुना बढ़ने का अनुमान है। यदि भारत अपनी तकनीकी क्षमता, कम लागत और कुशल मानव संसाधन का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बन सकता है। विक्रम-1 इस दिशा में पहला बड़ा व्यावसायिक कदम है। वास्तव में, विक्रम-1 की सफलता केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, वैज्ञानिक सोच और नवाचार की उड़ान है। यह उपलब्धि संदेश देती है कि नए भारत की पहचान केवल उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी निर्माण और वैश्विक नेतृत्व करने वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रही है। यदि यही गति और दूरदृष्टि बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्तियों में शामिल होगा। यही विक्रम-1 मिशन का सबसे बड़ा संदेश और उसकी ऐतिहासिक उपलब्धि है।

व्यंग्य

अरे भाई! है किसी के पास सबूत भारतीय होने का

देखो जी, यह तो पूछा ही जाता है कि भाई कौन हो, कहां के हो। पर फिर सबूत कोई नहीं मांगता। कवि शैलेंद्र ने तो सबूत मांगे जाने से पहले ही सबूत दे दिया था कि होठों पर सच्चाई रहती है, जहां दिल में सफाई रहती है, हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है। फिर अपने भारत कुमार अर्थात् मनोज कुमार ने भी पर्दे पर कुछ-कुछ यही दोहराते हुए कहाभारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ-कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है? जी, यह मेरा आधार कार्ड है। मैंने बहुत भाग-दौड़ करके बनवाया है। लेकिन आधार कार्ड तो कोई सबूत नहीं है। आजकल बस में, रेल में और हवाई जहाज में यात्रा करने, कहीं धर्मशाला या होटल में ठहरने और बैंक की केवाईसी के अलावा यह कहां काम आता है। तो जी, फिर आपने यह हजारों-करोड़ रुपये खर्च करके इतना तामझाम क्यों खड़ा कर रखा है आधार का। वो छोड़ो। सबूत दो। जी यह मेरे पास राशन कार्ड है। किस जमाने में रह रहे हो यार। इसे तो अब पहचान का दस्तावेज भी नहीं माना जाता। आजकल यह सिर्फ गरीबों के पास रह गया है और फ्री का राशन लेने के काम आता है। कहीं तुम लाभार्थी तो नहीं हो? खैर सबूत दो। जी यह मेरा ड्राइविंग लाइसेंस है। ड्राइविंग लाइसेंस, भैया यह सिर्फ गाड़ी चलाने के काम आता है। यह सबूत थोड़े ही है। जी, यह मेरा बिजली का बिल है। बिजली का बिल है तो जाकर भरो और मुझे सबूत दिखाओ। जी, सबूत ही दिखा रहा हूं। नहीं, यह सबूत नहीं है, यह सिर्फ बिल भरने के काम आता है। तुम्हारे यहां स्मार्ट मीटर तो है न। कहीं बिजली की चोरी तो नहीं कर रहे! अरे नहीं जनाब! खैर, सबूत क्या है। जी यह मेरे जमीन के, मकान के कागज हैं। क्या खुराना के ऑफिस से आए हो। जी, कौन खुराना? अरे वही, खोसला का घोसलावाला, जो जमीन-जायदाद के फर्जी कागज बनाता था। जी, यह फर्जी नहीं है। इसका क्या सबूत है। देखो सबूत दिखाओ यार। जी यह मेरा पार्सपोर्ट है। पासपोर्ट? अरे भैया यह सिर्फ यात्रा का दस्तावेज है। अदालत का फैसला सुना नहीं क्या तुमने? इसे हटाओ यहां से और सबूत दो। जी यह मेरा मतदाता पहचान-पत्र है। अरे सारा पंगा तो इसी का है। यह मान्य नहीं, नया बनवाओ। लाओ पिछले एसआईआर का रिकॉर्ड दिखाओ, क्या उसमें तुम्हारे माता-पिता का नाम था? चलो अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र लाओ, अपना जन्म प्रमाणपत्र लाओ। सबूत ऐसे ही थोड़े मिल जाएगा। नहीं?

सहीराम

किसानों के लिए मानसून राहत या चुनौती

डॉ. जयन्ती लाल भंडारी

हाल ही में विश्व बैंक ने कहा है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बतायी है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। स्काईमेट की रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन में 5 प्रतिशत कम-ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है।

पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई किंतु गैर-सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहन-तिलहन फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति शृंखला बाधित होने से खेती की लागत बड़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल कृषि, वरन अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। पेयजल समस्या बढ़ सकती है।

नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गयी है। केंद्रीय जल आयोग देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का 44.71 प्रतिशत है। हाल में इसमें तेजी से कमी आयी है।

पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई किंतु गैर-सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहन-तिलहन फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति शृंखला बाधित होने से खेती की लागत बड़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल कृषि, वरन अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। पेयजल समस्या बढ़ सकती है।

वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है। ये एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है। एफसीआई के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभकर दिखायी दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान-केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। लेकिन कमजोर मानसून के चलते आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। निस्संदेह कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढ़ने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।

भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। सिंचाई व्यवस्था की नयी नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नयी क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

भारत का भविष्य बुजुर्गों के हाथों में

सुरेश सेठ

देश में जनगणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में प्रथम चरण के अंतर्गत आवासीय जनगणना की जा रही है। दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार तथा बेघर व्यक्तियों की जनगणना होगी। इससे पहले नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने में सहायक होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं और कल्याणकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करती है।

जनगणना से जुड़ी शुरुआती चर्चाओं के बीच एक महत्वपूर्ण चिंता देश की बदलती जनसांख्यिकीय संरचना को लेकर सामने आ रही है। भारत की कुल प्रजनन दर अब प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे पहुंच चुकी है, जिससे भविष्य में युवाओं की हिस्सेदारी घटने और बुजुर्ग आबादी बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। महानगरों में विवाह की बढ़ती उम्र, कम संतान की प्रवृत्ति तथा बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। वहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के कारण वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जनगणना के आंकड़े देश की भावी सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या संबंधी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चीन और जापान जैसे देशों ने वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया है। वहां वरिष्ठ नागरिक अनुभव और कौशल के आधार पर आज भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत लंबे समय तक स्वयं को युवाओं का देश मानता रहा, लेकिन घटती प्रजनन दर और बढ़ती जीवन प्रत्याशा भविष्य में बुजुर्ग आबादी के बढ़ने का संकेत दे रही है। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों को केवल आश्रित नहीं, बल्कि उत्पादक संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से देश में अनेक बुजुर्गों को पर्याप्त सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं। परिवारों के विघटन और उपेक्षा की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकार और समाज दोनों को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की होगी।

इस दिशा में एक सकारात्मक पहल वर्ष 2004 में तमिलनाडु में सुनामी के बाद सामने आयी। आर्थिक संकट के बावजूद अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने हार मानने के बजाय स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप) बनाकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभ में सरकारी स्तर पर पर्याप्त योजनाएं या प्रोत्साहन नहीं थे, फिर भी यह पहल लगातार आगे बढ़ती रही। आज यह अभियान तमिलनाडु से निकलकर कई राज्यों तक पहुंच चुका है। आज हजारों वरिष्ठ नागरिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस मॉडल को विस्तार देने की आवश्यकता है, ताकि वरिष्ठ नागरिक आत्मनिर्भर बनें, एक-दूसरे का सहयोग करें और अपने अनुभव से समाज व अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें।

वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन समूहों से जुड़े लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं। नियमित छोटी बचत के आधार पर उन्होंने करोड़ों रुपये का सामूहिक कोष तैयार किया, जिससे जरूरतमंद सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराया गया और आय के नये अवसर भी विकसित हुए। बिहार के सुपौल जिले का यह मॉडल विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां कई बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों की अवधारणा को भी प्रोत्साहन देना शुरू किया है। यह मॉडल आत्मनिर्भर और सम्मानजनक वृद्धावस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वास्तविक समाधान तभी संभव है, जब प्रशासन, समाज और वरिष्ठ नागरिक मिलकर कार्य करें। बढ़ती उम्र के कारण भले ही बुजुर्ग शारीरिक रूप से पहले जैसे सक्रिय न रहें, लेकिन उनका अनुभव, ज्ञान और निर्णय क्षमता समाज की अमूल्य पूंजी है। उन्हें ऐसे कार्यों में अवसर दिये जाने चाहिए, जहां मार्गदर्शन, सलाह और अनुभव की आवश्यकता हो। युवा ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समन्वय राष्ट्र निर्माण को नयी दिशा दे सकता है। वरिष्ठ नागरिकों को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। कुछ राज्यों में स्वयं सहायता समूहों की सफल पहल इसकी संभावना सिद्ध कर चुकी है। अब आवश्यकता है कि सरकार और समाज मिलकर इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाएं।

पोषण की कमी समाज की गंभीर समस्या

डॉ.अनु कुमार

आज का भारत एक विसंगति दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, बाजारों में खाद्य सामग्री की कोई कमी नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं भी विस्तारित हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर एक गंभीर समस्या चुपचाप समाज में आकार ले रही है पोषण की कमी, जिसे अक्सर छिपी हुई भूख कहा जाता है। छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखायी देती है। भारत में आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया आज भी महिलाओं और किशोरियों में आम है। शहरी आबादी में विटामिन बी12 की कमी तेजी से बढ़ रही है, जिसका एक कारण बदलती भोजन शैली और पोषक तत्वों का ठीक से अवशोषण न होना है। धूप की प्रचुरता के बावजूद विटामिन डी की कमी एक विडंबना बन चुकी है, जो हड्डियों, प्रतिरक्षा तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जिंक और आयोडीन की कमी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करती है।

पोषण को लेकर सबसे आम भ्रांति यह है कि भरपूर खाना खाने का मतलब अच्छा पोषण है। आज का आधुनिक भोजन जो अधिकतर परिष्कृत अनाज, पैकेज्ड फूड और मीठे स्नैक्स पर आधारित हैकैलोरी तो देता है, लेकिन आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व नहीं। हमारी पारंपरिक भोजन पद्धतियां, जिनमें मोटे अनाज, दालें, मौसमी सब्जियां और किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल थे, धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही हैं। दरअसल भोजन में गुणवत्ता के असंतुलन का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। पोषण की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे संक्रमण जल्दी होते हैं और ठीक होने में समय लगता है। मधुमेह और हृदय रोग जैसे जीवनशैली से जुड़े रोगों की गंभीरता भी बढ़ जाती है। बच्चों में यह शारीरिक वृद्धि और सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है, जबकि कामकाजी वर्ग में थकान और उत्पादकता में कमी लाती है। बुजुर्गों में यह कमजोरी और जटिलताओं को बढ़ावा देती है।

सरकार ने पोषण अभियान, मिड-डे मील, आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन और खाद्य सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से सराहनीय प्रयास किये हैं। लेकिन केवल दवाइयों और सप्लीमेंट्स के भरोसे इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। दीर्घकालिक समाधान के लिए जरूरी है कि पोषण भोजन के माध्यम से, सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से मिले। यहां पर बायोटेक्नोलॉजी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अक्सर बायोटेक्नोलॉजी को जटिल प्रयोगशालाओं तक सीमित विज्ञान माना जाता है, जबकि वास्तव में यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। बायोफोर्टिफाइड फसलें, जिनमें प्राकृतिक रूप से अधिक आयरन, जिंक या विटामिन मौजूद होते हैं, इसका एक उदाहरण हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ बिना खान-पान की आदत बदले बेहतर पोषण प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा किण्वन और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति का हिस्सा रहे हैं, जैसे दही, छाछ, इडली, डोसा और किण्वित पेय। आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी इन परंपराओं को वैज्ञानिक आधार देकर पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण और आंतों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है। फंक्शनल फूड्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का क्षेत्र भी संभावनाओं से भरा है, बशर्ते इन्हें जिम्मेदारी और किफायती तरीके से विकसित किया जाए। ये उत्पाद विलासिता नहीं, बल्कि विशिष्ट पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साधन बन सकते हैं खासकर कमजोर वर्गों के लिए। सबसे महत्वपूर्ण पहलू है जागरूकता। कई बार पोषण की कमी का निदान नहीं हो पाता, क्योंकि इसके लक्षणों को सामान्य कमजोरी समझ लिया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संवाद में अब केवल वजन और कैलोरी नहीं, बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों और संतुलित आहार पर भी जोर दिया जाना चाहिए। किशोरों, गर्भवती महिलाओं और कामकाजी वर्ग के लिए पोषण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। नीति स्तर पर, यदि बायोटेक्नोलॉजी आधारित पोषण समाधानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, जैसे बायोफोर्टिफाइड अनाज, स्कूल भोजन में पोषण संवर्धन तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि बायोटेक्नोलॉजी नैतिकता, पारदर्शिता और सुलभता के साथ आगे बढ़े। छिपी हुई भूख केवल पोषण की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की चुनौती है। आज आवश्यकता है कि पोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानकर न देखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, कृषि, विज्ञान और सामाजिक चेतना से जोड़कर समझा जाए। जब तक परिवार स्तर पर यह समझ नहीं बनेगी कि संतुलित आहार क्या है और पोषक तत्व क्यों आवश्यक हैं, तब तक योजनाएं और तकनीकें भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएंगी। पोषण साक्षरता को स्कूल पाठ्यक्रम, सामुदायिक कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के माध्यम से व्यापक रूप से फैलाना होगा। साथ ही, खाद्य उद्योग और वैज्ञानिक संस्थानों को मिलकर ऐसे समाधान विकसित करने होंगे। बायोटेक्नोलॉजी आधारित नवाचार तभी सफल होंगे जब वे आम आदमी की थाली तक पहुंचें। इसके लिए नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। पोषण में निवेश दरअसल देश के भविष्य में निवेश है और इस निवेश का लाभ आने वाली पीढ़ियां अवश्य महसूस करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

दीनापुर निवासी शशिकला मौर्या ने बांग्लादेश कराटे में जीता पदक

वाराणसी, एजेंसी। दीनापुर निवासी कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या बांग्लादेश में हुए अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। वह 2023 में 21वीं एशियन कैडेट, जूनियर और अंडर-21 कराटे चैंपियनशिप, अल्माटी (कजाकिस्तान)- जूनियर काता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। बताया कि टूर्नामेंट फीस, किट और यात्रा का खर्च जुटाने के लिए वह पिता ओमप्रकाश मौर्या के साथ माला गूथने का काम करती हैं।

उद्यमिता की सोच विकसित करें विद्यार्थी

गोरखपुर, एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय की ओर से नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ में शनिवार को 'उद्यमिता, नवाचार एवं उद्योगोन्मुखी कॅरिअर' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, लखनऊ के ट्रेनिंग हेड डॉ. अमित सिन्हा ने कहा कि विद्यार्थी उद्यमिता की सोच विकसित करें। उन्होंने जैवप्रौद्योगिकी, सूक्ष्मजीव विज्ञान, जैवरसायन व फॉरेंसिक विज्ञान के विद्यार्थियों को रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप, एआई, डिजिटल फॉरेंसिक एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं कॅरिअर के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने आह्वान किया कि वे नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता की सोच विकसित कर रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार सृजित करने की दिशा में भी आगे बढ़ें। अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि संकाय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योगोन्मुखी कौशल, अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

भाजपा नेता के घर की छत पर मिला ड्रोन पुलिस जांच में जुटी

कंकरखेड़ा (मेरठ)। थाना क्षेत्र की सुभाषपुरी कॉलोनी में शनिवार दोपहर भाजपा उपाध्यक्ष अरुण पंडित के मकान की छत पर एक संदिग्ध ड्रोन मिला। सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची। भाजपा के मनोनीत पार्षद गोलू ठाकुर भी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे। पुलिस ने ड्रोन को कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू कर दी है। अरुण पंडित ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12 बजे वह छत पर कपड़े उतारने गए थे। तभी उनकी नजर छत के एक कोने में पड़े काले रंग के संदिग्ध ड्रोन पर पड़ी। ड्रोन देखकर वह घबरा गए और तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि ड्रोन कब और किस दिशा से छत पर पहुंचा। भाजपा नेता अरुण पंडित ने मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है। सीओ दौराला शिव ठाकुर ने बताया कि ड्रोन की तकनीकी जांच कराई जाएगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि ड्रोन किसका है और उसे किस उद्देश्य से उड़ाया गया था। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कब्जे के विरोध में भूमि स्वामी और जिला पंचायत सदस्य ने की आत्मदाह की कोशिश

बरेली, एजेंसी। फतेहगंज पश्चिमी। गांव टिटौली में भूमि पर अवैध कब्जा करने के विरोध में भूमि स्वामी कांता प्रसाद गंगवार और जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार ने शनिवार को आत्मदाह की कोशिश की। वहां मौजूद प्रभारी निरीक्षक ने पेट्रोल की बोतल छीनकर दोनों को रोका। राजस्व टीम की पैमाइश के दौरान यह घटना हुई। कांता प्रसाद गंगवार ने बताया कि उनकी जमीन गाटा संख्या 232 का कुछ हिस्सा फतेहगंज पश्चिमी-भोजीपुरा रोड में निकल गया था। बची हुई एक बीघा चार बिस्बा जमीन पर पास के खेत मालिक अख्तर हुसैन ने कब्जा कर लिया था। कांता प्रसाद पांच साल से तहसील प्रशासन से कब्जा हटाने की गुहार लगा रहे थे। थक हारकर उन्होंने जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार से मदद मांगी। ममता गंगवार भी एक साल से इस मामले की पैरवी कर रही थी। इस संबंध में अधिकारियों से शिकायत की गई। शुक्रवार को राजस्व टीम मौके पर पहुंची थी। हालांकि, दूसरे पक्ष ने सिविल कोर्ट में मामला होने का हवाला दिया, जिससे राजस्व टीम को लौटना पड़ा था। तहसीलदार आशीष कुमार की अगुवाई में राजस्व टीम शनिवार को फिर मौके पर गई। टीम ने एक घंटे तक पैमाइश की लेकिन नतीजा नहीं निकला और टीम जाने लगी। इससे नाराज ममता गंगवार और कांता प्रसाद गंगवार ने पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश की। वहां मौजूद थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने हस्तक्षेप कर उनको रोका और पानी डालकर पेट्रोल का प्रभाव खत्म किया। फिर दोनों लोगों ने धरना दिया। बाद में कानूनगो ब्रजकिशोर कटियार और लेखपाल नवरत्न गंगवार ने तीन घंटे में पैमाइश पूरी कर कांता प्रसाद के खेत की निशानदेही की।

कोसी, कमला और बलान उफनाई, 20 गांव टापू में तब्दील

दरभंगा में नाव के सहारे जिंदगी

दरभंगा, एजेंसी। नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और कोसी बैराज से बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने का असर अब मिथिलांचल में साफ दिखाई देने लगा है। दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान पूर्वी और घनश्यामपुर प्रखंड में कोसी, कमला और बलान नदियां उफान पर हैं। इससे निचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल गया है।

दरभंगा के 20 गांव बने टापू: कोसी बराज से पानी छोड़े जाने के चौथे दिन जिले के 20 से अधिक गांव जलमग्न हो चुके हैं। कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के छह गांव पूरी तरह टापू में तब्दील हो गए हैं। इनमें इटहर पंचायत के इटहर, चौकिया, लक्ष्मिनियां, बलथरवा, बसबरिया और सुघराइन पंचायत का भरैन टोला शामिल हैं, जहां हजारों लोग बाढ़ में फंसे हैं। इन गांवों में 13 नाव चलाये जा रहे हैं।

सड़क संपर्क टूटा, बढ़ीं मुश्किलें: कुशेश्वरस्थान पूर्वी के गोलइमा के रहने वाले ग्रामीण बताते हैं कि बाढ़ का पानी फैलने से इन प्रभावित गांवों का प्रखंड मुख्यालय से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट चुका है। सड़क मार्ग बंद होने के कारण लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो गई है। बाजार जाने, दैनिक जरूरतों का सामान लाने, बैंक का काम निपटाने और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

निजी नाव बनी जिंदगी का सहारा: बाढ़ ग्रस्त इलाकों में आवाजाही के लिए अब केवल नाव ही एकमात्र सहारा बची है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अब तक प्रशासन की ओर से सरकारी नाव परिचालन की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। लोगों को मजबूरी में निजी नावों का सहारा लेना पड़ रहा है, जहां नाविक एक बार आने-जाने का प्रति व्यक्ति 40 रुपये किराया वसूल रहे हैं।

बाढ़ की चपेट में आए स्कूल: बाढ़ अपना पांव पसारते हुए अब गांवों के सरकारी स्कूलों तक पहुंच गई है। प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीनिया के परिसर में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, जिससे पठन-पाठन पूरी तरह ठप हो गया है। वहीं प्राथमिक विद्यालय इटहर पोखर भी चारों तरफ से पानी से घिर चुका है। ऐसे में बच्चों और शिक्षकों के लिए स्कूल पहुंचना जोखिम भरा है।

विद्यालयों को बंद करने की तैयारी: बाढ़ के पानी के बीच स्कूल खोलने पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा खतरा बना हुआ है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार ने बताया कि यदि नदियों का जलस्तर इसी तरह लगातार बढ़ता रहा, तो दोनों विद्यालयों को एहतियातन बंद कर दिया जाएगा, ताकि बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित की जा सके।

खरीफ फसलों को भारी नुकसान: इधर घनश्यामपुर प्रखंड में भी कमला बलान नदी का जलस्तर पिछले एक सप्ताह से लगातार बढ़ रहा है। नदी का पानी अब तेजी से आसपास के खेतों और निचले रिहायशी इलाकों में फैलने लगा है। धान समेत अन्य खरीफ फसलों वाले खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

प्रशासन की तैयारियां और दावे: जिला आपदा प्रबंध पदाधिकारी प्रणव राज ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। प्रशासन ने राहत और बचाव के लिए पूरी तैयारी की है। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए पहले से ही 186 सरकारी नावों की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही विस्थापितों के लिए 512 राहत शिविर और 611 सामुदायिक रसोई के स्थानों का चयन किया गया है।

तटबंधों की निगरानी और अलर्ट: मामले को लेकर जिलाधिकारी कौशल कुमार ने बताया कि भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बनी है। सभी तटबंधों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। विस्थापित लोगों के रहने और भोजन की समुचित व्यवस्था कर ली गई है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर प्रभावित क्षेत्र के दो दर्जन गांवों को खाली कराने के निर्देश जारी किए हैं।

35-40 लोगों से भरी सवार नाव पलटी

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी में नाव पलटने की घटना सामने आयी है। रुन्नीसैदपुर प्रखंड स्थित बागमती नदी के खड़का घाट पर रविवार को एक बड़ा नाव हादसा टल गया। क्षमता से अधिक करीब 35 से 40 यात्रियों को लेकर नदी पार कर रही एक नाव बीच धारा में अचानक असंतुलित होकर पलट गई। नाव पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे के तुरंत बाद घाट पर मौजूद स्थानीय युवकों और ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी। कई लोग तैरकर किनारे पहुंचे, जबकि तैरना न जानने वाले यात्रियों को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि स्थानीय लोगों की तत्परता और सूझबूझ के कारण इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। खड़का घाट बागमती नदी के दोनों किनारों के गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। पुल नहीं होने की वजह से बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, छात्र और व्यापारी प्रतिदिन नाव से आवागमन करते हैं। पर्याप्त संख्या में बड़ी और सुरक्षित नावें उपलब्ध न होने के कारण नाविक अधिक कमाई के चक्कर में अक्सर ओवरलोडिंग करते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खड़का घाट पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है। इसके बावजूद नावों पर न तो यात्रियों की संख्या की नियमित निगरानी होती है और न ही कोई सुरक्षा उपकरण रहते हैं। समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

इस हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि खड़का घाट पर बड़ी क्षमता वाली सुरक्षित नावें चलाई जाएं। साथ ही, ओवरलोडिंग करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई हो।

770 में 14 विद्यालयों ने अपलोड किया डाटा 756 विद्यालयों का ब्योरा अब भी लंबित है

लखनऊ, एजेंसी। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 के परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की तैयारी शुरुआती दौर में ही लापरवाही की भेंट चढ़ती दिख रही है। जिले के 770 विद्यालयों में से केवल 14 विद्यालयों की आधारभूत सूचनाएं ही माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड हो सकी हैं, जबकि 756 विद्यालयों का ब्योरा अब भी लंबित है। इस गंभीर स्थिति पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) देवेंद्र कुमार पांडेय ने सख्ती दिखाते हुए 16 नोडल प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ये सभी नोडल प्रभारी समीक्षा बैठक से भी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा केंद्रों का समयबद्ध निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं और भौतिक संसाधनों का विवरण यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कराया जाना है। इसके लिए जीआईसी जुबली, जीआईसी यूपी सैनिक सहित विभिन्न राजकीय हाईस्कूलों के प्रधानाचार्यों और उप-प्रधानाचार्यों को नोडल प्रभारी बनाया गया है। इनके जिम्मे संबंधित विद्यालयों की सूचनाएं पोर्टल पर अपलोड कराने की जिम्मेदारी है।

दो फीसदी विद्यालयों का भी नहीं चढ़ा पूरा ब्योरा : जिले के कुल 770 विद्यालयों के मुकाबले अब तक सिर्फ 14 विद्यालयों ने ही अपनी आधारभूत सूचनाएं पोर्टल पर अपलोड की हैं। शेष 756 विद्यालयों का डेटा लंबित होने से परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है।

कल फिर होगी समीक्षा डीआईओएस ने सभी नोडल प्रभारियों को 20 जुलाई तक हर हाल में संबंधित विद्यालयों की सूचनाएं पोर्टल पर अपलोड कराने के निर्देश दिए हैं। प्रगति की समीक्षा के लिए 20 जुलाई को सुबह 11 बजे बैठक बुलाई गई है।

इन नोडल प्रभारियों को नोटिस : उप प्रधानाचार्य विनोद कुमार, ज्योति पुष्प तथा प्रधानाचार्य सुमित श्रीवास्तव, अभिषेक राजभर, विजय श्री, कुसुम वर्मा, किरण यादव, प्रिया जैन, इंद्रेश मिश्रा, ऊषारानी, रेखा सिंह, अनिल कुमार शर्मा, दीप्ति पाण्डेय, अखिलेश सिंह, डॉ. पूनम और पूनम शाही को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

डीजल गाड़ियों की बढ़ी मांग, दो महीने तक की वेटिंग, 30 प्रतिशत तक बढ़ गई डिमांड

लखनऊ, एजेंसी। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में एक महीने से डीजल गाड़ियों की मांग अचानक बढ़ गई है। एक गाड़ी पर दो महीने तक की वेटिंग चल रही है। कारोबारी बताते हैं कि एक महीने पहले तक 15 से 25 दिन की वेटिंग चल रही थी। यह हाल तब है, जब पेट्रोल गाड़ियों के मुकाबले डीजल गाड़ियां सवा से डेढ़ लाख रुपये तक महंगी होती हैं। इसके बावजूद इनकी मांग में वृद्धि हुई है।

पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण और उससे गाड़ियों के एवरेज पर पड़ रहे असर की खबरों से भी लोगों का रुझान डीजल गाड़ियों की ओर बढ़ा है। डीजल भी पेट्रोल के मुकाबले थोड़ा सस्ता रहता है। कारोबारी बताते हैं कि साधारण तौर पर डीजल गाड़ियों का निर्माण कम होता है। कंपनियां मांग के मुताबिक गाड़ियां बना नहीं पातीं। इससे उनके पास पर्याप्त भंडार नहीं रह पा रहा है।

डीजल मॉडलों पर लंबी वेटिंग

हजरतगंज स्थित ह्युंडई शोरूम के महाप्रबंधक रिजवान अंसारी ने बताया कि नई गाड़ियां ई-20 पेट्रोल के हिसाब से आ रही हैं। वे भी बिक रही हैं, लेकिन डीजल गाड़ियों की मांग अधिक है। शोरूम ऑर्डर लगा रहे हैं, पर उसके मुकाबले गाड़ियां नहीं मिल पा रही हैं। क्रेटा और वेन्यु जैसे डीजल सेगमेंट के मॉडल पर दो-दो महीने तक की प्रतीक्षा चल रही है।

टाटा के सेल्स हेड प्रिंस कालरा बताते हैं कि पेट्रोल के मुकाबले डीजल गाड़ियों की मांग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। सबसे ज्यादा सियेरा की मांग है, जिस पर डेढ़ महीने की वेटिंग है। नेक्सॉन और अल्ट्रोज की डिमांड भी बढ़ी है।

तीन महीने से ज्यादा है वेटिंग

एमजी मोटर्स के लखनऊ बिजनेस हेड आरिफ खान बताते हैं कि डीजल गाड़ी मैजेस्टर पर तीन महीने की वेटिंग चल रही है। हर महीने 10-15 गाड़ियों की बिक्री है, लेकिन डिलीवरी नहीं मिल रही।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का केस, सीसीटीवी फुटेज पेश करने वाले सिपाही की गवाही, बचाव पक्ष की जिरह जारी

वाराणसी, एजेंसी। आईआईटी बीएचयू की छात्रा से वर्ष 2023 में हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले की सुनवाई शनिवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) के न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान सीटी कमांड सेंटर के सिपाही अनिल प्रजापति, जिन्होंने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराए थे, का बयान दर्ज किया गया। इसके बाद बचाव पक्ष की ओर से उनकी जिरह शुरू हुई, जो पूरी नहीं हो सकी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख तय की है।

अभियोजन की ओर से एडीजीसी मनोज गुप्ता ने गवाह का मुख्य परीक्षण कराया। इसके बाद आरोपी कुणाल पांडेय और सक्षम पटेल की ओर से अधिवक्ता ने जिरह की। अन्य आरोपियों की ओर से उनके अधिवक्ता भी अदालत में मौजूद रहे।

अभियोजन ने पिछली सुनवाई में प्रार्थना पत्र देकर कुछ अतिरिक्त गवाहों को तलब किए जाने की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। आवेदन में कहा गया कि विवेचना के दौरान बीएचयू प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज के संबंध में भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी का प्रमाणपत्र केस डायरी का हिस्सा बनाया गया है। हालांकि, यह प्रमाणपत्र जारी करने वाले साक्षी का नाम आरोपपत्र में शामिल नहीं किया गया था।

इसके अलावा, आरोपियों के कब्जे से बरामद मोबाइल फोन से संबंधित आईपीडीआर, सीडीआर, सीएएफ और जीपीआरएस की प्रमाणित प्रतियां भी विवेचना में प्राप्त हुई हैं। इन दस्तावेजों के साथ जारी प्रमाणपत्र भारती एयरटेल लिमिटेड, गोमतीनगर (लखनऊ) के नोडल अधिकारी कौशलेन्द्र त्रिपाठी ने उपलब्ध कराया है। अभियोजन ने उन्हें भी गवाही के लिए तलब किए जाने की आवश्यकता बताई।

अभियोजन के अनुसार, दो नवंबर 2023 की रात बीएचयू परिसर में आईआईटी की एक छात्रा के साथ बाइक सवार तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता की तहरीर पर लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। विवेचना के दौरान कुणाल पांडेय, आनंद चौहान उर्फ अभिषेक और सक्षम पटेल के नाम सामने आने पर उन्हें आरोपी बनाया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने घटना की रात के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने वाले सिपाही अनिल प्रजापति को गवाही के लिए तलब किया था। अदालत में दर्ज उनके बयान के संबंध में यह भी उल्लेख किया गया कि गवाह ने अभियोजन के कथानक का पूर्ण समर्थन नहीं किया। मामले की अगली सुनवाई अब 25 जुलाई को होगी।

पीजी प्रवेश के लिए सत्यापन 20 से

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक सत्र 2024-25 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया तेज कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कई प्रमुख विषयों के लिए दस्तावेज़ सत्यापन की तिथियां घोषित की हैं। यह प्रक्रिया 20 जुलाई से शुरू होगी। आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं को अब संबंधित विभागों में जाकर अपनी पात्रता की जांच करानी होगी। प्रवेश समन्वयक के अनुसार, यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑफलाइन होगी। अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल अंकपत्र, प्रमाण पत्र और इनकी एक-एक प्रतिलिपि साथ लानी होगी। 20 जुलाई को संस्कृत, बायोस्टैटिस्टिक्स, एनवायरनमेंटल साइंस, अरबी, अरब कल्चर और लिंग्विस्टिक्स के अभ्यर्थियों को ओल्ड कैंपस में रिपोर्ट करना है। मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स के लिए 16 से 20 जुलाई के बीच ओएनजीसी भवन में सत्यापन होगा। डिफेंस स्टडीज के लिए 21 जुलाई को अटल ब्लॉक पहुंचना होगा। कंप्यूटर साइंस विभाग में 21 और 22 जुलाई को एआई एंड मशीन लर्निंग, डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी एंड साइबर फॉरेंसिक्स का सत्यापन होगा। रिन्यूएबल एनर्जी के लिए 17 से 20 जुलाई के बीच न्यू कैंपस में रिपोर्ट करना है।

भागलपुर का रामासी गांव बना देश का पहला 'सिंदूर ग्राम', कृषि विश्वविद्यालय सबौर ने लिया गोद

भागलपुर, एजेंसी। बिहार का बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर ने भागलपुर जिले के रामासी गांव को भारत का पहला 'सिंदूर ग्राम' घोषित करते हुए इसे गोद लिया है। विश्वविद्यालय ने इस पहल को ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

रामासी गांव बना देश का पहला 'सिंदूर ग्राम': कार्यक्रम का नेतृत्व कुलपति डॉ। डीआर सिंह ने किया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों, महिला किसानों और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एक एकड़ भूमि में सात से आठ माह आयु के 250 सीता सिंदूर पौधों का रोपण किया गया।

सिंदूर बढ़ाएगा ग्रामीण महिलाओं की आय: इस मौके पर 100 महिला किसानों के बीच सिंदूर के पौधों का वितरण किया गया। किसानों को हॉर्टिकल्चर टूल किट, पावर नैपसैक स्प्रेयर और स्वीपिंग मशीन भी उपलब्ध कराई गई, ताकि उनकी आजीविका को मजबूत किया जा सके।

कृषि विश्वविद्यालय सबौर ने लिया गोद: मुख्य अतिथि सन्हौला के विधायक सुभानंद मुकेश और रामासी पंचायत की मुखिया शोभा देवी ने इस पहल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ। रवि केशरी ने सीता सिंदूर के धार्मिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए की। उन्होंने कहा कि सिंदूर केवल सुहाग का प्रतीक नहीं, बल्कि प्राकृतिक रंग और अन्य औद्योगिक उत्पादों के रूप में भी इसकी बड़ी उपयोगिता है।

गांव की पहचान सिंदूर ग्राम: कुलपति डॉ। डीआर सिंह ने कहा कि अब रामासी गांव की पहचान 'सिंदूर ग्राम' के रूप में होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ। वी। शाजीदा बानो के तीन वर्षों के प्रयासों से सीता सिंदूर की तकनीक को प्रयोगशाला से किसानों के खेतों तक पहुंचाया गया है।

डिजिटल पोर्टल के माध्यम से बाजार: उन्होंने आगे बताया कि विश्वविद्यालय किसानों को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराएगा और गांव में सिंदूर प्रसंस्करण इकाई स्थापित कर बीज से शुद्ध सिंदूर पाउडर तैयार करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी।

बिक्सा ओरियाना (अन्नाटो) पौधे पर शोध: बिहार कृषि विश्वविद्यालय के अनुसार, बिक्सा ओरियाना (अन्नाटो) पौधे में मौजूद बिक्सिन नामक प्राकृतिक रंगद्रव्य को उन्नत निष्कर्षण, स्थिरीकरण और वैज्ञानिक सूत्रीकरण के माध्यम से इस तरह तैयार किया गया है, जिससे सिंदूर का रंग अधिक आकर्षक, टिकाऊ और लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा। खास बात यह है कि यह प्राकृतिक सिंदूर पूरी तरह विषैले रसायनों से मुक्त है। इसमें लेड और मरकरी जैसी भारी धातुएं नहीं हैं, जो कृत्रिम सिंदूर में अक्सर पाई जाती हैं। ऐसे में यह महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित विकल्प होगा।

बिहार सरकार ने दिया 10 लाख का अनुदान: बिहार का बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर के इस नवाचार को व्यवसायिक रूप देने की जिम्मेदारी कटिहार की उद्यमी रीना सिंह ने स्टार्टअप के रूप में संभाली है। इसमें बिहार सरकार ने प्राकृतिक सिंदूर के व्यवसायिक उत्पादन के लिए स्टार्टअप को 10 लाख रुपये का अनुदान मंजूर किया है। अब उत्पादन इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके साथ ही सिंदूर के पौधों की संगठित खेती का भी विस्तार किया जाएगा।

रामासी में सिंदूर नर्सरी: कुलपति ने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि रामासी में सिंदूर नर्सरी, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन और कुक्कुट पालन जैसी एकीकृत गतिविधियां शुरू की जाएंगी। इसके अलावा जर्दालू गांव और कमलम गांव जैसी थीम आधारित ग्राम विकास योजनाओं पर भी काम होगा।

पहला 'सिंदूर पार्क' विकसित करने की योजना: साथ ही, उन्होंने दानापुर कैंटोनमेंट क्षेत्र में विश्व का पहला 'सिंदूर पार्क' विकसित करने की योजना की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, महिला किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

तमिलनाडु गैस रिसाव मामला
एनजीटी ने सीपीसीबी व अन्य को जारी किया नोटिस

नयी दिल्ली, 19 जुलाई (भा)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने तमिलनाडु में एक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई में 21 जून को अमोनिया गैस रिसाव के मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। इस हादसे में दो प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गयी थी, जबकि 60 से अधिक अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। एनजीटी ने गैस रिसाव से संबंधित एक समाचार का स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की थी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने दो जुलाई के आदेश में कहा कि यह मामला तमिलनाडु में 21 जून को एक समुद्री खाद्य इकाई में हुई दो श्रमिकों की मौत से संबंधित है। तिरुवल्लूर जिले की झींगा प्रसंस्करण इकाई में अमोनिया गैस रिसाव के बाद ओडिशा के दो प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गयी थी और 60 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आदेश की प्रति हाल में उपलब्ध हो पायी। पीठ ने कहा कि प्रथम ष्टया यह मामला वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के उल्लंघन की ओर इशारा करता है। इसके अलावा यह पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन को लेकर महत्वपूर्ण सवाल भी उठाता है। एनजीटी ने कहा कि अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर खामियां सामने आयी हैं। पीठ ने कहा

कि समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई के खिलाफ औद्योगिक सुरक्षा मानकों समेत कई उल्लंघन पाये गये हैं। वहां उचित अलार्म प्रणाली, अग्निशमन रोधी प्रणाली या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना से संबंधित फॉर्म-12 रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं पाया गया। एनजीटी ने सीपीसीबी के सदस्य सचिव, तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) के सदस्य सचिव, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय और तिरुवल्लूर के जिलाधिकारी को मामले में पक्षकार/प्रतिवादी बनाया है। एनजीटी ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पहले अधिकरण की दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ (चेन्नई) के समक्ष हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। क्षेत्राधिकार से जुड़े कारणों का हवाला देते हुए एनजीटी ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए चेन्नई स्थित अपनी दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ को स्थानांतरित कर दिया है। मामले की सुनवाई 31 अगस्त को दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ के समक्ष निर्धारित की गयी है।

चंडीगढ़ : नियोक्ता के घर में घरेलू सहायिका पायी गयी मृत

चंडीगढ़, 19 जुलाई (भा)। चंडीगढ़ में एक व्यक्ति के घर में काम करने वाली 19 वर्षीय घरेलू सहायिका मृत पाई गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच संदिग्ध आत्महत्या का मामला मानकर की जा रही है। उत्तर प्रदेश निवासी लड़की के परिवार ने संवाददाताओं को बताया कि उसने एक सप्ताह पहले ही नियोक्ता के घर में काम करना शुरू किया था और वह वहीं एक कमरे में रहती थी। पुलिस के अनुसार कल लड़की का शव कथित तौर पर छत के हुक के सहारे लगाये गये फंदे से लटका पाया गया था, जिसके बाद घर के मालिक ने पुलिस को सूचना दी। लड़की के भाई अमित ने अनहोनी की आशंका जताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की और कहा कि उसे विश्वास नहीं है कि उसकी बहन ऐसा कदम उठा सकती थी। अमित ने दावा किया कि परिवार के सदस्यों के मौके पर पहुंचने से पहले ही शव को सेक्टर-16 स्थित सरकारी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया था। सेक्टर-3 थाने के अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि जांच के अनुसार युवती ने आत्महत्या की है।

केरल के स्वास्थ्य मंत्री का एलान
अस्पतालों के अंदर नहीं दी जाएगी राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति

पथानमथिट्टा (केरल), 19 जुलाई (भा)। केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने आज सरकारी अस्पतालों के भीतर राजनीतिक संगठनों द्वारा मुफ्त भोजन वितरण के खिलाफ अपना रुख और सख्त करते हुए कहा कि अस्पताल परिसरों में किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार की नीति यह सुनिश्चित करने की है कि मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए मुफ्त भोजन केवल सरकारी अस्पतालों में स्थापित की जाने वाली सामुदायिक रसोई के माध्यम से ही वितरित किया जाए। मुरलीधरन ने यहां पत्रकारों से कहा कि अस्पतालों के भीतर अधिकार क्षेत्र स्वास्थ्य विभाग का है, किसी भी राजनीतिक संगठन का नहीं। यदि वे भोजन वितरित करना चाहते हैं तो अस्पताल परिसर के बाहर कर सकते हैं, लेकिन अस्पताल के अंदर इसकी जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने कहा कि यूडीएफ सरकार किसी भी राजनीतिक दल या संगठन को किसी भी परिस्थिति में अस्पताल परिसर के भीतर गतिविधियां

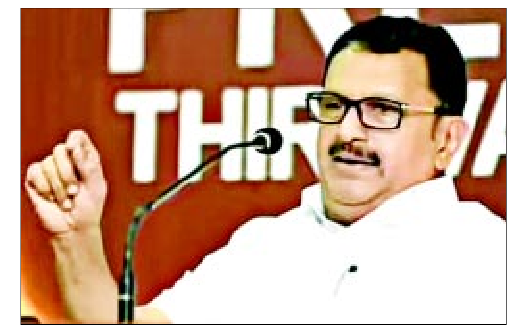

संचालित करने की अनुमति नहीं देगी। मंत्री ने कहा कि पार्टी के बैनर या झंडे लगाकर भोजन का वितरण नहीं होना चाहिए। यह गलत है और सरकार इसकी अनुमति नहीं देगी। यदि संगठन सहायता करना चाहते हैं, तो वे सामुदायिक रसोई में योगदान दे सकते हैं। मुरलीधरन ने बताया कि सामुदायिक रसोई योजना की शुरुआत पहले अलप्पुझा में की जाएगी और उसके बाद स्वयंसेवी संगठनों से विचार-विमर्श के पश्चात इसे राज्य के अन्य सरकारी अस्पतालों तक विस्तारित किया जाएगा। कल मुरलीधरन ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार मरीजों और उनके साथ आने वाले तीमारदारों के लिए मुफ्त भोजन वितरण की व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में सामुदायिक रसोई स्थापित करेगी। इस बीच विपक्षी दलों माकपा और भाजपा ने मंत्री की टिप्पणियों की आलोचना की। माकपा के विधायक पीए मोहम्मद रियास ने मंत्री से आग्रह किया कि वे इस मुद्दे पर अपना अहंकार छोड़ें और आम सहमति बनाने के लिए डीवाईएफआई समेत युवा संगठनों के साथ बातचीत करें।

तेलंगाना के सीएम ने कांग्रेस नेताओं को लोगों से संपर्क साधने का दिया निर्देश

हैदराबाद, 19 जुलाई (भा)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को प्रभारी मंत्रियों को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की निगरानी करने का निर्देश दिया और कांग्रेस नेताओं को इस प्रक्रिया के दौरान शिथिल रहने के खिलाफ चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने एसआईआर के मुद्दे पर हुई एक बैठक में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश गौड़, पार्टी की प्रदेश इकाई मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, कांग्रेस सचिव सचिन सावंत, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों और एसआईआर समन्वयकों ने हिस्सा लिया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में रेड्डी ने पार्टी नेताओं को निर्देश दिया कि वे एसआईआर प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख, यानी तीन अगस्त तक गांधी भवन न जाएं। जिलों में पार्टी नेताओं की सक्रिय भागीदारी न होने पर नाराजगी जताते हुए रेड्डी ने कहा कि जो नेता एसआईआर प्रक्रिया के दौरान शिथिल रहेंगे, उनके नाम पर निगम में अध्यक्ष पद या अन्य पदों के लिए विचार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में सांसदों को प्रभारी नियुक्त किया गया है, वहां अपनी जिम्मेदारियां निभाने में नाकाम रहने वाले सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चूंकि एसआईआर की समय-सीमा 3 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है, इसलिए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अतिरिक्त समय का इस्तेमाल लोगों से संपर्क साधने मौके के तौर पर किया जाना चाहिए।

पुंछ-राजौरी में बाढ़ के मद्देनजर भाजपा का विरोध-प्रदर्शन स्थगित

श्रीनगर, 19 जुलाई (भा)। जम्मू-कश्मीर में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पुंछ और राजौरी जिलों में अचानक आई बाढ़ से जानमाल के भारी नुकसान को देखते हुए 20 जुलाई को प्रस्तावित अपना विरोध-प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने आज कहा कि पार्टी ने कल प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन को टालने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि लाल चौक के घंटाघर से सिविल सचिवालय तक प्रस्तावित इस प्रदर्शन को इसलिए स्थगित किया गया है, क्योंकि मौजूदा स्थिति राजनीतिक गतिविधियों के बजाय मानवीय सहायता की मांग करती है। शर्मा ने कहा कि यह राजनीतिक टकराव का समय नहीं है।

स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय में पारदर्शिता के लिए लोकपाल नियुक्त

शाहजहांपुर, 19 जुलाई (भा)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में नवनिर्मित स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होने के साथ ही पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लोकपाल की नियुक्ति की गयी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी घोषणा की है कि प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को दुर्घटना बीमा के साथ स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पुष्पेंद्र बहादुर सिंह ने आज बताया कि जिले के 46 से अधिक महाविद्यालयों को स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कामकाज में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शुरुआती चरण में ही लोकपाल की नियुक्ति की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर एके सरकार को विश्वविद्यालय का लोकपाल नियुक्त किया गया है। वह विश्वविद्यालय के साथ-साथ इससे संबद्ध सभी महाविद्यालयों में शिक्षण कार्य, शुल्क और अन्य संबंधित मामलों से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण करेंगे। कुलपति ने दावा किया कि प्रदेश के कुछ विश्वविद्यालयों को छोड़कर अधिकांश विश्वविद्यालयों में अभी लोकपाल की नियुक्ति नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति भी लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में होंगे और कुलपति के खिलाफ शिकायत मिलने पर लोकपाल उसकी जांच कर सकेंगे। सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध महाविद्यालयों में शुल्क, प्रवेश, शिक्षण कार्य या अन्य किसी विषय से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई लोकपाल करेंगे। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्वामी शुकदेवानंद

छात्रों को मिलेगा बीमा कवर

महाविद्यालय को गत आठ मई को विश्वविद्यालय का दर्जा मिला था। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में कुलपति के अलावा रजिस्ट्रार और वित्त अधिकारी की नियुक्ति हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मुमुक्षु आश्रम परिसर में संचालित दो इंटर कॉलेज, एक संस्कृत कॉलेज, महाविद्यालय और लॉ कॉलेज को मिलाकर विश्वविद्यालय का गठन किया गया है। कुलपति ने बताया कि प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में इस विश्वविद्यालय में शैक्षिक पाठ्यक्रमों की फीस करीब 40 प्रतिशत और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की फीस करीब 20 प्रतिशत कम रखी गयी है, ताकि गरीब परिवारों के विद्यार्थी भी आसानी से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रवेश के समय सभी छात्र-छात्राओं को बीमा कवर दिया जाएगा, जिसमें चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता का प्रावधान होगा। उन्होंने कहा कि आमतौर पर अन्य विश्वविद्यालयों में अनहोनी की स्थिति में ही बीमा कंपनियों की ओर से सहायता राशि दी जाती है। सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना से जिले के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, प्रबंधन और विदेशी भाषाओं की शिक्षा के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कृषि और स्वास्थ्य विज्ञान सहित आठ परास्नातक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अलावा जिले में उपलब्ध नहीं होने वाले विदेशी भाषा पाठ्यक्रम भी जल्द शुरू किये जाएंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन आसपास के दो गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेगा। इसके तहत विद्यालय समय के बाद विश्वविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी बच्चों को शिक्षा प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रकोष्ठ प्रमुख डॉ. विकास खुराना ने कहा कि शाहजहांपुर में इस विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ जिले के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को भी नयी दिशा मिलेगी।

पृष्ठ 1 का शेष

पेरू में भूकंप...

क्षति पहुंची। स्थानीय मीडिया द्वारा प्रसारित तस्वीरों में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक चोंगो बाजो में लोग परेशान नजर आये। बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए घरों के बाहर कंबलों में लिपटे लोग खुले आसमान के नीचे बैठे नजर आये। मलबे के नीचे कई पशु भी दबे हुए दिखायी दिये। गौरतलब है कि 2007 में पेरू के इका क्षेत्र के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें करीब 600 लोगों की मौत हो गयी थी।

तंजानिया के तेल...

डाकुओं ने जहाज का अपहरण किया। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि टैंकर पर चालक दल के कितने सदस्य सवार थे या इस घटना में कोई घायल हुआ है या नहीं। चालक दल के सदस्यों की राष्ट्रीयता के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी। अधिकारियों ने जहाज के कथित अपहरण की घटना पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है और न ही जहाज के मालिक या उसके प्रबंधक की ओर से तत्काल कोई बयान जारी किया गया।

संसद का मानसून...

2026, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश करेगी। आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य पहले जारी अध्यादेश का स्थान लेना है। इसे भारत के सॉवरेन डेट मार्केट को मजबूत करने, वैश्विक पूंजी निवेश आकर्षित करने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बीच बाजार में तरलता बढ़ाने के लिए पेश किया जा रहा है। पिछले महीने सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपये पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने हेतु अध्यादेश जारी किया था। इसके तहत विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों से मिलने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी गयी थी। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 के जरिए भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे में मदद करना है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और भरोसे पर आधारित नियामकीय व्यवस्था को बढ़ावा देना, भुगतान में देरी से जुड़े मामलों के समाधान की व्यवस्था को मजबूत करना तथा राज्यों को अधिक अधिकार देना है। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत 1969 के मूल कानून (जिसमें 2023 में भी संशोधन किया गया था) की धारा 13(3) में बदलाव कर जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण से जुड़े नियमों को अधिक सख्त और सुव्यवस्थित बनाया जाएगा। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य 1971 के कानून में संशोधन कर राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान या राष्ट्रीय सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले कृत्यों के खिलाफ अधिक कड़ी कार्रवाई का प्रावधान करना है। इसके अलावा सरकार संसद में पहले से लंबित दो विधेयकों पर भी चर्चा आगे बढ़ाएगी। इनमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, जिसे 25 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश किया गया था, तथा विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025, जिसे 15 दिसंबर 2025 को पेश करने के बाद आगे विचार के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया था, शामिल हैं। विधायी कार्यों के अलावा सरकार वर्ष 2022-23 के अनुपूरक अनुदानों की मांग भी संसद में चर्चा और मतदान के लिए पेश करेगी। 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है। सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्षी दलों के नेता संयुक्त रणनीति तय करने के लिए बैठक करेंगे।

विपक्ष ने की...

सरकार की ओर से कोई भी नैतिक जिम्मेदारी नहीं ले रहा है। गोगोई ने कहा कि विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दे उठा रहा है, जबकि सरकार उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चाहे एथेनॉल का मुद्दा हो, छात्रों के मुद्दे हों, सदन की चोरी हो, मणिपुर का मुद्दा हो या मंदिर में चोरी का मामला, अगर सरकार इन मुद्दों से भागती है, तो उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

ईरान का अमेरिकी...

सेना द्वारा जारी फुटेज में लड़ाकू विमानों और समुद्र से दागी गयी टॉमहॉक क्रूज मिसाइल से किये गये हमले दिखायी दिये। एक लक्ष्य पहाड़ी क्षेत्र की घाटी में स्थित प्रतीत हुआ। रिवोल्यूशनरी गार्ड अक्सर पहाड़ी इलाकों में मिसाइल अड्डे और सैन्य उपकरण छिपाकर रखता है। अमेरिकी सेना ने कल बताया कि जॉर्डन में एक सैन्य अड्डे पर ईरानी हमले में दो अमेरिकी सैनिक मारे गये, एक लापता है और चार अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 16 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है और 430 से अधिक घायल हुए हैं। ईरानी अधिकारियों ने आज कहा कि हालिया अमेरिकी हमलों में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई है और 517 लोग घायल हुए हैं। ईरान ने अमेरिकी अभियान में अपने सैन्य नुकसान की कुल जानकारी साझा नहीं की है। यह अभियान अब आठवें दिन में प्रवेश कर चुका है और दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर आमने-सामने हैं। यह वही संकरा समुद्री मार्ग है, जिससे सामान्य समय में दुनिया के कुल तेल और प्राकृतिक गैस व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी के हवाले से बताया कि आज सुबह हुए अमेरिकी हमलों में दक्षिण-पश्चिम ईरान में प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण स्थल को निशाना बनाया गया। प्लैनेट लैब्स पीबीसी की उपग्रह तस्वीरों के अनुसार डार्खोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र के प्रस्तावित स्थल पर नौ जुलाई तक केवल जमीन साफ करने का काम हुआ था और बहुत कम निर्माण हुआ था। इस स्थल पर किसी रेडियोधर्मी सामग्री की मौजूदगी की जानकारी नहीं है। अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगी देशों ने आज अपनी वायु रक्षा प्रणालियां सक्रिय कर दीं या ईरानी हमलों की सूचना दी। जॉर्डन की सेना ने बाद में कहा कि उसने कई ईरानी मिसाइल मार गिरायीं। जॉर्डन में अमेरिका के प्रमुख सैन्य अड्डे हैं और वह अमेरिकी वायु रक्षा प्रणालियों पर निर्भर है। जॉर्डन की सेना के अनुसार इन मिसाइल से जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इससे युद्ध के इस्राइल तक फैलने का खतरा पैदा हो गया। इजराइली सेना ने कहा कि जॉर्डन के सीमावर्ती बंदरगाह शहर अकाबा की ओर दागी गयी ईरानी मिसाइल उसके क्षेत्र में पहुंच सकती हैं। सेना ने लोगों को कई हफ्तों बाद पहली बार हवाई हमले के सायरन सुनाई देने के लिए तैयार रहने को कहा। हालिया संघर्ष में ईरान ने इस्राइल के बजाय अमेरिका के सहयोगी अरब देशों को अधिक निशाना बनाया है। इससे पहले 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने मिलकर युद्ध अभियान शुरू किया था। कुवैत ने आज कहा कि उसके एक बिजली और समुद्री जल को मीठा बनाने के संयंत्र पर दो दिनों में दूसरी बार हमला हुआ, जिससे आग लग गयी। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि बिजली ग्रिड स्थिर है। यह हमला लाखों लोगों के लिए जरूरी नागरिक बुनियादी ढांचे के प्रभावित होने का नवीनतम उदाहरण है। कुवैत में लगभग 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री जल को मीठा बनाने के संयंत्रों से आता है। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) महासचिव जसिम मोहम्मद अल-बुदैवी ने बुनियादी ढांचे और नागरिक प्रतिष्ठानों पर हमलों के लिए ईरान पर युद्ध अपराध का आरोप लगाया। अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत पुलों और बिजली संयंत्रों जैसे नागरिक ढांचों को आमतौर पर हमलों से सुरक्षा प्राप्त होती है, हालांकि सैन्य इस्तेमाल होने पर यह सुरक्षा समाप्त हो सकती है।

कीव प हुए...

जेलेंस्की ने कहा कि अधिकांश मिसाइलों का निशाना राजधानी कीव थी। यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार हमलों के कारण कीव के पांच जिलों में आग लग गयी, जिससे कई रिहायशी इमारतों, कार्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, एक छात्रावास और वाहनों को नुकसान पहुंचा। स्वियातोशिन्स्की जिले में बचावकर्मियों ने जलते हुए एक निजी मकान से चार लोगों को सुरक्षित निकाला। वहीं शेवचेंकिव्स्की जिले में तीन मंजिला जलती हुई इमारत से लोगों को बचाया गया। एक गैर-आवासीय इमारत में लगी आग पर भी काबू पा लिया गया, बाद में वहां से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। दमकल कर्मियों ने सोलोमियांस्की, देस्नियांस्की और निप्रो जिलों में लगी आग पर भी काबू पाने का प्रयास किया। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया गया था। मंत्रालय के अनुसार हमले में फ्लेमिंगो ड्रोन और नेप्च्यून मिसाइलों के पुर्जे बनाने वाले संयंत्रों के अलावा एक पोस्टल टर्मिनल को भी निशाना बनाया गया, जहां कथित तौर पर दोहरे उपयोग वाले सामान, ड्रोन, रोबोटिक प्रणालियां और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण रखे और तैयार किये जाते थे। हाल के हफ्तों में रूस ने कीव पर कई बड़े हमले किये हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन पैट्रियॉट हवाई रक्षा मिसाइलों की कमी से जूझ रहा है। ये मिसाइलें रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए यूक्रेन की सबसे प्रभावी प्रणालियों में से एक हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन को पैट्रियॉट इंटरसेप्टर मिसाइलों के उत्पादन के लिए लाइसेंस देने को तैयार हैं। इससे रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के खिलाफ कीव की रक्षा क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि इस फैसले को लागू करने की समयसीमा और अन्य विवरण अभी स्पष्ट नहीं हैं।

गाली-गलौज, अभद्र भाषा...

इस्तेमाल से किसी सार्वजनिक स्थान पर मौजूद अन्य लोगों को असुविधा या आपत्ति हुई, जबकि यह इस धारा के तहत अपराध साबित करने के लिए आवश्यक शर्त है। शिकायतकर्ता को भी इससे ऐसी कोई परेशानी होने का आरोप नहीं है। इसलिए इन परिस्थितियों में भारतीय दंड संहिता की धारा 294(ख) के तहत अपराध नहीं बनता। यह मामला अगस्त 2017 में तमिलनाडु में कृषि भूमि विवाद से संबंधित है, जिसमें याचिकाकर्ता और उसके रिश्तेदार के बीच विवाद हुआ था। दो दिन बाद याचिकाकर्ता का कथित तौर पर शिकायतकर्ता के एक अन्य रिश्तेदार के साथ उसी संपत्ति के मुद्दे पर एक और विवाद हुआ। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि जब शिकायतकर्ता ने बीच-बचाव किया, तो याचिकाकर्ता ने उसे भद्दी गालियां दीं और जातिसूचक अपशब्द कहे। निचली अदालत ने याचिकाकर्ता को भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धाराओं 294(बी) (अश्लीलता), 326 (गंभीर चोट) और 506(2) (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया। मद्रास उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को एससी/एसटी अधिनियम के तहत लगे आरोपों से बरी कर दिया, लेकिन भादंसं के तहत उसकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा।

गुवाहाटी समेत...

डिब्रुगढ़, चराईदेव, कार्बी आंगलांग, पश्चिम कार्बी आंगलांग, डिमा हसाओ, कछार, श्रीभूमि और हैलाकांदी सहित कुल 27 जिलों में आज गरज-चमक के साथ भारी वज्रपात की आशंका जतायी है। इन जिलों के लोगों को खराब मौसम के दौरान घरों में रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी गयी है। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार इन चिन्हित जिलों में से दक्षिण सालमारा मानकाचर, धुबड़ी, कोकराझाड़, बंगाईगांव, ग्वालपाड़ा, बरपेटा, कामरूप (महानगर), मोरीगांव, नगांव, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रुगढ़, चराईदेव, कार्बी आंगलांग, पश्चिम कार्बी आंगलांग, डिमा हसाओ, श्रीभूमि और हैलाकांदी में मूसलाधार बारिश का दौर लगातार जारी रह सकता है। लगातार हो रही इस बारिश से नदियों के जलस्तर में और बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाये हुए है।

सीएम ने सेना...

के निर्देश दिये हैं। ये सभी नेता वहां राहत कार्यों की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि हर प्रभावित परिवार तक समय पर मदद पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की सुरक्षा और भलाई उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे खुद 24 घंटे स्थिति पर पैनी नजर रख रहे हैं और लोगों की जान बचाने व उन्हें हर संभव राहत सामग्री पहुंचाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं।

कार्बी आंगलांग में...

प्रभावशाली संग्रह सामने आया है। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों का मानना है कि इनमें से अधिकांश वस्तुएं 10वीं से 12वीं शताब्दी के बीच की हैं। हालांकि स्थानीय परंपराएं इन्हें महाभारत काल और पौराणिक अश्वमेध यज्ञ से जोड़ती हैं। सैकिया ने कहा कि स्थानीय लोग इन्हें महाभारत काल का मानते हैं, लेकिन ऐतिहासिक ष्टि से इनके अहोम शासनकाल के समय के होने की संभावना है। हालांकि इस संबंध में स्पष्ट ऐतिहासिक अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने बताया कि सबसे दिलचस्प बात ग्रामीणों का यह दावा है कि इन दोनों तालाबों का जलस्तर मौसम बदलने के बावजूद कभी नहीं घटता-बढ़ता और पूरे वर्ष लगभग एक समान बना रहता है। सैकिया ने कहा कि इनमें से कई अमूल्य पुरावस्तुओं को होजाई पुरातत्व संग्रहालय और डिफू स्थित जिला संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अधिकांश अवशेष जर्जर अवस्था में मिले हैं। हालांकि अब जिला प्रशासन ने इनके संरक्षण और सुरक्षित रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। सैकिया ने कहा कि गांव के अलग-अलग हिस्सों में आज भी अनेक पुरावशेष बिखरे पड़े हैं। हमने देखा है कि इनमें से कुछ प्राचीन अवशेषों का इस्तेमाल स्थानीय लोग अब रोजमर्रा के घरेलू कार्यों में भी करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि ये खोज कोई अकेली घटना नहीं हैं। फुलोनी-डोकमोका-हावराघाट का पूरा इलाका ऐसे अनेक पुरातात्विक स्थलों से समृद्ध है, जो कछारी और दबोक राजवंशों के शासनकाल के दौरान इस क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि करते हैं। विरासत संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों ने इन पुरातात्विक स्थलों का व्यापक दस्तावेजीकरण, वैज्ञानिक संरक्षण और इनके प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने की मांग की है, ताकि असम के इतिहास का यह अनमोल अध्याय आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके। सैकिया ने कहा कि इन पहाड़ियों और गांवों की मिट्टी के नीचे इतिहास की अनगिनत कहानियां, परंपराएं और ऐसे अवशेष छिपे हैं, जिन पर अब तक बहुत कम ध्यान दिया गया है। पिछले माह कार्बी आंगलोंग जिला प्रशासन ने कहा था कि वह इंस्टीट्यूट ऑफ ताई स्टडीज एंड रिसर्च (आईटीएसएआर) के विशेषज्ञों से संपर्क करने पर विचार कर रहा है, ताकि यहां सुरक्षित रखी गयी दो दुर्लभ ताई पांडुलिपियों का रहस्य समझा जा सके। साथ ही इस धरोहर को केंद्र सरकार की ज्ञान भारतम् योजना में शामिल कराने की भी तैयारी की जा रही है।

एक से फिर...

रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान की थी। उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चलायी जा रही निजुत मोइना और निजुत बाबू योजनाओं का लाभ भी 3 अगस्त से फिर से शुरू हो जाएगा। इस पहल के तहत सरकार आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को कॉलेज स्तर की शिक्षा के लिए 10 महीने तक वित्तीय मदद देती है। निजुत बाबू योजना के अंतर्गत स्नातक के छात्रों को 1,000 रुपये और स्नातकोत्तर के छात्रों को 2,000 रुपये प्रति माह दिये जाते हैं। वहीं निजुत मोइना योजना के तहत उच्चतर माध्यमिक की छात्राओं को 1,000 रुपये, स्नातक की छात्राओं को 1,250 रुपये तथा स्नातकोत्तर व बी.एड की छात्राओं को 2,500 रुपये प्रति माह मिलते हैं। इसके अतिरिक्त रोजगार की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए शुरू की गयी मुख्यमंत्री जीवन प्रेरणा योजना भी आगामी सितंबर महीने से दोबारा प्रभावी हो जाएगी। कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग द्वारा संचालित इस योजना के माध्यम से स्नातक उत्तीर्ण उन युवाओं को साल भर के लिए 2,500 रुपये प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है, जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। सरकार के इन फैसलों से राज्य के लाखों परिवारों, छात्रों और युवाओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

दो वर्षों में...

अनुसार राज्यसभा सदस्य 21 विभिन्न मदों के तहत सुविधाओं और भुगतान के पात्र हैं। इनमें मुख्य रूप से वेतन, भत्ते, घरेलू एवं विदेशी यात्रा, चिकित्सा व्यय और कार्यालय खर्च शामिल हैं। अन्य मदों में मुद्रण एवं प्रकाशन, डिजिटल उपकरण, ईंधन एवं स्नेहक, पेशेवर सेवाएं, मरम्मत एवं रखरखाव, सब्सिडी तथा अन्य राजस्व व्यय शामिल हैं।

मप्र मंत्रिमंडल ने...

रहीम, सबके लिए एक जैसा कानून होगा। हालांकि आदिवासी समुदाय को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक सुरक्षा-कवच का सम्मान करते हुए यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 342 और अनुच्छेद 366 (खंड 25) के तहत आने वाली अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने यूसीसी को भारत के संविधान में निहित समानता, बराबरी, न्याय और धर्मनिरपेक्षता की ष्टि को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम करार दिया तथा कहा कि इस संहिता का मुख्य मकसद पर्सनल कानूनों के तहत महिलाओं के साथ होने वाले पुराने भेदभाव को खत्म करना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार देने के साथ-साथ यह संहिता उन धार्मिक रीति-रिवाजों और पारंपरिक प्रथाओं की साफ तौर पर सुरक्षा करता है, जो सार्वजनिक नैतिकता और नीति के अनुरूप हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड, गुजरात और असम में लागू यूसीसी के गहन अध्ययन और उनके मार्गदर्शन से मध्यप्रदेश यूसीसी विधेयक को तैयार किया गया है। बैठक में यूसीसी के अलावा श्रम संहिता, निजी विश्वविद्यालय संशोधन, नागरिक सुरक्षा और व्यवसाय की सुगमता से जुड़े विधेयकों को भी स्वीकृति दी गयी। यादव ने कहा कि यूसीसी सहित उपरोक्त विधेयकों को 20 जुलाई से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए गठित समिति के समक्ष करीब 80 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं ने, जबकि 40 प्रतिशत मुस्लिम पुरुषों ने इस विधेयक का समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से सामाजिक समरसता, महिला सशक्तीकरण और राष्ट्रीय एकता की मजबूती के लिए लाये जा रहे इस विधेयक का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर समर्थन देने का आह्वान किया। यादव ने कहा कि समिति के समक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी और वाम दलों ने अपना पक्ष रखा, लेकिन हर विषय को हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक के नजरिये से देखने वाली कांग्रेस इससे दूर रही। उन्होंने कहा कि यूसीसी सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है और कोई भी व्यक्ति एक समय में केवल एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधेयक के तहत अमान्य सहमति और प्रतिबंधित रिश्तों (जब तक परंपरा की अनुमति न हो) के बीच विवाह पर रोक लगायी गयी है और मौखिक तलाक या अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद विवाह का समापन केवल कानून में बताये गये स्पष्ट और वैधानिक आधारों पर ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि विधेयक में मौजूदा व्यवस्था के विपरीत, अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है, तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के तहत लोगों के लिए शादी और तलाक दोनों का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके तहत तलाक के बाद उसी जीवनसाथी से दोबारा शादी करने के लिए निकाह हलाला जैसी अपमानजनक या नीचा दिखाने वाली शर्तों को मानना, बढ़ावा देना या मजबूर करना एक दंडनीय अपराध माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधेयक के कानून का स्वरूप लेने के बाद विवाहित या अविवाहित माता-पिता के बच्चों, जैविक, गोद लिये गये, सरोगेसी या असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) से पैदा हुए सभी बच्चों को समान कानूनी दर्जा प्राप्त होगा।

अप्रैल-मई में भारत...

पहले यह 6.3 अरब डॉलर था। दोनों क्षेत्रों ने मिलकर भारत के निर्यात में 7.6 अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि में योगदान दिया। हालांकि मामूली वृद्धि के बावजूद उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार क्षेत्र (नाफ्टा) भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना रहा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको वाले इस क्षेत्र को भारत का निर्यात 2.6 प्रतिशत बढ़कर 19.3 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 18.8 अरब डॉलर था।

हाईकोर्ट का वांगचुक...

हटाकर सफदरजंग अस्पताल ले जाए जाने की कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। दिल्ली उच्च न्यायालय के 16 जुलाई के उस आदेश का संज्ञान लेते हुए, जिसमें अधिकारियों को सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया गया था, न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा कि चूंकि वांगचुक स्वयं किसी अस्पताल में भर्ती नहीं हुए थे, इसलिए उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सरकार का उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाना उसके अधिकार क्षेत्र में था। अदालत ने कहा कि चूंकि सरकार ने सोनम वांगचुक की चिकित्सीय स्थिति को देखते हुए उन्हें अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया है, इसलिए अदालत इसे मनमानी कार्रवाई नहीं मानती। उसने कहा कि सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और उनकी सहमति से उन्हें केवल मौखिक तरल पदार्थ, पोटैशियम क्लोराइड तथा बिना चीनी वाला ओआरएस दिया गया है।

राजस्थान में फिर सक्रिय हो सकता है मानसून, 15 जिलों में यलो अलर्ट जारी

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान में मानसून की रफ्तार एक बार फिर बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पहले पूर्वी राजस्थान और उसके बाद पश्चिमी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। मौसम केंद्र जयपुर ने रविवार को प्रदेश के 15 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक 32 मिलीमीटर बारिश दौसा जिले के बसवा क्षेत्र में हुई। इसके अलावा अलवर, धौलपुर, बूंदी और कोटा के कुछ इलाकों में भी हल्की बारिश हुई। हालांकि प्रदेश में इस मानसून सीजन के दौरान अब तक सामान्य से करीब 25 प्रतिशत कम वर्षा हुई है, जिससे किसानों और आमजन की निगाहें आगामी बारिश पर टिकी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र कमजोर होकर अब चक्रवाती परिसंचरण तंत्र में बदल गया है। वहीं मानसून ट्रफ लाइन अमृतसर, करनाल और रांची से होकर गुजर रही है। इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में अगले दो से तीन दिन तक कमजोर मानसूनी परिस्थितियां बनी रह सकती हैं, लेकिन 20 और 21 जुलाई से कोटा, भरतपुर, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान के लिए भी राहतभरी खबर दी है। विभाग के अनुसार 22 से 28 जुलाई के बीच जोधपुर और बीकानेर संभाग के कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की प्रबल संभावना है। फिलहाल पश्चिमी राजस्थान में केवल श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के कुछ हिस्सों में ही हल्की बारिश हुई है। उधर, प्रदेश में गर्मी का असर भी बना हुआ है। श्रीगंगानगर लगातार सबसे गर्म जिला बना हुआ है। पिछले 10 दिनों में से 9 दिन श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म स्थान रहा। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं बीकानेर में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी सप्ताह में मानसून की गतिविधियों में सुधार होने से प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है, जिससे तापमान में गिरावट आने और खरीफ फसलों को राहत मिलने की उम्मीद है।

ड्यूटी के दौरान महिला थाना के एएसआई की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

दौसा,एजेंसी। महिला थाना में तैनात एएसआई गिरधारी लाल मीणा की शनिवार देर रात ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। महिला थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि 56 वर्षीय एएसआई गिरधारी लाल मीणा शनिवार रात ड्यूटी ऑफिसर के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। रात करीब 11:30 बजे उन्हें अचानक सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी महसूस हुई। कुछ ही देर में उनकी हालत गंभीर हो गई और वे अचेत हो गए। साथी पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गिरधारी लाल मीणा मूल रूप से अलवर जिले के प्रतापगढ़ क्षेत्र स्थित हमीरपुर गांव के निवासी थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। उन्होंने पुलिस विभाग में करीब 35 वर्षों तक सेवाएं दीं। वे लंबे समय तक दौसा कोतवाली थाने में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत रहे थे। करीब तीन माह पूर्व ही उनका पदोन्नति होकर एएसआई पद पर चयन हुआ था, जिसके बाद उनका स्थानांतरण महिला थाने में किया गया था। रविवार सुबह जिला अस्पताल में उनका पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसे अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक गांव हमीरपुर ले जाया गया। एएसआई की अचानक मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

▶▶ धौलपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, पुलिस जांच जारी

धौलपुर,एजेंसी। धौलपुर के मनियां थाना क्षेत्र के कृपा का पुरा गांव में शनिवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मनियां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार, कृपा का पुरा निवासी अनुष्का (22) पत्नी आकाश का शव शनिवार को घर के कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए मनियां अस्पताल भिजवाया। रविवार को मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई। पीहर पक्ष के पहुंचने के बाद रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका की शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। पुलिस फिलहाल मामले की गहन जांच में जुटी है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा।

उदयपुर सांसद बोले-आदिवासी हिंदू नहीं हैं जैसी मार्केटिंग हो रही

▶▶ धर्मांतरण का एक पूरा इकोसिस्टम काम कर रहा; आदिवासी इलाकों में बड़ा नेटवर्क सक्रिय

उदयपुर,एजेंसी। आदिवासी समाज के बच्चों को गोवा से शनिवार शाम उदयपुर लाया गया। उन्हें बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम यहां लेकर पहुंची। जिसके बाद उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने अपना एक वीडियो जारी किया। रावत ने वीडियो के जरिए कहा कि बच्चों को अवैध तरीके से मानव तस्करी के लिए तमिलनाडु ले जाया जा रहा था। ऐसी घटनाएं पहले भी हुई हैं और इसकी सूचनाएं लगातार आ रही हैं। इससे साफ पता चलता है कि क्षेत्र में धर्मांतरण का एक पूरा इकोसिस्टम काम कर रहा है। आदिवासी इलाकों में बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। सांसद रावत ने नेटवर्क का खुलासा करते हुए कहा कि ऋषभदेव थाना क्षेत्र के कानूवाड़ा में एक एफआईआर दर्ज हुई है। 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक व्यक्ति नेपाल का है, एक पंजाब का है। जानकारी के अनुसार नेपाल के व्यक्ति के साथ पाकिस्तानी भी था। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से भी तीन लोग इसमें जुड़े हुए थे। बाहरी लोग यहां आकर आदिवासी क्षेत्रों में छद्म तरीके से रहते हैं और धर्मांतरण की अवैध गतिविधियों को अंजाम देकर स्थानीय लोगों में अलगाव पैदा करते हैं। विकास को रोकने का प्रयास किया जा रहा सांसद ने आरोप लगाया कि ये लोग क्षेत्र में हो रही विकास की गतिविधियों और विकास के मार्ग को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। ये आदिवासियों को गरीब बनाए रखने के लिए लोभ-प्रलोभन देते हैं और यहां बड़े पैमाने पर पैसे के लेन-देन की सूचनाएं हैं। डूंगरपुर और बांसवाड़ा से भी ऐसी घटनाएं सामने आई सांसद ने पहले की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि डूंगरपुर के सेंट पॉल स्कूल और बांसवाड़ा के कलिंजरा में भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कोई 'ऐसी भारत' नाम के लोग भी यहां आकर कट्टरता की बातें करते हैं और लोगों को भड़काकर संविधान के खिलाफ ले जाते हैं।

महिला से गहने लूटने का आरोपी युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़,एजेंसी। हनुमानगढ़ टाउन पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान संगरिया के फतेहपुर निवासी मंगल सिंह (28) के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीनी गई सोने की बाली भी बरामद कर ली है। यह घटना 14 जुलाई को हुई थी। टिब्बी तहसील के नाईवाला निवासी राकेश कुमार ने हनुमानगढ़ टाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी वृद्ध मां सरकारी अस्पताल में दवा लेने आई थीं। शिकायत के अनुसार, दवा लेकर अस्पताल से बाहर निकलते समय एक युवक उनकी मां के कान से सोने की बाली झपटकर फरार हो गया था। इस रिपोर्ट के आधार पर टाउन थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपी से पूछताछ में जुटी पुलिस जांच अधिकारी एएसआई उम्मेदराम और उनकी टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ लगे मुर्दाबाद के नारे

सांड के हमले में जान गंवाने वाले परिवार को सहायता नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा

कोटा,एजेंसी। रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के बन्दा गांव में शनिवार को शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक मदन दिलावर के दौरे के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। नगर निगम की गौशाला में सांड के हमले में जान गंवाने वाले गोपाल भील के परिवार को अनुकंपा सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने मंत्री से मुलाकात की कोशिश की। इसी दौरान एक युवक के वीडियो बनाने पर मंत्री के निजी सहायक ने आपत्ति जताई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और मंत्री वहां से रवाना हो गए।

ग्रामीणों का आरोप है कि मंत्री ने उनकी बात सुने बिना ही कार्यक्रम स्थल छोड़ दिया। इसके बाद लोगों ने नाराजगी जताते हुए मदन दिलावर के खिलाफ नारेबाजी की और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

ज्ञापन देने गए थे ग्रामीण- निवर्तमान उप महापौर पवन मीणा के नेतृत्व में ग्रामीण गोपाल भील के परिवार की ओर से ज्ञापन सौंपकर अनुकंपा नियुक्ति और आर्थिक सहायता की मांग करना चाहते थे। पवन मीणा ने कहा कि ग्रामीण किसी निजी हित के लिए नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को न्याय और नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे थे। उनका कहना है कि यह एक संवेदनशील मामला है और ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों को पीड़ित परिवार की बात सुननी चाहिए। ग्रामीणों ने सरकार से गोपाल भील के परिवार को जल्द आर्थिक सहायता और आवश्यक राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे।

कार-बाइक की भीषण टक्कर में युवक की मौत, हादसे के बाद कार में लगी आग

जैसलमेर,एजेंसी। जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात कार और बाइक की भीषण भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार करीब 20 फीट तक हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद बाइक कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे शॉर्ट सर्किट होने पर कार में आग लग गई।

आग लगते ही कार के तीन दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, लेकिन पीछे का एक दरवाजा खुल जाने से कार में सवार तीन लोगों की जान बच गई। जानकारी के अनुसार रामगढ़ निवासी पंकज सोनी अपनी स्विफ्ट कार से जैसलमेर से बोहा गांव में एक ग्राहक को सोने का गहना देकर वापस लौट रहे थे। उनके साथ मोतीलाल सोनी और महेंद्र सोनी भी कार में सवार थे। शनिवार रात बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच सामने से आ रही एक बाइक से उनकी कार की भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद बाइक कार के बोनट में फंस गई और वाहन में आग लग गई। कार चालक पंकज सोनी ने बताया कि आग लगते ही कार के तीन दरवाजे लॉक हो गए।

काफी प्रयास के बाद एक दरवाजा खुला, जिससे तीनों युवक बाहर निकलने में सफल रहे। हादसे में कार सवार मोतीलाल सोनी के सिर पर चोट आई, जबकि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद कार सवारों ने घायल युवक की मदद करने का प्रयास किया। इसी दौरान युवक के पास गिरे मोबाइल पर उसके परिजनों का फोन आया। कॉल रिसीव कर हादसे की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नेहड़ाई गांव से परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान 28 वर्षीय फकीरा राम भील निवासी नेहड़ाई के रूप में हुई।

सूचना पर नेहड़ाई चौकी प्रभारी देवी सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और परिजनों की मदद से युवक को जैसलमेर के राजकीय जवाहिर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। हादसे में स्विफ्ट कार और बाइक दोनों आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गए। मोहनगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत

कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर जंगल में सड़क क्रॉस करते हादसा; गाड़ी की तलाश के लिए सीसीटीवी खंगालेगा विभाग

कोटा,एजेंसी। कोटा-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे में एक गाड़ी की टक्कर से हुए हादसे में वयस्क पैंथर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पैंथर जंगल से निकलकर सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। यह हादसा चित्तौड़गढ़ जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र में रविवार को करीब 12 बजे हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- घायल पैंथर सड़क किनारे काफी देर तड़पता रहा। हाईवे से गुजर रहे कई लोगों ने अपनी गाड़ियां रोककर उसे बचाने का प्रयास किया। वहीं वन विभाग को सूचना दी, लेकिन कुछ ही देर में पैंथर ने दम तोड़ दिया। कोटा मुकुंदरा टाइगर रिजर्व के डीएफओ मुथु एस ने बताया- प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सड़क पार कर पैंथर दूसरी ओर जा रहा था, तभी किसी गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। वन विभाग हादसे की जांच में जुटा है।

विभाग थाने में दर्ज कराएगा शिकायत

घटना की सूचना मिलते ही मांडलगढ़ रेंज के वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पैंथर के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना हुई। हाईवे पर पैंथर का शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

डीएफओ मुथु एस ने बताया- अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई जाएगी।

साथ ही हाईवे के टोल प्लाजा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी, ताकि आरोपी वाहन की पहचान की जा सके। पोस्टमॉर्टम के बाद वन विभाग पैंथर का अंतिम संस्कार करेगा।

ड्रग्स-फैक्ट्री पकड़ने पहुंची टीम, अंदर बन रहा था नकली घी

बाड़मेर,एजेंसी। बाड़मेर में ड्रग्स फैक्ट्री की सूचना पर पहुंची डीएसटी को नकली घी की फैक्ट्री मिली। टीम को मौके से 870 किलो तैयार मिलावटी घी, 1560 किलो पाम ऑयल और सोयाबीन तेल समेत अन्य सामान मिला। डीएसटी टीम ने स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। फूड इंस्पेक्टर ने मौके से घी के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस पूरे मामले की अलग से जांच कर रही है। मामला सदर थाना इलाके में सूरमल नगर रिंग रोड का रविवार का है। फैक्ट्री संचालक जितेंद्र जैन और तिलोक को डीएसटी टीम ने हिरासत में लिया है। दोनों आरोपी बाजार से असली घी लाकर इसमें पाम आयल मिलाकर नकली घी बनाते थे। मादक पदार्थ की सूचना पर पहुंची टीम, मिली घी बनाने की फैक्ट्री बाड़मेर डीएसटी टीम को रात में सूचना मिली कि रिंग रोड पर चामुंडा होटल के सामने एक घर में ड्रग बनाया जा रहा है। आज सुबह टीम मौके पर पहुंची तो वहां मकान के अंदर मिलावटी घी बनाने की फैक्ट्री चल रही थी। क्रीम से निकालते थे असली घी, फिर पाम ऑयल मिलाकर करते थे तैयार पुलिस की जांच में सामने आया कि यह फैक्ट्री जितेंद्र जैन और तिलोक नाम के दो युवक चला रहे थे। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वे मारुति डेयरी और बाजार से क्रीम खरीदकर लाते थे। क्रीम से घी निकालते थे।

● कॉन्स्टेबल की हत्या का आरोपी कोर्ट से भागा

सरेंडर करने आया था, जमानत न मिलने की आशंका पर फरार हुआ

दौसा,एजेंसी। दौसा में 5 साल पहले पुलिस कॉन्स्टेबल हत्याकांड में वांटेड बदमाश कोर्ट में सरेंडर करने के बाद भाग निकला। उसे अंदेशा था कि उसकी जमानत नहीं हो पाएगी। ऐसे में, मौका पाकर बदमाश कोर्ट में रफूचक्कर हो गया। मामला दौसा के सिकराय कोर्ट का शनिवार का है। कोर्ट की रिपोर्ट पर मानपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। लोक अदालत में भीड़ का फायदा उठा कर भागा मानपुर थाना इंचार्ज सतीश कुमार ने बताया- आरोपी विजय मीणा को 2024 में कॉन्स्टेबल संजय गुर्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। केस ट्रायल के दौरान आरोपी बेल पर चल रहा था। 2026 जून में इसी मामले में पेशी थी। आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इसके बाद 16 को विजय मीणा के खिलाफ सिकराय कोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी किया था। शनिवार को यह कोर्ट में सरेंडर करने आया था।

राजस्थान के सरकारी टीचर्स और स्टूडेंट्स को एआई सिखाया जाएगा

छात्र को किस सब्जेक्ट में ज्यादा मेहनत की जरूरत इसका भी पता लगाया जा सकेगा

उदयपुर,एजेंसी। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित पढ़ाई की शुरुआत होने जा रही है। इसके जरिए टीचर्स और स्टूडेंट्स दोनों को एआई तकनीक से जोड़ना है। इसके लिए टीचर्स एआई टूल्स का इस्तेमाल सीखेंगे। वहीं, स्टूडेंट्स को एआई के काम करने के तरीके, उसके सही और गलत उपयोग तथा डिजिटल सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में राजस्थान के 10 जिलों में करीब एक लाख शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके बाद यह मॉडल प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार किया जाएगा। शिक्षा विभाग इस पर काम कर रहा है। इसकी शुरुआत उदयपुर में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के जरिए की गई। इसमें प्रदेश की 34 डाइट की फैकल्टी को सबसे पहले समझाते हुए ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बताया जा रहा है कि एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में लैसन प्लान (शिक्षण योजना) कैसे तैयार किया जा सकता है। स्टूडेंट के स्तर के अनुसार गतिविधियां कैसे बनाई जा सकती हैं। मूल्यांकन कैसे तैयार होगा और किस छात्र को किस सब्जेक्ट में अतिरिक्त सहायता की जरूरत है, इसका विश्लेषण कैसे किया जा सकता है।

इससे पढ़ाई को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। स्टूडेंट्स को भी एआई के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्हें समझाया जाएगा कि एआई कैसे काम करता है। वह जानकारी किस आधार पर तैयार करता है। उसकी सीमाएं क्या हैं। किसी जानकारी की सत्यता कैसे परखी जाए। साथ ही साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल लिटरेसी और ऑनलाइन सुरक्षा से जुड़े विषय भी ट्रेनिंग का हिस्सा होंगे। ये कार्यक्रम राजस्थान के साल 2047 के विजन डॉक्यूमेंट के अनुसार शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में कदम है। एक्सपर्ट का मानना है कि जिन कार्यों में पहले शिक्षकों को एक घंटे तक का समय लगता था। वे एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में पूरे किए जा सकेंगे। इससे टीचर्स को स्टूडेंट्स के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय देने का अवसर मिलेगा।

कोटा में ऊर्जा मंत्री की बैठक में बत्ती गुल

कोटा,एजेंसी। कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की अधिकारियों के साथ चल रही बैठक में अचानक बिजली गुल हो गई। इसके चलते मंत्री जिला परिषद सभागार में करीब 6 मिनट तक अंधेरे में बैठे रहे। बाद में जनरेटर चालू कर लाइट बहाल की गई। रविवार को ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार, रास्ते के विवादों और निर्माण कार्यों को लेकर ऊर्जा मंत्री ने एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक में जिला परिषद के तमाम अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। बैठक दोपहर करीब सवा एक बजे शुरू हुई। मीटिंग शुरू होने के कुछ ही देर बाद, जब मंत्री नागर सड़कों के निर्माण को लेकर अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे, तभी हॉल की बत्ती गुल हो गई। हालांकि, बिजली जाने के बाद भी चर्चा रुकी नहीं और जारी रही। सभागार के कर्मचारियों ने तुरंत खिड़कियों के पर्दे हटा दिए ताकि अंदर प्राकृतिक रोशनी आ सके।

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुई- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गई। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरी, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला।इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

एपीएल नीलामी में महंगे खिलाड़ी बने डेनिश दास

आठों फ्रेंचाइजी ने तैयार की अपनी टीमें

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। असम क्रिकेट संघ (एसीए) द्वारा पहली बार आयोजित की जा रही असम प्रीमियर लीग (एपीएल) के खिलाड़ियों की नीलामी गुवाहाटी के वर्षपारा स्थित एसीए स्टेडियम परिसर के 91 यार्ड्स क्लब सभागार में संपन्न हो गई। इस बेहद रोमांचक और ऐतिहासिक नीलामी में राज्य के भरोसेमंद बल्लेबाज डेनिश दास लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। मार्की खिलाड़ियों की श्रेणी में शामिल डेनिश दास को बरपेटा ब्रेव्स ने 12.60 लाख रुपये की बड़ी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। आगामी सीजन के लिए सभी आठ फ्रेंचाइजी ने अनुभवी और उभरती हुई युवा प्रतिभाओं के सही मिश्रण के साथ अपनी-अपनी टीमें तैयार करने के लिए बढ़-चढ़कर बोलियां लगायी। नीलामी में विकेटकीपर-बल्लेबाज सुमित घाड़िगांवकर दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन्हें चराइदेव सनराइजर्स ने 12.20 लाख रुपये में खरीदा, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर शिबशंकर रॉय को बराक लेजेंड्स ने 12 लाख रुपये की कीमत पर अपने साथ जोड़ा। इसके अलावा लीग के शीर्ष पांच सबसे महंगे क्रिकेटरों में आयुष्मान मालाकार और ऑलराउंडर स्वरूपम पुरकायस्थ भी शामिल रहे, जिन्हें क्रमशः तेजपुर टाइटंस और जोरहाट स्टालियंस ने 11.80-11.80 लाख रुपये की समान राशि खर्च करके अपनी टीम का हिस्सा बनाया। नीलामी के मार्की राउंड के दौरान फ्रेंचाइजी के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां कई खिलाड़ियों पर मोटी रकम की बरसात हुई। प्रद्युन सैकिया को चराइदेव सनराइजर्स ने 10 लाख रुपये में और नगांव रेंजर्स ने ऑलराउंडर सुमित कश्यप को 9 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। वहीं अब्दुल अजीज कुरैशी 8.40 लाख रुपये में बराक लेजेंड्स, सौरव दिहिंगिया 7.80 लाख रुपये में बारपेटा ब्रेव्स, और भार्गव प्रतिम 5.20 लाख रुपये में बराक लेजेंड्स का हिस्सा बने। तेजपुर टाइटंस ने आकाश सेनगुप्ता और अभिनव चौधरी को 7-7 लाख रुपये में, जबकि गुवाहाटी रॉयल्स ने मृण्मय दत्ता को इसी कीमत पर अपनी टीम में शामिल किया। डिब्रुगढ़ वॉरियर्स ने साहिल जैन को 7.20 लाख रुपये और जीतुमोनी कलिता को 6.20 लाख रुपये में खरीदा। इसके अलावा गुवाहाटी रॉयल्स ने रोहित सेन को 5.40 लाख और तेज गेंदबाज मुक्तार हुसैन को 3.20 लाख रुपये में अपने पाले में किया, जबकि नगांव रेंजर्स ने राहुल सिंह को 3.20 लाख और रुहिनंदन पेगु को 2.80 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा। मार्की पूल के अलावा अन्य खिलाड़ियों की श्रेणी में निहार डेका को लेकर नीलामी में सबसे बड़ी जंग देखने को मिली, जिन्हें महज 1 लाख रुपये के बेस प्राइस से शुरू करके तेजपुर टाइटंस ने अंततः 9.80 लाख रुपये में खरीदा। इसके साथ ही जोरहाट स्टालियंस ने ऑलराउंडर अभिलाष गोगोई को 7.20 लाख रुपये में और नगांव रेंजर्स ने गेंदबाज सुनील लाचित को 7 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। गुवाहाटी रॉयल्स ने गुंजन ज्योति डेका व निबीर डेका को 5-5 लाख रुपये, निपोन डेका को 4.60 लाख रुपये और ऋषभ दास को 4 लाख रुपये में लेकर अपनी टीम मजबूत की। वहीं जोरहाट स्टालियंस ने द्युतिमय नाथ को 4.80 लाख रुपये, राजवीर सिंह को 4.20 लाख रुपये और एरिक रॉय को 3.40 लाख रुपये में शामिल किया। नीलामी के अंतिम दौर की अन्य प्रमुख खरीदारियों में बराक लेजेंड्स ने बरुणज्योति मालाकार को 4.20 लाख रुपये में, डिब्रुगढ़ वॉरियर्स ने रोनित अख्तर को 4.20 लाख रुपये व अनुराग फुकन को 3.60 लाख रुपये में, बरपेटा ब्रेव्स ने दीपज्योति सैकिया को 4.20 लाख रुपये में और नगांव रेंजर्स ने बिशाल रॉय को 4.40 लाख रुपये व ध्रुवराज बोरा को 4.20 लाख रुपये में अपने पाले में किया। इस ऐतिहासिक शुरुआत पर खुशी जताते हुए एसीए अध्यक्ष तरंग गोगोई ने कहा कि इसका आयोजन हमारे लिए एक बड़ा सपना रहा है, जिसे इस तरह साकार होते देखना बेहद सुखद है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस लीग से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में आईपीएल और भारतीय टीम जैसे उच्चतम स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने असम के क्रिकेट भविष्य में निवेश करने के लिए सभी फ्रेंचाइजी मालिकों का आभार भी व्यक्त किया। सभी टीमों के गठन के बाद अब इस पूरे टूर्नामेंट में बेहद कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

कपिल देव बोले-

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए।रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल है, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

तायक्वोंडो महासंघ की नयी समिति का गठन

गुवाहाटी, 19 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी के होटल ऑर्नेट में आयोजित एक आम बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय तायक्वोंडो महासंघ की नयी समिति का गठन किया गया है। असम तायक्वोंडो संघ की मेजबानी में संपन्न हुई इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान खेल संहिता 2025 के आधार पर संगठन की भविष्य की कार्ययोजनाओं को लेकर एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की गयी। इस नयी समिति में सर्वसम्मति से मणिपुर के वाई खेमचंद को अध्यक्ष चुना गया है, जबकि नगालैंड के पेले खिजो को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। संगठन को मजबूती देने के लिए असम के हिरण्य सैकिया और मिजोरम के जोसेफ थानसांगा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के लिखा रॉबिन को प्रधान महासचिव नियुक्त किया गया है, जबकि संयुक्त सचिवों के रूप में मेघालय के यदुमणि सिंह, सिक्किम के हीरा प्रधान और त्रिपुरा के सुजय कर को जिम्मेदारी दी गयी है। समिति के वित्तीय मामलों को संभालने के लिए नगालैंड के एंग्लेम मायर को कोषाध्यक्ष चुना गया है। महासंघ ने खेल की बारीकियों और नियमों को सुचारू रूप से लागू करने के लिए एक तकनीकी समिति का भी गठन किया है। इस तकनीकी समिति में असम से दिनेश गुप्ता व अली अहमद जाफरी, मणिपुर से मिस हरिप्रिया, मिजोरम से भानलालछावमा, सिक्किम से रूपेन प्रधान, नगालैंड से विसाबियू पेचेई और अरुणाचल प्रदेश से मारी कारबाक को शामिल किया गया है। पूर्वोत्तर राज्यों में तायक्वोंडो खेल को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को आगे लाने के उद्देश्य से इस नई कार्यकारिणी का गठन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

30 की हुई स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गई।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

टेस्ट: 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक

वनडे: 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक

टी20 अंतरराष्ट्रीय: 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

मीडियाटेक ने पेश की अगली पीढ़ी की एआई कैमरा टेक्नोलॉजी

नयी दिल्ली, 19 जुलाई। वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने नई दिल्ली में आयोजित 'बियॉन्ड द लेंस' टेक डे के दौरान अगली पीढ़ी की स्मार्टफोन कैमरा और एआई इमेजिंग तकनीकों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कंपनी ने अपने नए डायमेन्सिटी 9500 और डायमेन्सिटी 8500 चिपसेट की इमेजिंग क्षमताओं को प्रदर्शित करते हुए मोबाइल फोटोग्राफी के भविष्य की झलक दिखाई। इस अवसर पर एआई आधारित कैमरा प्रोसेसिंग, 18ईवी एचडीआर, 4के120 सुपर ईआईएस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और एज-टू-क्लाउड इकोसिस्टम जैसी तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। वीवो, ओप्पो, मोटोरोला और शाओमी के आगामी स्मार्टफोन भी प्रदर्शित किए गए। मीडियाटेक के निदेशक (मार्केटिंग एवं कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) अनुज सिद्धार्थ ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य उपभोक्ताओं को अधिक स्पष्ट, स्मार्ट और उन्नत मोबाइल फोटोग्राफी अनुभव उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि नए चिपसेट एआई और कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी को नई ऊंचाई देंगे। कार्यक्रम में स्मार्टफोन इमेजिंग के भविष्य पर विशेषज्ञों, टेक विश्लेषकों, पेशेवर फोटोग्राफरों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच चर्चा भी हुई। मीडियाटेक ने ऑटोमोटिव, एआई पीसी, डेटा सेंटर और अन्य कनेक्टेड डिवाइस क्षेत्रों में अपनी तकनीकी विस्तार योजनाओं की भी जानकारी दी। कंपनी के अनुसार, क्यू2 2026 में 49 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मीडियाटेक लगातार 24वीं तिमाही भारत का नंबर-1 स्मार्टफोन चिपसेट ब्रांड बना हुआ है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ का मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, 19 जुलाई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1-एफवाई2027) में 386 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 27.8 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने इस दौरान अपने पॉलिसीधारकों को 4,666 करोड़ के दावों और परिपक्वता लाभों का भुगतान किया। कंपनी के अनुसार, पहली तिमाही में टर्म प्लान कारोबार 60.4 प्रतिशत बढ़ा, जबकि 99.3 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेशियो बनाए रखते हुए उद्योग में अपनी अग्रणी स्थिति कायम रखी। इस अवधि में कंपनी ने छ1,306 करोड़ के मृत्यु दावों और छ3,360 करोड़ के मैच्योरिटी एवं सर्वाइवल बेनिफिट्स का भुगतान किया।आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के एमडी एवं सीईओ अनूप बागची ने कहा कि ग्राहकों को समय पर वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि गैर-जांच वाले दावों का औसत निपटान समय केवल एक दिन रहा। कंपनी ने बताया कि लागत में कमी और डिजिटल तकनीकों के बेहतर उपयोग से सेविंग्स कॉस्ट-टू-प्रीमियम रेशियो घटकर 13.6 प्रतिशत रह गया है। साथ ही, निदेशक मंडल ने कंपनी का नाम बदलकर 'आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड' करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है, जिसके लिए नियामकीय स्वीकृतियां ली जाएंगी।

10000 के सिप को बदला 9 लाख में

प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड के 5 साल पूरे

30 जून, 2026 तक 8.47 लाख रुपये में बदल गया

मुंबई, एजेंसी। प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड का पांच साल का सफर पूरा हो गया है। यूं तो बीते पांच साल के दौरान पूंजी बाजार का सफर रोलर कोस्टर वाला रहा है। लेकिन, बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों में भी इसका प्रदर्शन उत्साहजनक रहा हे। इसके शुरुआत के समय जिन्होंने 10,000 रुपये की मासिक खुलवाई होगी, वह 30 जून, 2026 तक 8.47 लाख रुपये में बदल गया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड का निवेश लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में होता है। एक तरह से कहें तो यह ओपन-एंडेड डायनामिक इक्विटी स्कीम है। इसकी शुरुआत 17 जुलाई 2021 को हुई थी। यह स्कीम 'ग्रोथ से वैल्यू बनती है' के सिद्धांत पर आधारित निवेश नीति का पालन करती है। इसका मकसद 'प्योर बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग अप्रोच' के जरिए तेजी से बढ़ने की क्षमता वाले मौकों में निवेश करना है। पिछले पांच सालों में

एक मजबूत इन्वेस्टमेंट प्रोसेस और लगातार ऊंचे एक्टिव शेयर की वजह से इस स्कीम का नेट एसेट्स वैल्यू लगभग दोगुना हो गया है। इस स्कीम को एक हाई-कनविक्शन पोर्टफोलियो बनाए रखने की कोशिश के साथ मैनेज किया जाता है, जिसमें एक्टिव शेयर यानी बेंचमार्क से अंतर 60 प्रतिशत से ज्यादा होता है और यह बेंचमार्क-एग्नोस्टिक होती है। इसका मकसद ऐसे पोर्टफोलियो को बनाना है जिसमें शामिल कंपनियां गिरावट के समय व्यापक बाजार की तुलना में तेजी से और बेहतर तरीके से रिकवर कर सकें। उदाहरण के लिए व्यापक बाज़ार में गिरावट की तुलना में स्कीम की एनएवी को रिकवर होने में कम समय लगा। पोर्टफोलियो का मार्केट-कैप मिक्स समय के साथ इसके बॉटम-अप स्टॉक सिलेक्शन प्रोसेस के स्वाभाविक नतीजे के तौर पर विकसित हुआ है। सफर फ़ायदेमंद होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है। इस दौरान, हम अपनी मुख्य निवेश सोच पर अडिग रहे हैं। इसमें बॉटम-अप रिसर्च के जरिए अच्छे बिजनेस की पहचान करना, मजबूत मैनेजमेंट टीमों का साथ देना और लंबे समय के नजरिए से निवेश करना शामिल है। पिछले पांच साल का सफर फ़ायदेमंद होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है।

कैसा रहा प्रदर्शन

इस फंड में उस समय खुलवाया गया 10 हजार रुपये महीने का सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान आज 8.47 लाख रुपये का कोर्पस बना दिया। मतलब कि पांच साल का 13.83 प्रतिशत रहा। इस दौरान कुल निवेश 6 लाख रुपये था। इसी अवधि में, बेंचमार्क 500 का XIRR 10.43 प्रतिशत होता। जिन्होंने इसमें एक बार ही 10 लाख रुपये का निवेश किया होगा, उसकी रकम आज 19.61 लाख रुपये में बदल गया। मतलब कि (चक्रवृद्धि रिटर्न) 14.55 प्रतिशत। इसके मुकाबले, यदि वही निवेश इसके बेंचमार्क 500 में किया होता, तो 17.4 लाख रुपये में बढ़ता, जिसका 11.88 प्रतिशत होता। इसमें बॉटम-अप रिसर्च के जरिए अच्छे बिजनेस की पहचान करना, मजबूत मैनेजमेंट टीमों का साथ देना और लंबे समय के नजरिए से निवेश करना शामिल है।

अब कहानियों से समझ आएगी इंश्योरेंस की एबीसीडी, लॉन्च हुई कॉमिक बुक सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा सबके लिए ' के विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ऐसा करते हुए इंश्योरेंस रेगुलेटर आईआरडीएआई के चेयरमैन अजय सेठ ने उपभोक्ताओं के मध्य जीवन बीमा की अवधारणाओं को आसान बनाने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक सीरीज का अनावरण किया। जीवन बीमा क्षेत्र के प्रमुख लीडर्स ने एक मंच पर आकर जीवन बीमा को सारे देशवासियों और परिवारों के लिए अधिक आसान, सरल और प्रासंगिक बनाने की दिशा में अपने साझा संकल्प को मजबूत किया।

यह शिक्षाप्रद कॉमिक बुक सिरीज जीवन बीमा की समझ को सरल और लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह इस तथ्य पर आधारित है कि संभावित खरीदारों के साथ वे लोग भी, जो जीवन बीमा लेने से बचते हैं, अक्सर इसे कठिन मानते हैं। इस पहल का उद्देश्य एमडब्ल्यूपी (मैरिड वुमंस प्रॉपर्टी एक्ट), वेवर ऑफ प्रीमियम और गंभीर बीमारी राइडर जैसी प्रमुख अवधारणाओं को

सरलता से समझाना है।

इंश्योरेंस के कॉन्सेप्ट को बनाया गया है आसान: इन कॉन्सेप्ट को तकनीकी भाषा के बजाय रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी कहानियों के जरिये प्रस्तुत किया गया है। सीखने के माध्यम के रूप में कॉमिक्स का चयन इस बात का संकेत है कि अब कहानी-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। यह विभिन्न आयु वर्गों और भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों से सहज रूप से जुड़ती है। यह सिरीज युवा जीवन बीमा सलाहकार सुप्रिया की यात्रा पर आधारित है। इसके माध्यम से वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को 'स्टोरी मेमोरीज' के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे लोगों को यह समझने में मदद मिलती है कि पहले लिए गए वित्तीय निर्णय भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। यह प्रयास 'बीमा सबके लिए' यानी (इंश्योरेंस फॉर ऑल) के व्यापक लक्ष्य की दिशा में एक सार्थक कदम है। यह केवल उत्पाद की जानकारी तक सीमित न रहकर उपभोक्ताओं को समझदारी के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

उन्होंने कहा, 'इस यात्रा में जीवन बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह लोगों और परिवारों को वित्तीय आत्मविश्वास प्रदान करता है, उनकी आकांक्षाओं को समर्थन देता है और सुरक्षित परिवारों की मजबूत नींव तैयार करता है। आईआरडीएआई के अध्यक्ष की ओर से जारी की गई यह उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक सीरीज इस मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुरक्षा के महत्व को एक अभिनव और सहज तरीके से उपभोक्ताओं तक पहुंचाती है। पूरे इकोसिस्टम के सामूहिक प्रयासों के जरिये भारत को वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं ताकि प्रत्येक व्यक्ति और परिवार अपनी आकांक्षाओं की सुरक्षा कर सके।

क्या है इस पहल का मकसद

राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस के अवसर पर शुरू की गई यह पहल आईआरडीएआई और जीवन बीमा उद्योग की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सूचित निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना, जीवन सुरक्षा सॉल्यूशन की समझ को गहरा करना और भारतीय परिवारों में वित्तीय तैयारी की भावना को मजबूत करना है। कॉमिक बुक सीरीज का अनावरण करते हुए आईएसी-लाइफ के अध्यक्ष कमलेश राव ने कहा, 'भारत की ग्रोथ स्टोरी उसके लोगों की उम्मीदों, प्रगति और दृढ़ता से आकार ले रही है। जैसे-जैसे देश अधिक समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, परिवारों की वित्तीय तैयारी को मजबूत करना दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा। 'बीमा सबके लिए ' का विजन एक परिवर्तनकारी यात्रा है। बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय परिवार की वित्तीय योजना का अभिन्न हिस्सा सुरक्षा को बनाना है।'

ऐसी जगह अटके रहने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं है जहां आप फिट नहीं बैठते: एन.आर. नारायण मूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भारत की टेक्नोलॉजी क्रांति की बात होती है तो एन.आर. नारायण मूर्ति का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। अपनी ईमानदारी वाली लीडरशिप और समझदारी के लिए पहचाने जाने वाले मूर्ति का लंबे समय से यह मानना रहा है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि चरित्र और मजबूती से मिलती है।

मूर्ति ने 1981 में छह साथियों और कम निवेश के साथ इन्फोसिस की शुरुआत की थी। उनकी लीडरशिप में कंपनी भारत की सबसे सम्मानित ग्लोबल टेक्न फर्मों में से एक बन गई। कॉर्पोरेट ट्रांसपेरेंसी, एथिकल गवर्नेंस और कर्मचारियों की हिस्सेदारी को बढ़ावा देने के लिए भी उन्हें काफी सराहना मिली। फोर्ब्स के अनुसार, 18 जुलाई 2026 तक नारायण मूर्ति की रियल टाइम नेटवर्थ 3.6 अरब डॉलर थी।

नारायण मूर्ति के विचारों से दुनियाभर में करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा मिली है। आइए, आज सुबह की शुरुआत नारायण मूर्ति के कुछ विचारों के साथ करते हैं:

1. विकास दर्दनाक होता है। बदलाव दर्दनाक होता है। लेकिन, ऐसी जगह अटके रहने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं है जहां आप फिट नहीं बैठते।
2. अगर इंग्लैंड एक विश्व शक्ति बना, तो इसकी वजह औद्योगिक क्रांति थी।
3. मुझे हमेशा से गणित पसंद रहा है। यह किसी भी विचार को व्यक्त करने का सबसे सटीक और संक्षिप्त तरीका है।
4. मेरा मानना है कि सभी यूनिवर्सिटीज को कम से कम राजनीति और पॉलिसी लागू करने से जुड़े कोर्स जरूर चलाने चाहिए।
5. मुझे लगता है कि आखिरकार, आपको बिजनेस में आने वाली रुकावटों को कम करना होगा और आदर्श रूप से उन्हें शून्य तक लाना होगा ताकि ज्यादा से ज्यादा एंटरप्रेन्योर ज्यादा से ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकें और लोगों की डिस्पोजेबल इनकम (खर्च करने योग्य आय) बढ़ सके।
6. एंटरप्रेन्योरशिप असल में भविष्य के फायदे के लिए अभी की संतुष्टि को टालने के बारे में है।
7. मुझे लगता है कि भारत के बाहर भी और भारत में भी मौके मौजूद हैं। असल में ज्यादातर भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियां जो बड़े प्रोजेक्ट्स कर रही हैं, उनमें से कुछ भारत में ही हैं।
8. इंजीनियर और डॉक्टर होने के नाते, हम सभी की यह बड़ी जिम्मेदारी है कि हम दुख झेल रही मानवता के चेहरों पर मुस्कान लाएं।
9. कोई भी ऐसा तरीका जिससे उपभोक्ताओं को फायदा हो, जिससे अनाज की बर्बादी न हो या जिससे सबसे गरीब लोगों की मदद हो, वह एक स्वागत योग्य कदम है।
10. हालांकि, हमारे पास हेल्थकेयर की पर्याप्त सुविधाएं हैं, लेकिन अक्सर ये गरीब और जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंच पाती हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी ही सबसे अच्छा समाधान है।

38000 की नौकरी छोड़ खोली चाय की दुकान

लोगों ने कहा- गलती कर रहे हो, आज हर महीने 1 लाख का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के दौर में जहां लोग एक सुरक्षित नौकरी की तलाश में रहते हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी किस्मत खुद लिखने का हौसला रखते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अंकित पांडेय नाम के एक यूजर की पोस्ट जमकर वायरल हो रही है। इसमें उन्होंने बताया है कि उनके पड़ोसी ने 38000 रुपये महीने की नौकरी छोड़ एक सफल बिजनेस खड़ा कर दिया। इससे उन्हें सारे खर्चे निकालकर 1 लाख रुपये की कमाई हो रही है।

अंकित के मुताबिक, उनके पड़ोसी पहले टेलीपरफॉर्मेंस कंपनी में काम करते थे, जहां उन्हें हर महीने करीब 38,000 रुपये सैलरी मिलती थी। व्यस्त रूटीन की वजह से दोनों की आपस में ज्यादा बातचीत नहीं हो पाती थी। इसी साल मई के महीने में उनके पड़ोसी ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया। जब उन्होंने नौकरी छोड़ी, तो आसपास के लोगों और जानने वालों को लगा कि वह अपने पैर

पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं और बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं।

लोगों की परवाह न करते हुए, उन्होंने अपने फैसले पर भरोसा रखा। उन्होंने करीब 2 लाख रुपये का निवेश किया और एक ऑटो स्टैंड के पास बहुत ही खूबसूरत और वेल-डिजाइन चाय की दुकान खोल ली। दुकान को अच्छे से चलाने के लिए उन्होंने चाय बनाने और सर्व करने के लिए दो महिला कर्मचारियों को भी नौकरी पर रखा। वह नॉर्मल चाय का कप 10 रुपये में और प्रीमियम चाय का कम 20 रुपये में देते हैं। दुकान खुलते ही उनका यह आइडिया सुपरहिट हो गया। आज के समय में उनके स्टॉल पर हर दिन लगभग 400 कप चाय बिक जाती है। इससे उनकी रोज की कमाई करीब 6,000 रुपये हो जाती है, यानी महीने का टर्नओवर लगभग 1.8 लाख रुपये बैठता है।

स्वामीनॉमिक्स: तेल के झटकों का दौर खत्म, अमेरिका की टैरिफ धमकी से भारत को नहीं घबराना चाहिए ,50 साल का इतिहास देता है जवाब

नईदिल्ली, ऐंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही धीमी पड़ गई है। ब्रेंट क्रूड का दाम युद्धविराम के बाद 72.6 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। इसके साथ ही अमेरिका के 60 सीनेटरों ने एक ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

कुछ ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि युद्धविराम को लेकर बेफिक्र होना गलत था। उनका कहना है कि भू-राजनीतिक जोखिम अब बाजार पर हावी हो गए हैं और आर्थिक संकट गहरा सकता है। उनका सुझाव है कि देशों को तेल के स्रोतों में विविधता लानी चाहिए, विदेशों में तेल क्षेत्रों का अधिग्रहण करना चाहिए, घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

इतिहास कुछ और बताता है: हालांकि इतिहास कुछ और कहानी बताता है। दुनिया इससे कहीं बड़े तेल संकट झेल चुकी है और मौजूदा स्थिति उसके मुकाबले बहुत छोटी है। हर तेल संकट की तुलना 1973-74 के अरब तेल प्रतिबंध से की जानी चाहिए। उस समय तेल की कीमत 2.7 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 10 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई थी। इससे दुनिया में

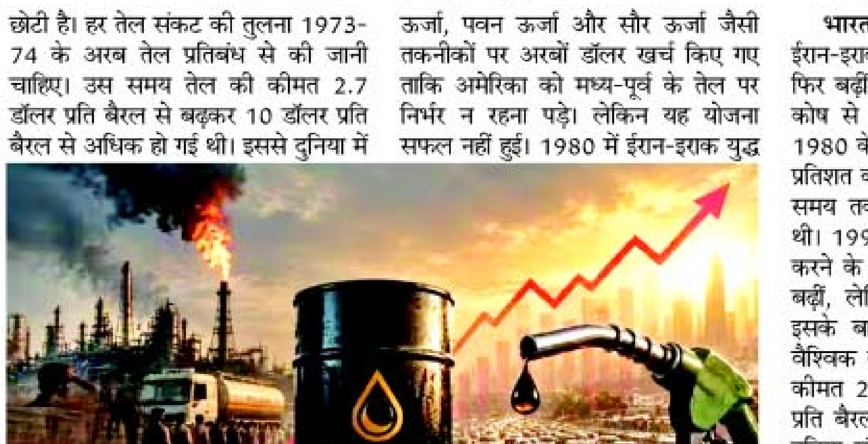

दोहरे अंक की महंगाई और मंदी आई थी।

उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने प्रोजेक्ट इंडिपेंडेंस शुरू किया। इस योजना के तहत सिंथेटिक ईंधन, शेल ऑयल, कोयला गैसीकरण, समुद्री तापीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जैसी तकनीकों पर अरबों डॉलर खर्च किए गए ताकि अमेरिका को मध्य-पूर्व के तेल पर निर्भर न रहना पड़े। लेकिन यह योजना सफल नहीं हुई। 1980 में ईरान-इराक युद्ध के दौरान तेल 30 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बाद भी कोई वैकल्पिक तकनीक बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो सकी। इसके बावजूद अमेरिका ने बाजार की ताकतों के सहारे अपनी आर्थिक प्रगति जारी रखी।

भारत को लेना पड़ा कर्ज: 1980 के ईरान-इराक युद्ध के दौरान तेल की कीमतें फिर बढ़ीं और भारत को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज लेना पड़ा। इसके बावजूद 1980 के दशक में भारत ने औसतन 5.3 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जो उस समय तक की सबसे तेज़ आर्थिक वृद्धि थी। 1990 में इराक द्वारा कुवैत पर हमला करने के बाद भी तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं, लेकिन यह बढ़ोतरी अस्थायी रही। इसके बाद 2003 से 2008 के बीच वैश्विक कमोडिटी बूम के दौरान तेल की कीमत 24 डॉलर से बढ़कर 144 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इसके बावजूद दुनिया मंदी में नहीं गई। बल्कि चीन की अगुवाई में वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और भारत ने भी कुछ वर्षों में 10 प्रतिशत तक की आर्थिक वृद्धि दर्ज की।

इस साल भी ब्रेंट क्रूड युद्ध से पहले 78.2 डॉलर प्रति बैरल था और अप्रैल के अंत में बढ़कर 126.4 डॉलर तक पहुंच गया। इसके बावजूद कीमतें दोगुनी नहीं हुईं। बाजार ने इस संघर्ष की तुलना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ज्यादा महत्वपूर्ण माना।

भारत भी खुद को सुरक्षित समझता था

जापान भी 1974 के तेल संकट के बाद बेहद चिंतित था। उसके पास न तो अपने तेल क्षेत्र थे और न ही विदेशों में तेल संपत्तियां। उसने नए तेल स्रोत खोजने और वैकल्पिक ऊर्जा पर निवेश करने की कोशिश की, लेकिन इसमें खास सफलता नहीं मिली। फिर भी 1990 तक बैंकिंग संकट आने से पहले जापान दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा। भारत ने भी 1974 के बाद ईरान के रोस्तम और रक्ष तेल क्षेत्रों में हिस्सेदारी हासिल कर खुद को सुरक्षित समझा था। लेकिन जल्द ही ईरान ने इन तेल क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण कर दिया। ओपेक के कई अन्य देशों ने भी ऐसा ही किया। इससे विदेशों में तेल संपत्तियां खरीदने की रणनीति लगभग विफल साबित हुई।

बेसिक पे 68940 रुपये! 3.83 फिटमेंट फैक्टर, 8वें पे कमीशन से होगा बड़ा बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। जस्टिस रंजना देशाई की अध्यक्षता में 8वें पे कमीशन का गठन किया गया है। मौजदा समय में यह आयोग देश भर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर कर्मचारियों और पेंशनर्स संगठनों से बातचीत कर रहा है। स्टाफ साइड ने पे कमीशन से 3.83 फिटमेंट फैक्टर की डिमांड की है। अगर इस मांग को मान लिया गया तो कर्मचारियों का बेसिक पे 283 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इससे मौजूदा 18000 रुपये का बेसिक पे 68940 रुपये पहुंच सकता है। बता दें, आयोग की तरफ से अबतक कोई भी ऐलान फिटमेंट फैक्टर या बेसिक पे को लेकर नहीं किया गया है। 8वां वित्त आयोग जो भी फैसला करेगा उसका सीधा असर 50 केंद्रीय कर्मचारियों और 70 लाख पेंशनर्स पर पड़ेगा। 8वें वित्त आयोग के सामने कर्मचारी संगठनों ने 69000 रुपये कम से कम बेसिक पे रखने की मांग की है। इसके साथ ही पुरानी पेंशन की व्यवस्था को भी बहाल करने की डिमांड की गई है। संगठनों ने अधिक एचआरए की भी मांग की है। फिटमेंट फैक्टर ही वह फॉर्मूला है जिसके गुणांक में सैलरी में इजाफा होगा। 7वें पे कमीशन के दौरान फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। अगर इस बार 3.83 फिटमेंट फैक्टर की मांग को मान लिया जाता है तो कर्मचारियों की सैलरी में मौजूदा बेसिक पे का इतने गुना ही इजाफा होगा। बता दें, 7वें वित्त आयोग के दौरान कम से कम बेसिक पे 7000 रुपये से बढ़कर 18000 रुपये हो गया था। 8वां पे कमीशन देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार मीटिंग कर रहा है। आयोग दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लखनऊ में मीटिंग कर चुका है। आयोग कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स से बातचीत कर रहा है।

रिजेक्शन ने सिखाया आगे बढ़ना : रश्मिका

रश्मिका मंदाना अक्सर कहती हैं कि करियर में मिले रिजेक्शन और असफलताएं ही उनकी सबसे बड़ी शिक्षक साबित हुईं। शुरुआती दिनों में कई ऑडिशन में उन्हें बिना स्पष्ट वजह के रिजेक्ट कर दिया गया। कई बार उन्हें चयन न होने की वजह भी नहीं बताई गई।

शुरुआत में यह निराश करने वाला था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने समझ लिया कि मनोरंजन इंडस्ट्री में रिजेक्शन हर कलाकार की यात्रा का हिस्सा है और इसे व्यक्तिगत असफलता नहीं मानना चाहिए। रश्मिका का मानना है कि अगर वह शुरुआती झटकों से टूट जातीं, तो शायद कभी *पुष्पा, एनिमल* और दूसरी बड़ी फिल्मों तक नहीं पहुंच पातीं। उन्होंने हर रिजेक्शन को खुद को बेहतर बनाने का अवसर माना। अपनी एक्टिंग, स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास पर लगातार काम किया।

वह कह चुकी हैं कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती, बल्कि धैर्य, निरंतर मेहनत और खुद पर भरोसे से मिलती है। यही सोच उन्हें हर असफलता के बाद दोबारा खड़े होने और मजबूत होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही।

रश्मिका ने कहा, इसी दौरान मुझे *किरिक पार्टी* का कॉल आया। मुझे लगता है कि वहीं से मेरी एक्ट्रेस के तौर पर असली यात्रा शुरू हुई। जब मुझे यह फिल्म मिली तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैं बस यही सोच रही थी, वाह...ये कैसे हो गया?

रश्मिका मंदाना ने 2016 में कन्नड़ फिल्म *किरिक पार्टी* से अभिनय की शुरुआत की। पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और रश्मिका कर्नाटक की नई स्टार बन गईं। उनकी सहज एक्टिंग और स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। कन्नड़ फिल्म *किरिक पार्टी* का निर्देशन कांतारा फेम एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने किया था।

जितना ज्यादा पानी पिएंगे, उतना ही स्वस्थ रहेगा शरीर

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ दिनभर में खूब पानी पीते रहने की सलाह देते हैं। पानी सिर्फ प्यास नहीं बुझाता, बल्कि ये शरीर के कामकाज को ठीक तरीके से जारी रखने के लिए भी जरूरी है।

हमारे शरीर का लगभग 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी ही होता है जो शरीर की लगभग हर महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं जैसे खून के संचार, शरीर का तापमान नियंत्रित रखने, पोषक तत्वों को कोशिकाओं तक पहुंचाना और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है। तो क्या शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खूब पानी पीते रहना चाहिए?

जब शरीर में पानी की कमी होती है तो किडनी को खून फिल्टर करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे पेशाब गाढ़ा हो जाता है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति रहने पर किडनी स्टोन, बार-बार यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का जोखिम हो सकता है। पर यहां समझना जरूरी है कि जिस तरह से पानी की कमी सेहत के लिए ठीक नहीं है, उसी तरह से ज्यादा पानी पीना भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, पर कैसे?

पानी जरूरी, पर संतुलित मात्रा में

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह धारणा गलत है कि जितना ज्यादा पानी पिएंगे, उतना ही शरीर स्वस्थ रहेगा। जरूरत से ज्यादा पानी पीने पर शरीर में सोडियम का स्तर असामान्य रूप से कम हो सकता है, जिसे हाइपोनेट्रेमिया कहा जाता है। यह स्थिति गंभीर होने पर मस्तिष्क में सूजन, भ्रम, दौरे और दुर्लभ मामलों में जानलेवा भी हो सकती है। हालांकि ज्यादा पानी पीने के कारण होने वाली समस्याएं बहुत दुर्लभ हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि पानी की जरूरत हर व्यक्ति में अलग-अलग होती है। उम्र, मौसम, शारीरिक गतिविधि, खानपान, गर्भावस्था और कुछ बीमारियों में पानी की जरूरत अधिक हो सकती है।

बहुत ज्यादा पानी पीने से क्या होता है?

जरूरत से ज्यादा पानी पीने पर शरीर का सोडियम स्तर काफी कम हो सकता है। इस स्थिति को हाइपोनेट्रेमिया कहा जाता है।

सोडियम कोशिकाओं के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी है। जब इसका स्तर तेजी से कम होने लगता है तो आपको कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

शुरुआत में मतली, सिरदर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है, जबकि गंभीर मामलों में भ्रम, दौरे, बेहोशी और जान का खतरा भी हो सकता है।

ज्यादा पानी पीने का किडनी पर असर

स्वस्थ किडनी अतिरिक्त पानी को पेशाब के रूप में बाहर निकाल देती है। लेकिन लगातार आवश्यकता से बहुत अधिक पानी पीना किडनी को लगातार अतिरिक्त काम करने पर मजबूर करता है। यदि किसी व्यक्ति को पहले से किडनी की बीमारी है, तो उसकी किडनी अतिरिक्त पानी को प्रभावी ढंग से बाहर नहीं निकाल पाती। इससे शरीर में पानी जमा हो जाता है और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन की समस्या बढ़ सकती है।

इसलिए किडनी रोगियों में पानी की मात्रा डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही तय की जाती है। हर व्यक्ति के लिए पानी की जरूरत अलग होती है। मौसम, वजन, उम्र, व्यायाम, गर्भावस्था, स्तनपान और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार यह बदलती रहती है।

देखो हंस न देना.....

पत्नी : सुनो जी, आज से तुम रोजाना शराब पिया करो...!

पति : क्यों...?

पत्नी : क्योंकि, आप नशे में ज्यादा काम करते हो...!,

पति : मैं कुछ समझा नहीं...?

पत्नी : अरे कल तुम शराब पीकर आए तो नशे में सारे गंदे पड़े बर्तन धो डाले, और तो और आपने मेरे पांव भी दबाए...!

साइक्लोस्पोरा संक्रमण ने बढ़ायी टेंशन, मरीजों को हो रही ये दिक्कतें

देश में मानसून की शुरुआत के साथ दूषित जल और भोजन के कारण होने वाली बीमारियों को लेकर लोगों को अलर्ट किया जा रहा है।

बारिश के दिनों फूड पॉइजनिंग का खतरा काफी बढ़ जाता है, जिससे गंभीर उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इसके लिए साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टेरिया जैसे रोगाणुओं को प्रमुख कारण माना जाता है। गंभीर स्थितियों में रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने तक की जरूरत हो सकती है।

इन्हीं लक्षणों के साथ अमेरिका में इन दिनों साइक्लोस्पोरा परजीवी के कारण होने वाली साइक्लो-स्पोरियासिस बीमारी का मामला बढ़ता देखा जा रहा है। ये मुख्य रूप से छोटी आंत का संक्रमण है जो पेट में ऐंठन और मतली के साथ गंभीर दस्त का कारण बनता है।

फूड पॉइजनिंग की ही तरह ये भी दूषित भोजन और पानी के कारण होने वाला संक्रमण है। खबरों के मुताबिक अब तक करीब 3000 लोग इसका शिकार हो गए हैं, जिसके कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर भी लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। साइक्लोस्पोरियासिस कितना खतरनाक है और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, आइए इस बारे में समझ लेते हैं।

फूड पॉइजनिंग जैसे लक्षणों वाली बीमारी साइक्लोस्पोरियासिस

अमेरिका में *साइक्लोस्पोरा* नामक फूडबोर्न पैरासाइट संक्रमण ने स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। यह संक्रमण किसी वायरस या बैक्टीरिया से नहीं बल्कि *साइक्लोस्पोरा कैटेनेन्सिस* नाम के सूक्ष्म परजीवी से होता है।

आमतौर पर यह संक्रमण दूषित सब्जियों, फलों और संक्रमित पानी के जरिए फैलता है। गर्मियों और बरसात के मौसम में इसके मामले बढ़ने की आशंका अधिक रहती है।

साइक्लोस्पोरा संक्रमण की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके लक्षण सामान्य फूड पॉइजनिंग जैसे ही दिखाई देते हैं। लगातार कई दिनों तक पानी जैसे दस्त, पेट में ऐंठन, मतली और कमजोरी होने पर लोग इसे सामान्य संक्रमण समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।

समय पर इलाज न मिलने पर यह बीमारी कई सप्ताह तक बनी रह सकती है।

कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों, बुजुर्गों, छोटे बच्चों और क्रॉनिक बीमारी वाले मरीजों में इसके कारण डिहाइड्रेशन के कारण खतरा अधिक हो सकता है।

कैसे करें साइक्लोस्पोरा संक्रमण की पहचान?

साइक्लोस्पोरा संक्रमण के कारण पानी जैसे दस्त होना सबसे आम है। संक्रमण होने के लगभग 2 से 14 दिन बाद लक्षण दिखाई देना शुरू हो सकते हैं।

कई मरीजों में दस्त कई सप्ताह तक आते-जाते रहते हैं। कुछ लोगों में इलाज न मिलने पर लक्षण एक महीने या उससे भी अधिक समय तक बने रह सकते हैं।

इसके अलावा पेट में ऐंठन, पेट दर्द, गैस, अत्यधिक थकान, कमजोरी, मतली-उल्टी, भूख कम लगना, वजन घटने और हल्का बुखार भी हो सकता है।

बार-बार दस्त होने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में यह स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है।

बचाव कैसे करें?

साइक्लोस्पोरा संक्रमण से बचाव के लिए साफ भोजन और स्वच्छ पानी का उपयोग सबसे जरूरी है।

फल और सब्जियों को खाने से पहले बहते साफ पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए।

हाथों की स्वच्छता भी बेहद महत्वपूर्ण है। खाना बनाने, खाने और शौचालय के बाद साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक हाथ धोना संक्रमण के जोखिम को कम करता है।

नेहा धूपिया ने कामकाजी महिलाओं को लेकर कही बड़ी बात, पार्टनर के सपोर्ट को बताया जरूरी

हाल ही में नेहा धूपिया ने एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट में शिरकत की। इस पॉडकास्ट में नेहा ने शादी और मां बनने के बाद हुए बदलावों का जिक्र किया। साथ ही बताया कि बिना सपोर्ट के कामकाजी महिलाओं का जीवन आसान नहीं है। नेहा धूपिया ने बताया कि बेटी मेहर के जन्म के बाद उनकी जिंदगी काफी बदल गई थी। लेकिन पति अंगद का सपोर्ट भी मिला। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि हर कामकाजी महिला के पीछे आमतौर पर एक आदमी होता है जो उसे संभालता है। वह आपका पार्टनर और आपका पति होता है। अगर ऐसा नहीं है, तो समझ लीजिए कि कोई समस्या है, क्योंकि यह मुश्किल काम होता है।

गोल्ड स्ट्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई हैं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी। सेरेमनी से नेहा धूपिया अवॉर्ड लेकर निकल रही थीं। तभी पैपराजी ने उनके ग्रे हेयर पर कमेंट किया, जिसके जवाब में भड़कते हुए उन्होंने कहा है, बोल लिया? कर लिया? ये बदतमीजी से बैक शॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? छापता कौन है? मत करो। मेरा नहीं करना है, किसी का नहीं करना है। बोल-बोलकर थक गए हैं।

हम लोगों का काम नहीं है ये। हम बाहर आते हैं, तो आप लोग वहां ये सब करते हैं, बैग उठाकर, बुक उठाकर, पीछे से चलते हुए, ये सब नहीं चलेगा अभी। बंद करो ये सब। बहुत इज्जत से आप लोगों से बात करते हैं, ये सब मत करो। मत करो, बिल्कुल ये सब मत करो।

बता दें कि कुछ समय पहले ही नेहा धूपिया का सोनाक्षी सिन्हा और जहीर के साथ रनिंग करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उनके बैक शॉट का इस्तेमाल हुआ था। कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पैपराजी पर गुस्सा करती दिखी थीं।

दरअसल, एक इवेंट के बाद मलाइका एक शख्स से बात कर रही थीं, लेकिन पैपराजी प्राइवेसी देने के बजाए लगातार उनका वीडियो ले रहे थे। ये देख एक्ट्रेस भड़क गईं और कहा-इधर ही आ जाओ। जान्हवी कपूर ने इंटरव्यू में गलत एंगल से वीडियो बनाए जाने पर कहा था, पैपराजियों को एक्ट्रेसेस की प्राइवेसी का सम्मान करना चाहिए।

रणबीर ने अरुण गोविल के लिए कही दिल छू लेने वाली बात

दिल्ली के *भारत मंडपम* में फिल्म *रामायण* का प्रथम संकल्प और रेड कारपेट इवेंट हुआ। कार्यक्रम में फिल्म से जुड़े कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए। इस बीच रणबीर कपूर ने भी अपने रोल पर खुलकर बात की।

दिल्ली में आयोजित इस इवेंट में फिल्म *रामायण* के ट्रेलर की झलक भी दिखाई गई। इवेंट में सबसे पहले फिल्म के मुख्य कलाकार रणबीर कपूर पहुंचे थे। उन्होंने इवेंट के मंच से अरुण गोविल को संबोधित करते हुए अपने रोल पर बात की। *रामायण* के ट्रेलर लॉन्च पर रणबीर कपूर ने अरुण गोविल के लिए कहा, सालों से आपने इस जिम्मेदारी को इतनी शालीनता, सच्चाई और गरिमा के साथ निभाया है। आपका सफर मेरे जैसे एक्टर के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए प्रेरणा रहा है।

आपने *रामायण* देखने वाले हर इंसान के अंदर आस्था जगाई है और उन्हें प्रेरित किया है। जिस तरह आपने भगवान श्रीराम के स्वरूप को अपने अंदर उतारा है, अगर मैं उसका थोड़ा सा हिस्सा भी हासिल कर पाऊं, तो मैं अपनी मेहनत को सफल मानूंगा।

हाल ही में मेकर्स ने ट्रेलर की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की थी। उन्होंने पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि फिल्म का ट्रेलर 24 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज किया जाएगा।

रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबाकि, इसके अलावा काजल अग्रवाल मंदोदरी और रकुल प्रीत सिंह सूर्पनखा की भूमिका में हैं और कुणाल कपूर भगवान इंद्र की भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में आदिनाथ कोठारे, लारा दत्ता, शीबा चड्ढा और अरुण गोविल जैसे कलाकार भी शामिल हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म *रामायण* मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है।

फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

मोबाइल इस्तेमाल करने वाले हर किसी को जान लेनी चाहिए ये जरूरी बात

मोबाइल फोन हम सभी की जिंदगी का सबसे जरूरी हिस्सा बन चुका है। सुबह आंख खुलने से लेकर रात को सोने तक शायद ही कोई ऐसा पल होता हो, जब फोन हमारे हाथ से दूर रहता हो। लेकिन जितनी तेजी से मोबाइल का इस्तेमाल बढ़ा है, उसे लेकर कई रिपोर्ट्स लगातार चिंता जताती रही हैं। मोबाइल के इस्तेमाल से निकलने वाली ब्लू लाइट को नींद, ब्रेन हेल्थ के लिए नुकसानदायक बताया जाता रहा है। मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर लोगों के मन में एक बड़ा सवाल ये भी रहा है कि क्या घंटों मोबाइल पर बात करना या लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करना ब्रेन ट्यूमर या कैंसर के खतरे को भी बढ़ा देता है?

सोशल मीडिया पर वायरल इससे संबंधित कई पोस्ट में दावा किया जाता रहा है कि मोबाइल से निकलने वाला रेडिएशन दिमाग को नुकसान पहुंचा सकता है। लंबे समय में इससे ब्रेन ट्यूमर होने का भी खतरा रहता है, क्या वास्तव में ऐसा है? इसको लेकर वैज्ञानिकों की एक टीम ने जरूरी जानकारी साझा की है, जो हर किसी को जरूर जाननी चाहिए।

मोबाइल का इस्तेमाल क्या वास्तव में खतरनाक

मोबाइल कई तरह की तरंगे निकालता है। हमारे चारों ओर भी विद्युत-चुंबकीय तरंगें मौजूद होती हैं। इन्हीं की मदद से हमें रेडियो पर गाने सुनने, वाई-फाई चलाने, जीपीएस (सैटेलाइट नेविगेशन) से रास्ता ढूंढने और मोबाइल फोन से बात करने की सुविधा देती हैं। ये तरंगें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का ही एक हिस्सा हैं।

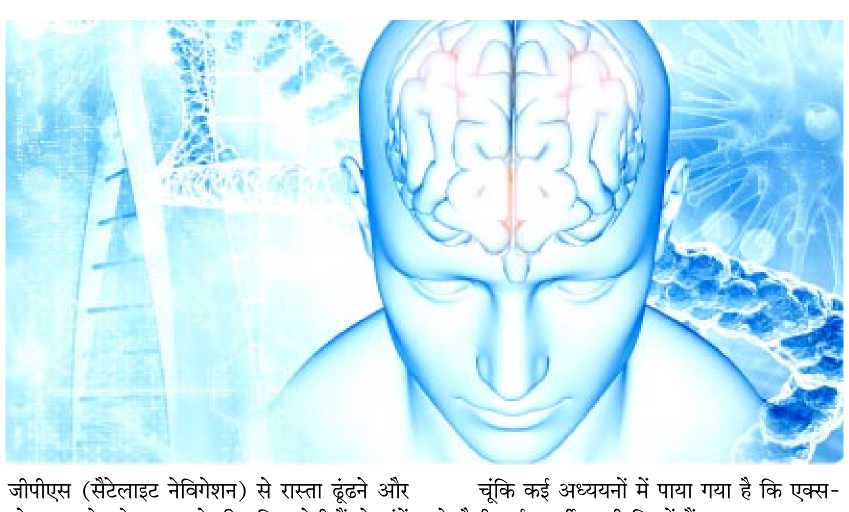

रेडिएशन शब्द सुनकर अक्सर लोग डर जाते हैं, लेकिन हर तरह का रेडिएशन खतरनाक नहीं होता। मोबाइल फोन से निकलने वाली तरंगें इस स्पेक्ट्रम के सबसे कम ऊर्जा वाले हिस्से में आती हैं। यानी इनमें ऊर्जा बहुत कम होती है।

चूंकि कई अध्ययनों में पाया गया है कि एक्स-रे जैसी हाई एनर्जी वाली किरणें कैंसर का खतरा बढ़ा सकती हैं, इसलिए लोगों यह चिंता बनी हुई है कि कहीं मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडियो तरंगें भी इंसानों के लिए नुकसानदायक तो नहीं हैं?

इसी चिंता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 2019 में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों के स्वास्थ्य पर असर को समझने के लिए 13 वैज्ञानिक समीक्षाएं करवाई थीं।

हालिया अध्ययन में में इन्हीं 13 समीक्षाओं के निष्कर्षों का विश्लेषण किया गया है। इसमें मोबाइल फोन से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों के कारण मस्तिष्क, सिर या गर्दन में कैंसर का कोई भी लिंक नहीं मिला।

अध्ययन में क्या सामने आया?

वैज्ञानिकों की अलग-अलग टीमों ने पहले से प्रकाशित हजारों अध्ययनों का विश्लेषण किया।

ब्रेन कैंसर वाली समीक्षा के लिए साल 1994 से 2022 के बीच प्रकाशित 63 अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि मोबाइल फोन के इस्तेमाल और ब्रेन कैंसर, सिर के कैंसर या गर्दन के कैंसर का कोई लिंक नहीं है। इतना ही नहीं, इससे कोई फर्क भी नहीं पड़ा कि कोई व्यक्ति मोबाइल का कितना ज्यादा या कितने वर्षों से इस्तेमाल कर रहा था।

वैज्ञानिकों ने यह भी पाया गया कि रेडियो और टेलीविजन ट्रांसमिशन से निकलने वाली तरंगों से भी कैंसर का खतरा नहीं रहता है। वैज्ञानिकों ने कहा, अगर मोबाइल फोन वास्तव में ब्रेन कैंसर का खतरा बढ़ाते, तो जैसे-जैसे मोबाइल फोन का इस्तेमाल बढ़ा, वैसे-वैसे ब्रेन कैंसर के मामलों में भी साफ बढ़ोतरी दिखाई देती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

युवा पीढ़ी भारतीय सिनेमा से दूर हो रही : माधवन

आर. माधवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। प्रमोशन के दौरान एक्टर ने चिंता जताई कि युवा दर्शक, जिनमें उनके 20 साल के बेटे वेदांत की पीढ़ी भी शामिल है, भारतीय सिनेमा से दूर होते जा रहे हैं। ये लोग जापानी एनीमे और कोरियन कंटेंट में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं। सिनेमा एक्सप्रेस से बात करते हुए आर माधवन ने कहा कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री दर्शकों को किसी दूसरी फिल्म इंडस्ट्री के हाथों नहीं खो रही है, बल्कि कहानी कहने के एक बिल्कुल अलग तरीके के कारण खो रही है।

माधवन ने खुद का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे एक डर है, जिसके बारे में मैं सोचना भी नहीं चाहता। अब तक तो मैंने उसका सम्मान कमाया है। वह 20 साल का हो गया है। लेकिन अगर आप मेरी युवा पीढ़ी को देखें, तो वे उससे पूरी तरह कटे हुए हैं।

यह एक बड़ी समस्या है। वे जापानी एनीमे और कोरियन कंटेंट देख रहे हैं। लेकिन वे हमारी तमिल फिल्में भी नहीं देखना चाहते। वे हिंदी या भारतीय फिल्में देखने के लिए थिएटर भी नहीं जाएंगे।एक्टर ने माना कि वह आसानी से पारंपरिक कमर्शियल फिल्में बनाते रह सकते थे, जिनसे उन्हें लगता है कि एक निश्चित स्तर की सफलता की गारंटी होती।

हालांकि, उन्होंने कहा कि वह ऐसे रोल करना चाहते थे, जिनसे उन्हें अपनी कला की गहराई दिखाने का मौका मिले। मेरा मानना है कि अगर मैं कोई कमर्शियल फिल्म बनाता हूं, तो उसका कम से कम एक गाना या सीन तो हिट होगा ही। बस यही फॉर्मूला हमें कई साल तक आगे ले जाने के लिए काफी है।

चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट्स चुनने के अपने फैसले के बारे में माधवन ने कहा कि अपनी जिंदगी के सभी अनुभवों को हम एक फिल्म में नहीं समेट सकते। एक्टिंग का मतलब ही यही है। लेकिन मुझे कभी भी एक्टिंग के लिए जरूरी गहराई और क्वालिटी दिखाने का मौका नहीं मिला। फिर जब आखिरकार ऐसा मौका मिला, तो मैंने तय किया कि मैं सिर्फ कोई आम कमर्शियल फिल्म नहीं कर सकता।

नमस्कार
अपर असम

प्रातः खबर

सोमवार, 20 जुलाई 2026

मौसम स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रुगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

लखीमपुर पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा और लायंस क्लब में उपाध्यक्ष-चेयरपर्सन चुने गए दम्माणी जी

खबर संवाददाता

लखीमपुर, 19 जुलाई। मण्डल- को गौरव प्रदान करने वाले हमारे मण्डलीय उपाध्यक्ष श्री माणिक लाल दम्माणी जी को दो महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर व्याप्त है। उन्हें एक साथ सामाजिक और सेवा संगठन दोनों में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मिली प्रमुख जिम्मेदारियां:पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 30वें सत्र 2026-29 के लिए श्री दम्माणी जी को उपाध्यक्ष चुना गया है। और लायंस इंटरनेशनल डिस्टिक - 322 वर्ष 2026-27 के लिए उन्हें जोनल चेयरपर्सन का दायित्व भी मिला है।

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

संभावित बाढ़ को लेकर जोरहाट जिला प्रशासन की चेतावनी, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

खबर संवाददाता

जोरहाट, 19 जुलाई। संभावित बाढ़ को ध्यान में रखते हुए जोरहाट जिला प्रशासन ने जिले के नागरिकों, विशेषकर तटवर्ती क्षेत्र के निवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। जिला आयुक्त जय शिवानी की तरफ से जारी सार्वजनिक सूचना में कहा गया है कि बाढ़ से होने वाली क्षति को रोकने के लिए सभी लोगों को प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। प्रशासन ने जनता से आग्रह किया है कि वे बाढ़ के पानी में न नहाएं, न कपड़े धोएं और न ही मछली पकड़ें। छोटे बच्चों को नदी-नाले के किनारे जाने से रोकें। रात में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में न जाएं और बिजली के खंभे, तार व ट्रांसफार्मर से दूरी बनाकर रखें। इसके साथ ही बाढ़ के पानी में तैरती खाद्य वस्तुओं का सेवन न करें। सूचना में यह भी कहा गया है कि बाढ़ के दौरान सांप घरों में घुस सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। यदि कोई बिजली का उपकरण या तार पानी में डूबा दिखे तो तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें। प्रशासन ने आपात स्थिति में नागरिक जिला नियंत्रण कक्ष 0376-2300124 एवं टोल फ्री नंबर 1077 पर संपर्क करने की अपील की है। जिला प्रशासन ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में इस सूचना का व्यापक प्रचार करे।

कृत्रिम बाढ़ की चपेट में मरियानी, हाहाकार की स्थिति

खबर संवाददाता

मरियानी, 19 जुलाई। कृत्रिम बाढ़ ने मरियानी क्षेत्र में भयावह स्थिति पैदा कर दी है। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण मरियानी के नकचारी इलाके में धोधर अली सड़क का एक हिस्सा तेज बहाव में बह गया है। इसके चलते मरियानी और अमगुरी के बीच सड़क संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। बाढ़ के कारण नकचारी क्षेत्र के 14 गांव जलमग्न हो गए हैं। कई स्थानों पर सड़क के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने हालात पर नजर बनाए रखी है, लेकिन यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो रात तक स्थिति और भी गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की मांग की है।

जोरहाट में लगातार बारिश से दोहरी मार कृत्रिम जलजमाव के साथ बाढ़ का खतरा

खबर संवाददाता

जोरहाट, 19 जुलाई। जोरहाट में बीते 24 घंटों से जारी लगातार बारिश ने शहर को जलमग्न कर दिया है। इस दौरान 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। देर शाम बोरीगांव इलाके में भोगदोई नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया और पानी तटबंध के ऊपर से बहने लगा। इससे पहले दोपहर बाद से ही हालात गंभीर नजर आ रहे थे। ब्रिटिश पुल के किनारे महिलाएं भगवान से प्रार्थना कर बाढ़ से बचाव की गुहार लगा रही थी। वहीं दूसरी तरफ जनता घाट से पूजाडूबी घाट तक तटबंध से सटे घरों में घुटनों तक यानी घुस आया। इसके चलते लोग अपने मवेशियों के साथ तटबंध पर ही शरण लेने को मजबूर हो रहे है। जनता घाट और फांसी आली के धोबीघाट को छूता भोगदोई का उफनता पानी रात को आने वाले खतरे से भयभीत कर रहा है। इधर लगातार बरसात के कारण निमातीघाट में ब्रह्मपुत्र का जलस्तर खतरे के निशान के काफी करीब पहुंच गया है। निमाती में फिलहाल जलस्तर 85.40 मीटर पर बढ़ रहा है, जबकि इसका डेंजर लेवल 85.54 मीटर है। वहीं एटी रोड स्थित भोगदोई नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 1.02 मीटर ऊपर बह रहा है। फिलहाल यहां जलस्तर 90.02 मीटर है और डेंजर लेवल 89 मीटर है। इसके अलावा जांजी और होराईपानी में भी भोगदोई नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। जबकि टियोक व काकोडुंगा में जलस्तर खतरे के निशान के काफी करीब पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि कल शनिवार शाम से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण पूरे शहर में कृत्रिम बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। शहर की प्रमुख सड़कों पर पानी भर जाने के साथ-साथ कई सरकारी एवं निजी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान और आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। हजारों परिवारों के घरों और आंगनों में पानी घुस जाने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। असम कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव लोचन डेका के अनुसार रविवार सुबह 8.30 बजे तक 80 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके बाद भी हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने से जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई। शहर के एटी रोड, जेबी रोड, टीआर फुकन रोड, क्लब रोड, मालौ आली, बरपात्र आली, केके बरुवा रोड, सोनारी गांव रोड, काकोती गांव रोड सहित अधिकांश मुख्य एवं आंतरिक सड़कें पानी में डूब गईं। कई स्थानों पर सड़क पर तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हुआ। बारिश के कारण जोरहाट जिला आयुक्त कार्यालय, एनसीसी कार्यालय, जगन्नाथ बरुवा विश्वविद्यालय, देवीचरण बरुवा गर्ल्स कॉलेज, देवीचरण बरुवा गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, क्रिसेंट एकेडमी सहित अनेक सरकारी कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के परिसर जलमग्न हो गए। शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में लोगों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी पानी घुस गया। एटी रोड पर ताराजान बामुन गांव से लेकर दो नंबर सोनारी गांव तक लगभग एक किलोमीटर से अधिक सड़क पूरी तरह जलमग्न हो गई। वहीं ताराजान स्थित देवीचरण बरुवा गर्ल्स कॉलेज के आसपास की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। चोलाधरा, क्लब रोड सहित कई इलाकों में जलभराव के कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि रविवार होने के कारण सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान और अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, फिर भी लगातार बारिश और जलभराव से पूरे शहर का सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से घसीटकर ले जाने के विरोध में मार्घेरिटा में प्रदर्शन

संवाददाता

मार्घेरिटा, 19 जुलाई। अखिल भारतीय किसान सभा और अखिल भारतीय युवा फेडरेशन का संयुक्त विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रख्यात वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं पर्यावरणविद सोनम वांगचुक द्वारा जारी अनशन को समाप्त कराने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम की वामपंथी संगठनों अखिल भारतीय किसान सभा और अखिल भारतीय युवा फेडरेशन ने कड़ी निंदा की है। दोनों संगठनों ने सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से घसीटकर ले जाने की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया।सरकार की इस कथित तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई के विरोध में आज मार्घेरिटा में दोनों संगठनों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। यह विरोध कार्यक्रम अखिल भारतीय किसान सभा तिनसुकिया जिला परिषद और अखिल भारतीय युवा फेडरेशन तिनसुकिया जिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में मार्घेरिटा के बरगोलाई में आयोजित किया गया।शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में भाग लेते हुए के असम राज्य परिषद के सचिव संजीव गांगुली ने केंद्र सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें लोकतांत्रिक आंदोलनों का सम्मान करने के बजाय उन्हें डर और धमकी के जरिए दबाने की कोशिश कर रही हैं।उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन सोनम वांगचुक की मांगों के समर्थन में एक मजबूत संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, संगठनों और समाज के सभी वर्गों से कल दिल्ली में आयोजित होने वाले विशाल विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की भी अपील की।

जागुन के आयूष छेत्री ने नीट में की सफलता हासिल

संवाददाता

जागुन, 19 जुलाई। पिछले दिन घोषित सर्व भारतीय स्तर की परीक्षा नीट यू जी के परिणाम में तिनसुकिया जिला के मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र जागुन के रामपुर पांच माइल निवासी रूद्र छेत्री और नीतू छेत्री का बेटा आयूष छेत्री ने अच्छे अंक लेकर नीट के रिजल्ट में सफलता हासिल की है। कुल नम्बर 720 में से 511 नम्बर हासिल कर अपने परिवार के साथ साथ अंचल का भी नाम रोशन किया है। आयूष छेत्री का सफलता की समाचार सुनते ही आयूष को शुभकामना और आशीर्वाद देने हितैषी और शुभ चिंतकों का आना जाना लगातार चल रहा है। ज्ञानदीप सिनियर सेकेंड्री स्कूल से मेट्रिक , डिब्रुगढ़ बयज हायार सेकेंड्री स्कूल से हायार सेकेंड्री परीक्षा पास करने के बाद सि,एस,आर,एल, आयल प्रज्ञान जोरहाट सुपर ठार्टी कोचिंग सेंटर से एक वर्ष का कोचिंग लिय था।

टियोक के मेलेंग में सेना अधिकारी मानद लेफ्टिनेंट सूर्यकांत बरफुकन का भव्य स्वागत

खबर संवाददाता

टियोक 19 जुलाई। टियोक विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मेलेंग बालीसापोरी में आज भारतीय सेना से सेवानिवृत्त मानद लेफ्टिनेंट सूर्यकांत बरफुकन का क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर झुमुर कलाकारों, एनसीसी कैडेटों तथा स्थानीय युवा संगठनों ने उनका पारंपरिक अभिनंदन किया। सेना अधिकारी सूर्यकांत बरफुकन आज प्रातः अपने पैतृक निवास, जोरहाट के दक्षिण बोहोत गांव पहुंचे। ऐतिहासिक हाथीगढ़ मौजा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बोरखात बालीसापोरी के एक किसान परिवार में जन्मे सूर्यकांत बरफुकन, स्वर्गीय सोमेश्वर बरफुकन और माता कल्पना बरफुकन के द्वितीय पुत्र हैं। अपने सैन्य जीवन के दौरान उन्होंने भारत के अलावा मलेशिया, उलानबटोर (मंगोलिया), कांगो, भूटान सहित सात देशों में विभिन्न जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया और एक कुशल सैन्य अधिकारी के रूप में अपनी पहचान बनाई। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें भारतीय सेना में मानद लेफ्टिनेंट की सम्मानित उपाधि प्रदान की गई। गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया। एनसीसी कैडेटों ने उन्हें सलामी दी, जबकि झुमुर कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर माहौल को उत्सवमय बना दिया। इसके बाद उनके आवास पर दिनभर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं ग्रामीणों ने देश की सेवा में उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके सुस्वास्थ्य एवं सुखद भविष्य की कामना की।

24 वर्षीय विवाहिता दो दिनों से लापता, इंस्टाग्राम पर युवक के साथ तस्वीर मिलने से गहराया रहस्य

संवाददाता

मोरानहाट,19 जुलाई। मोरान क्षेत्र से एक 24 वर्षीय विवाहिता के पिछले दो दिनों से लापता होने का मामला सामने आया है। महिला अपने पति और साढ़े चार वर्षीय बच्चे को छोड़कर अचानक घर से गायब हो गई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लापता महिला की पहचान मामणी सुतिया के रूप में हुई है। वह 3 नंबर रसीपथार गजपुरिया गांव निवासी घनकांत बरुआ की पत्नी है। परिवार के अनुसार, मामणी दो दिन पहले तड़के करीब 4 बजे घर से बिना किसी को बताए चली गई। पत्नी के लापता होने के बाद पति ने मोरान पुलिस थाने में इसकी सूचना दी। परिजनों ने बताया कि उसी दिन शाम करीब 4 बजे मामणी ने अपने पति को फोन कर बताया था कि वह चार-पांच युवतियों के साथ काम की तलाश में बेंगलुरु जा रही है और उसे कोई तलाशने की कोशिश न करे। इसके बाद से उसका मोबाइल फोन बंद है। इस बीच मामले ने नया मोड़ तब ले लिया, जब पति ने पत्नी का इंस्टाग्राम अकाउंट देखा। वहां एक अज्ञात युवक के साथ उसकी तस्वीरें मिलीं। इसके बाद परिवार ने आशंका जताई है कि मामणी उसी युवक के साथ चली गई हो सकती है। परिवार ने इंस्टाग्राम की तस्वीरों के साथ मोरान पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। परिवार ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मामणी चुतिया के बारे में कोई जानकारी मिले तो निकटतम पुलिस थाने या 8472815093 नंबर पर तत्काल सूचना दें।

मारवाड़ी युवा मंच, मोरानहाट शाखा ने जरूरतमंद को किया व्हीलचेयर प्रदान

संवाददाता

मोरानहाट, 19 जुलाई। मारवाड़ी युवा मंच, मोरानहाट शाखा द्वारा संचालित 'आओ खुशियाँ बाँटें' सेवा प्रकल्प के अंतर्गत आज नामोनी चांगमाई गाँव निवासी 58 वर्षीय पूर्णानंद गोगोई को एक व्हीलचेयर प्रदान की गई। यह व्हीलचेयर दानदाता ओम प्रकाश अग्रवाल एवं ज्योति अग्रवाल के सहयोग से उपलब्ध कराई गई। पूर्णानंद गोगोई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण चलने-फिरने में कठिनाई का सामना कर रहे थे। उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी युवा मंच ने दानदाताओं के सहयोग से उन्हें व्हीलचेयर उपलब्ध कराई, जिससे उनके दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मंच के पूर्व अध्यक्ष पवन मोर, अध्यक्ष स्वीटी शर्मा, सचिव मनीष बेड़िया, सह सचिव देवक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शंभू सुरेका तथा दानदाता ज्योति जी अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी ने लाभार्थी एवं उनके परिवार से मुलाकात कर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद भविष्य की कामना की। मारवाड़ी युवा मंच, मोरानहाट शाखा की अध्यक्ष स्वीटी शर्मा ने कहा कि मंच सदैव समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है तथा 'आओ खुशियाँ बाँटें' प्रकल्प के माध्यम से आगे भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

लिडू में नृत्य प्रतिभाओं का दमदार प्रदर्शन, टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने बिखेरा हुनर

संवाददाता

जागुन, 19 जुलाई। तिनसुकिया जिले के लिडू में रविवार को मृदुसुहासिनी डांस अकादमी की ओर से आयोजित टैलेंट सर्च नृत्य प्रतियोगिता में जिलेभर की उभरती प्रतिभाओं ने अपनी कला का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। लिडू बाजार उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में सुबह से शाम तक चले इस आयोजन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, लोकनृत्य, समकालीन और विभिन्न आधुनिक नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगी वेशभूषा, संगीत और बेहतरीन मंचीय प्रस्तुति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। प्रतिभागियों की प्रस्तुति पर सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। निर्णायक मंडल ने भी प्रतिभाओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजक समिति ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को आगामी दिनों में गुवाहाटी में आयोजित होने वाली बड़े स्तर की नृत्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। इसके लिए प्रतिभागियों का चयन उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। समिति के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरदराज़ क्षेत्रों में छिपी नृत्य प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राज्य स्तर तक अपनी पहचान बनाने का अवसर देना है। आयोजकों ने विश्वास जताया कि इस तरह के आयोजन क्षेत्र के युवा कलाकारों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दुमदुमा में ग्रीष्मकालीन फुटबॉल और वॉलीबॉल प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता

दुमदुमा, 19 जुलाई। दुमदुमा नगर खेल मैदान में दुमदुमा क्रीड़ा संस्था के सौजन्य से गत 3 जुलाई से 15 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के लिए आयोजित फुटबॉल और वॉलीबॉल प्रशिक्षण का आज औपचारिक रूप से समापन हो गया। इस प्रशिक्षण शिविर में सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने फुटबॉल और वॉलीबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आज दोपहर बाद आयोजित समापन समारोह में दुमदुमा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपेश ग्वाला ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उपस्थित खिलाड़ियों, संगठनों , आयोजकों और जनता को संबोधित करते हुए विधायक श्री ग्वाला ने दुमदुमा विधानसभा क्षेत्र में खेलों के विकास के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी और इस संबंध में सभी का सहयोग मांगा। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी डेढ़ से दो वर्षों के भीतर दुमदुमा में खेल के बुनियादी ढांचे में एक बड़ा बदलाव आएगा। इस कार्यक्रम में दुमदुमा क्रीड़ा संस्था की ओर से विधायक रूपेश ग्वाला को एक सेलेंग चादर , एक स्मृति चिह्न और एक अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में असम जातियतावादी युवा छात्र परिषद की केंद्रीय समिति के सहायक सचिव सुरजीत मोरान ने भी शुभकामना भाषण दिया। इस अवसर पर दुमदुमा के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन बरुआ, वरिष्ठ पत्रकार अनुज कलिता, दुमदुमा शतदल शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष देवेन डेका, दुमदुमा आंचलिक छात्र संस्था के महासचिव समुज्जल बोरा सोनोवाल, दुमदुमा क्रीड़ा संस्था के सचिव राणा सोनार, फुटबॉल सचिव राहुल फुकन, वॉलीबॉल सचिव शिव गोपाल जायसवाल, असमिया युवा मंच की तिनसुकिया जिला समिति के महासचिव अचिन्त्य मेधी, दुमदुमा नगरपालिका के वार्ड नंबर पांच के पार्षद नयन डेका, पत्रकार अभिजीत खाटनियार, मनोज बरुआ, ललित तांती, करन तांती, अजय ठाकुर, निर्मल बोरा, सुरजीत चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता सुरजीत बोरा, अकन डेका सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रशिक्षण शिविर में सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने फुटबॉल और वॉलीबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त किया। फुटबॉल का प्रशिक्षण क्रमशः शक्ति मोरान, विवेक कंद, सीमांत मोरान, विवेक तांती, रोहित सुरीन और विवेक भुजेल ने दिया, जबकि वॉलीबॉल का प्रशिक्षण राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी शिव गोपाल जायसवाल ने दिया। आज के समापन समारोह में विधायक रूपेश ग्वाला और उपस्थित अन्य अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

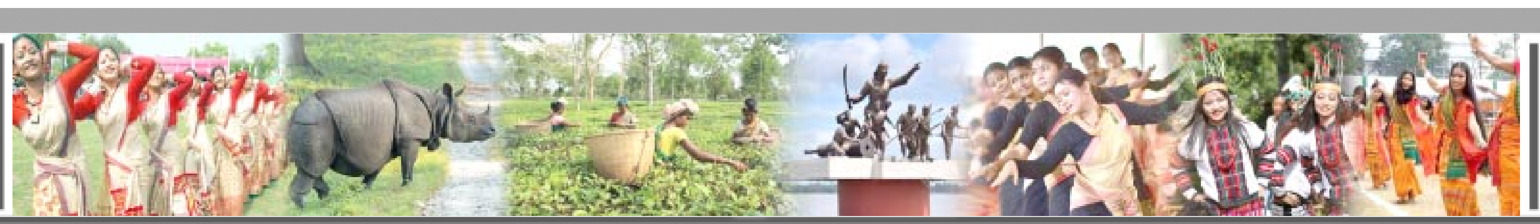

हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में भगवान राम का विवाह उत्सव

बबलू और संगीता ने पेश की जीवंत झांकी, राधे बने लखन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 19 जुलाई। जोरहाट के श्री हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में चल रही नौ दिवसीय श्री राम कथा के पांचवे दिन आज भगवान श्री राम और माता जानकी का विवाह उत्सव मनाया गया। इससे पहले कथावाचक नीरज भैया ने व्यासपीठ से धनुष यज्ञ और भगवान शिव के धनुष का विस्तार से वर्णन किया। इसके बाद प्रभु श्रीराम और सीता ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर विवाह की रस्में पूरी की। भगवान राम के रूप में शंकर प्रसाद कलवार (बबलू) को देख कर श्रोता भाव विभोर हो रहे थे, वहीं सीता के रूप में उनकी धर्मपत्नी संगीता कलवार ने भूमिका पूरी की। लक्ष्मण के किरदार में राधेश्याम चौधरी भी खूब जंचे। कल कथा के छठें दिन भगवान राम के वनवास और केवट का प्रसंग उपस्थित होगा। आज कथा के बाद शाम को श्री पुनरासर सुंदरकांड समिति ने यहां संगीतमय पाठ किया।

टियोक में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात

पांच किलोमीटर तक राष्ट्रीय राजमार्ग जलमग्न

खबर संवाददाता

टियोक, 19 जुलाई। टियोक के काकोजान क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग के लगभग 5 किलोमीटर हिस्से में करीब 2 फुट तक पानी भर जाने से लोगों और वाहनों की आवाजाही गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। शनिवार रात से जारी बारिश के कारण सर्विस रोड पूरी तरह जलमग्न हो गई है। काकोजान, द-गांव, कमार खाटोवाल सहित आसपास के लगभग 7 से 8 गांव पानी में डूब गए हैं। कई स्थानों पर लोगों को सुरक्षा के लिए वैकल्पिक रास्ते बंद करने पड़े हैं। अनेक घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी पानी घुस गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फोरलेन सड़क निर्माण के दौरान उचित जल निकासी व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण हर वर्ष ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण विभाग की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के साथ-साथ स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में डिब्रूगढ़ में आसू का कैंडल मार्च

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 19 जुलाई। शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में अखिल असम छात्र संस्था (आसू) ने शनिवार शाम डिब्रूगढ़ में राज्यव्यापी कैंडल मार्च एवं शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में आसू पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के समर्थन में अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। कैंडल मार्च शहर के निर्धारित मार्गों से शांतिपूर्वक निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की रक्षा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी और लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप विरोध दर्ज कराया। आसू नेताओं ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी बात शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान और नागरिक अधिकारों के संरक्षण पर निर्भर करती है। उनका कहना था कि समाज में संवाद और लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखना समय की आवश्यकता है। प्रदर्शन में शामिल प्रतिभागियों ने सोनम वांगचुक के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह कैंडल मार्च किसी व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करने का प्रतीक है। प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखा गया तथा प्रतिभागियों ने सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का भी संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल भी तैनात रहा। शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए इस कैंडल मार्च के माध्यम से आसू ने लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और संविधान की गरिमा बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आयोजकों ने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त रहेगा जब नागरिकों के अधिकारों का सम्मान किया जाएगा और उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा।

जगन्नाथ मंदिर के बाहर महिला से सोने की चेन झपटी

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 19 जुलाई। डिब्रूगढ़ के खानिकार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के बाहर रविवार को दिनदहाड़े एक महिला से सोने की चेन झपटने की घटना ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर से दर्शन कर बाहर निकल रही महिला को निशाना बनाते हुए बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने उसके गले से सोने की चेन झपट ली और कुछ ही क्षणों में फरार हो गए। घटना के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले कुछ समय से डिब्रूगढ़ में चोरी, झपटमारी और अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों में वृद्धि देखने को मिल रही है। उनका मानना है कि धार्मिक स्थलों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर इस प्रकार की घटनाएं होना पुलिस व्यवस्था के लिए चुनौती है और इससे आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। लोगों ने प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी निगरानी को और मजबूत करने तथा अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है। उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करने का प्रयास जारी है। पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि घटना से संबंधित कोई भी जानकारी या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि अपराधियों को जल्द से जल्द कानून के दायरे में लाया जा सके।

डिब्रूगढ़ में स्थापित होगा असम का पहला चाय नीलामी केंद्र, टी बोर्ड इंडिया ने दी ऐतिहासिक मंजूरी

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 19 जुलाई। असम के चाय उद्योग के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। टी बोर्ड इंडिया ने असम चाय बाजार एलएलपी को आधिकारिक रूप से ऑक्शन ऑर्गेनाइज़र लाइसेंस प्रदान कर दिया है। इस मंजूरी के साथ ही डिब्रूगढ़ में राज्य के पहले आधुनिक चाय नीलामी केंद्र 'असम चाय बाजार' की स्थापना का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। इसे असम के चाय व्यापार और विपणन व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। यह नया नीलामी केंद्र असम के चाय उत्पादन क्षेत्र, विशेषकर ऊपरी असम के लिए बड़ा बदलाव लेकर आएगा। अब चाय बागानों, लघु चाय उत्पादकों, बॉट-लीफ फैक्ट्रियों, चाय ब्रोकरों तथा देश-विदेश के खरीदारों को अपने उत्पादों की नीलामी के लिए गुवाहाटी अथवा कोलकाता पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। डिब्रूगढ़ में ही आधुनिक एवं पारदर्शी प्रणाली के तहत चाय की नीलामी होने से समय और परिवहन लागत दोनों में कमी आएगी। ऐसा मानना है कि स्थानीय स्तर पर नीलामी केंद्र शुरू होने से चाय उत्पादकों को उनकी उपज का अधिक प्रतिस्पर्धी और उचित मूल्य मिलेगा। इससे प्राइस डिस्कवरी की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी, बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और खरीदारों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित होगी। छोटे चाय उत्पादकों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से लाभकारी होगी, क्योंकि उन्हें अपने उत्पाद की बिक्री के लिए दूरस्थ नीलामी केंद्रों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह पहल डिब्रूगढ़ की पहचान को 'भारत की चाय नगरी' के रूप में और अधिक मजबूत करेगी। लंबे समय से यह मांग उठ रही थी कि देश के सबसे बड़े चाय उत्पादन क्षेत्र में अपना स्वतंत्र चाय नीलामी केंद्र होना चाहिए। अब यह सपना साकार होने जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। नए चाय नीलामी केंद्र के संचालन से चाय उद्योग से जुड़े हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलने की संभावना है। चाय व्यापार में आधुनिक तकनीक, डिजिटल नीलामी प्रणाली, बेहतर गुणवत्ता मूल्यांकन तथा तेज विपणन प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए भी डिब्रूगढ़ एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा। उद्योग जगत का मानना है कि यह निर्णय केवल एक नए नीलामी केंद्र की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह असम के चाय उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे चाय उत्पादकों की आय बढ़ाने, व्यापारिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने और राज्य के चाय उद्योग को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करने में मदद मिलेगी। टी बोर्ड इंडिया द्वारा दी गई इस मंजूरी को असम के चाय उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। इसके साथ ही डिब्रूगढ़ न केवल चाय उत्पादन की राजधानी, बल्कि चाय व्यापार और विपणन का भी एक प्रमुख राष्ट्रीय केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह पहल असम के चाय उद्योग के विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति के लिए एक नए युग की शुरुआत मानी जा रही है।

जोरहाट से बाबाधाम के लिए 31 जुलाई को रवाना होगा कांवड़ियों का जत्था

श्री श्याम वैद्यनाथ कांवड़ संघ में महिला भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था, पांच को जलाभिषेक

खबर संवाददाता

जोरहाट, 19 जुलाई। श्रावण मास के अवसर पर भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए जोरहाट के शिव भक्त पुनः तत्पर नज़र आ रहे है। इस क्रम में श्री श्याम बैद्यनाथ कांवड़ संघ के बैनर तले 51 कांवड़ियों का जत्था आगामी 31 जुलाई को पूरे जोश और भक्ति के साथ इस पवित्र यात्रा पर निकलेगा। संघ की तरफ से नेमीचंद तोतला ने बताया कि 31 जुलाई, शुक्रवार दोपहर 12:55 बजे मरियानी जंक्शन से चंडीगढ़ एक्सप्रेस के जरिए नवगछिया के लिए जत्था रवाना होगा। नवगछिया से सड़क मार्ग होते हुए कांवड़ियों का जत्था 1 अगस्त की शाम सुल्तानगंज पहुंचेगा। सुल्तानगंज में देर रात उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भरकर कांवड़ यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। लगभग 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा में पांच पड़ाव पूरे करने के बाद कांवड़िए 5 अगस्त को बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे। परंपरा के अनुसार इसके बाद 40 किलोमीटर की दूरी तय कर 6 अगस्त को बाबा बासुकीनाथ में भी जल अर्पित किया जाएगा। यात्रा पूरी करने के बाद जत्था 7 अगस्त को अवध असम एक्सप्रेस से जोरहाट लौटेगा। संघ से जुड़े प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि जोरहाट, देरगांव और बोकाखात के श्रद्धालु इस संघ में शामिल हैं। वहीं पिछले वर्षों की तरह इस बार भी जत्थे में महिला कांवड़ियां शामिल होंगी। महिला भक्तों के लिए संघ की ओर से हमेशा की तरह विशेष व्यवस्था रहेगी। साल 2000 में बिनोद सिंघल और प्रमोद अग्रवाल की पहल पर बना कांवड़ियों का यह संघ बीते 26 सालों से अनवरत अपनी यात्रा जारी रखे हुए है और इस बार 27वीं कांवड़ यात्रा होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए विनोद सिंघल (94350-50971), प्रमोद अग्रवाल (99544-17103), नेमीचंद तोतला (99571-16729), सुशील बंसल(75768-18848) अथवा अजय सरकार (98642-50325) से संपर्क किया जा सकता है। वहीं बोकाखात के भक्त गोविंद मोर (94351-54232) एवं देरगांव के भक्त विजय अग्रवाल (943555-15159) से संपर्क कर सकते है।

मोरान स्वायत्तशासी परिषद द्वारा मोरान समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 19 जुलाई । मोरान स्वायत्तशासी परिषद द्वारा शिक्षा विभाग की हेकेटा योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 के 10वी एवं 12वी परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विशेष सफलता प्राप्त करने वाले मोरान समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मोरान समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में 19 जुलाई रविवार को तिनसुकिया के मानव कल्याण पूजा भवन में अभिनंदन एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु एवं मंत्री रामेश्वर तेली के उपस्थिति के अलावा तिनसुकिया के जिला आयुक्त सुमित सत्तावन,तिनसुकिया के विधायक पुलक गोहाई,माकुम के विधायक संजय किसान,सदिया के विधायक बलिन चेतिया,डिगबोई के विधायक सुरेन फुकन, मोरान स्वायत्तशासी परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र नेउग,मुख्य कार्यकारी सदस्य अरुणज्योति मोरान सहित मोरान समुदाय के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि,बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। इस समारोह में वर्ष 2026 की 10वी एवं 12वी परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विशेष सफलता हासिल करने वाले मोरान समुदाय के कुल 857 मेधावी विद्यार्थियों को अभिनंदन किये जाने के साथ साथ आगे की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधित में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने कहा कि वर्तमान समय बौद्धिक युग का है और किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी शिक्षा और ज्ञान में निहित होती है।उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सही दिशा प्रदान करती है तथा अन्याय के मार्ग पर जाने से रोकती है।उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जीवन में बड़ा लक्ष्य हासिल करने के लिए कक्षा छह से ही अपने उद्देश्य को निर्धारित कर नियमित एवं अनुशासित अध्ययन करें। उनका कहना था कि हाईस्कूल या उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण करने के बाद लक्ष्य तय करने से अपेक्षित सफलता प्राप्त करना कठिन हो जाता है। समारोह को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी और कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है।उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान पूरे सभागार में उत्साह का माहौल देखने को मिला।सम्मान और आर्थिक सहयोग प्राप्त कर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मोरान स्वायत्तशासी परिषद की इस पहल की सराहना की।

सुधाकंठ की जन्म शताब्दी के मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता

नलबाड़ी, 19 जुलाई (ख.सं)। अखिल छात्र संघ असम और डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास के आह्वान पर बरभाग आंचलिक छात्र संघ के तत्वावधान में आज स्थानीय कमारकुची हाई स्कूल में छात्रों के बीच एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रतिष्ठित कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार दंडीराम दास ने किया। बैठक में अतिथि के रूप में उपस्थित बरभाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष अब्दुल कादिर अहमद, ऑल नलबाड़ी जिला छात्र संघ के शिक्षा सचिव धीराज कलिता और प्रसिद्ध चित्रकार प्रमोद काकती ने छात्रों को संबोधित किया। प्रतियोगिता के संचालन में बरभाग आंचलिक छात्र संघ के प्रभारी अध्यक्ष विभूति रंजन शर्मा, शिक्षा सचिव अनुपम तालुकदार, सांगठनिक सचिव कौशिक मेधी , राज अहमद, सांस्कृतिक सचिव हिया कलिता और साहित्य सचिव लीजा कश्यप आदि ने सहयोग किया।

मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा कार्यकारी समिति की सभा संपन्न

खबर संवाददाता

तिनसुकिया,19 जुलाई। मारवाड़ी सम्मेलन, तिनसुकिया शाखा की कार्यकारी समिति की सभा आज रविवार प्रातः10:45 बजे होटल रॉयल किचन में शाखा अध्यक्ष श्री पवन केजड़ीवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ शाखा सचिव श्री विमल चौखानी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए किया तथा बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत उन्होंने अध्यक्ष महोदय से बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया। अध्यक्ष श्री पवन केजड़ीवाल ने मई, जून एवं जुलाई माह में आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी कार्यक्रमों के संयोजकों एवं

सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा मातृ दिवस (10 मई), अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई), विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई), विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून), अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून), विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) तथा राष्ट्रीय डाक सेवा दिवस (1 जुलाई) जैसे कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभा में जुलाई, अगस्त एवं सितंबर माह के प्रस्तावित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से सावन माह में दो कांवर सेवा शिविर,15 अगस्त को मेगा रक्तदान शिविर, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस तथा 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर को तिनसुकिया की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं के सहयोग से व्यापक स्तर पर आयोजित करने हेतु जनसंपर्क अधिकारी श्री दीपक बजाज एवं उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र डालमिया को संयोजक नियुक्त किया गया। शाखा के अध्यक्ष ने जानकारी दी कि इस वर्ष संस्था द्वारा दीवा लग्न में विवाह करने वाले समाजबंधुओं श्री भरत गोयल एवं श्री मामन अग्रवाल के परिवारों को विवाह स्थल पर जाकर सम्मानित किया गया।उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यह सम्मान परंपरा निरंतर जारी रहेगी तथा ऐसे विवाह की जानकारी मिलने पर सदस्यों से अध्यक्ष को अवगत कराने का आग्रह किया। बैठक में श्री सज्जन खेतान,श्री संजय बंसल, श्री दामोदर शर्मा,श्री बजरंग लाल केजड़ीवाल, श्री नारायणराम भाटीवाड़ा,श्री निर्मल शर्मा,श्री सुशील अग्रवाल,श्री जितेंद्र डालमिया, श्री दीपक बजाज, श्री मुकेश जिंदल, श्री तेजपाल खंडेलवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सचिव श्री विमल चौखानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया, जिसके पश्चात अध्यक्ष महोदय ने सभा समाप्ति की घोषणा की।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR- 94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI- 73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250